11

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 218 पटना (बिहार) सोमवार,09 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

बेगूसराय में 10 रुपये के विवाद में पेट्रोल पंप पर फायरिंग, पंप कर्मी भाग कर बचाई जान

क्राइम संवाददाता द्वारा

बेगूसरायः बिहार के बेगूसराय अपराधी बेखौफ हो गए हैं. अपराधियों का क्रूर चेहरे एक बार फिर सामने आया है. महज 10 रुपये के मामूली विवाद को लेकर बदमाशों ने पेट्रोल पंप पर मारपीट और फायरिंग कर दहशत फैला दी. पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. जिसमें अपराधियों की पूरी करतूत रिकॉर्ड हो गई है.

पेट्रोल पंप पर फायरिंगः घटना ठल्-31 फोरलेन पर बलिया थाना क्षेत्र के जयंती पेट्रोल पंप सदानंदपुर ढाला की है. बताया जाता है कि दोपहर के समय दो युवक बाइक से पेट्रोल पंप पर आए और दो सौ रुपये का पेट्रोल भरवाया. पेट्रोल भरने के दौरान मीटर 10 रुपये से शुरू होने को लेकर उन्होंने नोजल मैन से विवाद किया. कर्मी से लाठी डंडों से मारपीटः बताया जाता है कि शुरूआती बहस के बाद आरोपी वहां से चले गए, लेकिन करीब एक घंटे बाद अपने दो अन्य साथियों के साथ दोबारा लौटे. पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में बदमाशों की सारी करतूत कैद हो गई. जिसमें साफ देखा जा सकता है कि बदमाशों ने नोजल मैन के साथ लाठी-डंडों से मारपीट शुरू कर दी. मारपीट के बाद बदमाशों ने हाथ में पिस्टल लेकर पेट्रोल पंप पर तोड़फोड़ मचाई और करीब 5 से 6 राउंड फायरिंग भी की. कमरे में बंद होकर कर्मी ने बचाई जानः मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया. नोजल मैन मैनेजर के कमरे में बंद होकर अपनी जान बचाता है. घटना की जानकारी मिलते ही बलिया डीएसपी नेहा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. 10 रुपये के विवाद मे यह घटना हुई है. दो मोटरसाइकिल पर चार लोग हथियार से लैस होकर आये और मारपीट करने लगे. किसी तरह भाग कर अपना जान बचाये. अगर नहीं भागते गोली मार देते. बदमाशों ने कई राउंड फायरिंग भी की गई. -महेश कुमार, पीड़ित नोजलमैन दो मैगजीन और सात कारतूस बरामदः पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन अपराधी को रविवार को गिरफ्तार कर लिया है. जिनके पास से पुलिस ने हथियार और गोली भी बरामद किया है.

दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से चिराग पासवान ने की मुलाकात

क्राइम संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुरः यह घटना जितनी भयावह है, उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है. एक मासूम बच्ची से पहले दुष्कर्म और फिर इलाज के नाम पर लापरवाही ने उसकी जान ले ली. हम पीड़ित परिवार का दर्द कम तो नहीं कर सकते, लेकिन इस लड़ाई में हर कदम पर उनके साथ रहेंगे. आरोपी को ऐसी सजा दिलाई जाएगी कि भविष्य में कोई भी इस तरह की घिनौनी हरकत करने से पहले सौ बार सोचे. यह कहना है केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का. चिराग मिले दुष्कर्म पीड़ित परिजन सेः दरअसल, शनिवार को लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान मुजफ्फरपुर पहुंचे. उन्होंने यहां हाल ही में सामने आए कुढ़नी और तुर्की इलाके के दुष्कर्म मामलों में पीड़ित बच्चियों के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी और हर संभव न्याय दिलाने का आश्वासन दिया. आरोपी की जल्द हो गिरफ्तारीः परिजनों से मुलाकात के बाद उन्होंने कहा कि आज भी समाज में ऐसी मानसिकता के लोग मौजूद हैं जो छोटी-छोटी बच्चियों के साथ घिनौनी हरकत करने से बाज नहीं आते. यह सोचने का विषय है कि आखिर हम किस दिशा में जा रहे हैं. हमलोगों ने हर संभव प्रयास किया कि जल्द से जल्द आरोपी गिरफ्तार हो.

बिहार की जनता तय करेगी कि मुझे कहां से विधानसभा चुनाव लड़ना चाहिए' ,:चिराग पासवान

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

आराः केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि इस साल के आखिर में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में उन्हें किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए, ये बिहार की जनता को तय करना है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने भोजपुर जिले के आरा में एक रैली में यह बयान दिया। वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले गढ़े गए अपने एक पुराने नारे को याद करते हुए चिराग ने कहा, 'मैं बिहार में विधानसभा चुनाव लड़ूंगा। मैं बिहार और उसके लोगों के लिए चुनाव लड़ूंगा। मैं रामविलास पासवान का बेटा हूं। मैं अपने पिता के सपनों को साकार करूंगा और राज्य को बदलने के उद्देश्य से 'बिहार प्रथम, बिहारी पहले' के लिए काम करूंगा।' सीट को लेकर चिराग ने बनाए रखा सस्पेंसःउस समय वो अपने पिता द्वारा स्थापित लोक जनशक्ति पार्टी का नेतृत्व कर रहे थे। बाद में पार्टी विभाजित हो गई और निर्वाचन आयोग ने उनके और उनके चाचा पशुपति नाथ पारस के नेतृत्व वाली पार्टी के गुटों को नए नाम और प्रतीक आवंटित किए। चिराग (42) हाजीपुर से सांसद हैं। चिराग ने कहा, ह्यआगामी विधानसभा चुनाव में मुझे राज्य की किस सीट से चुनाव लड़ना चाहिए, यह बिहार के लोगों को तय करना है। जब भी मैं कोई राजनीतिक फैसला लेता हूं, तो राज्य और उसके लोगों के हित में लेता हूं। ऐसा माना जाता है कि 2020 के विधानसभा चुनाव में पासवान की बगावत के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल (यूनाइटेड) को कई सीट पर हार का सामना करना पड़ा था। जद(यू) अभी भाजपा की सहयोगी पार्टी है। उन्होंने ये भी स्पष्ट कर दिया कि अनारक्षित निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने की उनकी योजना को मुख्यमंत्री पद की दौड़ या महत्वाकांक्षा से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, मैं एक बात स्पष्ट कर देना चाहता हूं। मेरे चुनाव लड़ने से मेरी पार्टी का ह्यस्ट्राइक रेट बेहतर होगा, जिससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मदद मिलेगी।स्ट्राइक रेट से आशय कुल सीट जिस पर पार्टी ने चुनाव लड़ा है, उसके सापेक्ष जीती गई सीट की संख्या के प्रतिशत से है। 'मैंने शेर के बच्चे की तरह लड़ाई लड़ी' :अपने चाचा पशुपति नाथ पारस का नाम लिए बगैर चिराग पासवान ने कहा, मैं अपने पिता के निधन के गम से उबर रहा था। मुझे गर्व है कि मैंने शेर के बच्चे की तरह लड़ाई लड़ी। मेरे अपने परिवार के सदस्यों ने मेरे पिता के निधन के तुरंत बाद अपने दांत दिखाने शुरू कर दिए थे। यह बिल्कुल स्पष्ट था कि उन्होंने यह सब अपनी महत्वाकांक्षाओं के कारण किया। उन्होंने कहा, ह्यलोगों ने मुझे तोड़ने की कोशिश की। मैं रामविलास पासवान का बेटा हूं और मुझे तोड़ा नहीं जा सकता। यह केवल बिहार के लोग थे जो चुनौतीपूर्ण समय में मेरे साथ खड़े रहे। पिता के निधन के बाद चिराग पासवान और उनके चाचा के बीच मतभेद के बाद लोक जनशक्ति पार्टी विभाजित हो गई और चुनाव आयोग ने दोनों गुटों को नए नाम और प्रतीक आवंटित किए। राहुल गांधी की इस टिप्पणी पर कि बिहार देश की अपराध राजधानी बन गया है, चिराग पासवान ने कहा कि कांग्रेस नेता को वर्ष 2005 से पहले राज्य में देखे गए जंगल-राज के बारे में बोलना चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य में जंगल-राज के लिए कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल जिम्मेदार थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ह्यडबल इंजन की सरकार ने बिहार को बदल दिया है। अब राज्य की छवि पूरी तरह बदल गई है। राजग शासन में राज्य में समग्र विकास हो रहा है।

खान सर के कोचिंग में राज्यपाल के आगमन को लेकर विवाद शुरू

बिशेष संवाददाता द्वारा

पटनाः खान सर इन दिनों चर्चा में हैं। सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटोर रहे हैं। इसी बीच उन्होंने समय निकालकर खान सर के कोचिंग का दौरा किया। उस दौरे के बाद एक शख्स ने सोशल मीडिया पर इस दौरे को लेकर सवाल उठाया है। जैकी यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि हाल ही में बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान साहब खान सर के कोचिंग सेंटर में आए थे, अब इसको लेकर कई लोग सवाल उठा रहे हैं। लोगों का कहना है कि आखिर एक राज्यपाल महोदय किसी व्यक्ति के निजी कोचिंग संस्थान में कैसे जा सकते हैं? राज्यपाल संवैधानिक पद ;उन्होंने आगे लिखा है कि आप एक राज्य के उच्चतम संवैधानिक पद पर हो तो ऐसे में आपको राजकीय विद्यालय और सरकार से जुड़े संस्थान विजिट करने चाहिए न की निजी संस्थान। आपका इस मुद्दे को लेकर क्या मानना है? उसके बाद लोगों ने इस सवाल पर जवाब देते हुए राज्यपाल के विजिट को सही करार दिया है। आकाश राठौड़ ने जवाब देते हुए लिखा है कि राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का खान सर के कोचिंग संस्थान का दौरा अपने आप में गलत नहीं है। उन्होंने खान सर को उनकी हाल की शादी और ईद-उल-अधा के अवसर पर बधाई देने के साथ-साथ गरीब छात्रों को शिक्षा प्रदान करने के उनके प्रयासों की सराहना करने के लिए यह दौरा किया।? लोगों ने उठाया सवाल :लोगों ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है कि हालांकि यह दौरा संभवतः एक सद्भावना और सकारात्मक शैक्षिक पहल को प्रोत्साहित करने के इरादे से किया गया था, लेकिन इसने एक संवैधानिक व्यक्ति द्वारा निजी संस्थान को प्राथमिकता देने और सरकारी स्कूलों की समस्याओं की अनदेखी करने के बारे में वैध चिंताएं पैदा की हैं। संवैधानिक दृष्टिकोण से, यह दौरा स्वाभाविक रूप से अनुचित नहीं है, बशर्ते यह व्यक्तिगत लाभ या पक्षपात को बढ़ावा न दे, जिसके कोई सबूत नहीं हैं। हालांकि, जनता की धारणा मायने रखती है, और सरकारी स्कूलों के सामने गंभीर चुनौतियों के बीच निजी संस्थानों पर ध्यान केंद्रित करने से प्राथमिकताओं के गलत होने का आभास हो सकता है। पहुंचे थे

पटना में चली 10-12 राउंड गोलियां, रक्समेत तीन लोग घायल

क्राइम संवाददाता द्वारा

पटनाः पटना में जमीन विवाद को लेकर गोलीबारी हुई है. धनरूआ थाना क्षेत्र के सेवती गांव की घटना है. जहां दो पक्षों की ओर से पहले रोड़ेबाजी हुई, उसके बाद दोनों ओर से गोलियां चली. घटना में तीन लोगों को गोली लगी है. एक शख्स को पैर में, दूसरे को सिर और तीसरे को पेट में गोली लगी है. तीनों का पीएमसीएच में इलाज चल रहा है. गोली लगने से तीन लोग जख्मीः घायलों की पहचान सब इंस्पेक्टर मनोज सिंह, सावन कुमार और रोहित कुमार के रूप में हुई है. सावन दारोगा का बेटा है, उसे तीन गोली लगी है. वहीं घटना की पर सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और अरविंद उर्फ लोहा सिंह, विजय सिंह, दीपक कुमार और चिंटू कुमार को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है. जमीन को लेकर दो पक्षों में विवादः दरअसल 9 बीघे जमीन को लेकर पिछले दो सालों से दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा था. बताया जाता है कि 1939 में तेतरी के बिंदेश्वरी चंद्रवंशी की खतियानी जमीन है, जो 4 साल पहले यह जमीन को किसी के हाथों एग्रीमेंट कर दिया. उसके बाद लगातार किसी दूसरे को जमीन का एग्रीमेंट कर रहे हैं. उसी दौरान 3 दिन पहले एक पक्ष ने जमीन की जुताई कर दी. हालांकि दूसरे पक्ष के लोगों ने बीच में ही रोक दिया. उसी को लेकर रविवार को पंचायत बुलाई गई थी. पंचायती के दौरान हुआ बवालः आज यानी रविवार के दिन पंचायती की तारीख मुकर्रर की थी. दोनों पक्षों के बीच समझौता हो रहा था. उसी बीच अचानक दोनों के बीच तीखी बहस हो गई. गाली-गलौज शुरू हो गई, फिर दोनों तरफ से रोड़ेबाजी होने लगी. तकरीबन 10 से 12 राउंड गोलियां चली हैं. इस दौरान तीन लोगों को गोली लगी है. सभी को अनुमंडल अस्पताल मसौढ़ी भेजा गया. जहां से प्राथमिक उपचार के बाद पटना रेफर कर दिया गया. क्या बोले थानाध्यक्ष?ः इस बारे में धनरुआ थानाध्यक्ष शुभेंदु कुमार ने बताया कि जमीन कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच मारपीट हुई है. यह मामला कोर्ट में भी चल रहा है. एक पक्ष का फैसला कैंसिल हो गया है, बावजूद उस जमीन पर कब्जा करना चाहते हैं. उसी को लेकर पंचायती हो रही थी. जहां मारपीट और गोलीबारी हुई है. ₹धनरुआ थानान्तर्गत ग्राम सेवती में जमीन विवाद को लेकर हो रहे

बक्सर के लाल सुनील सिंह को नम आंखों से दी गई विदाई, ऑपरेशन सिंदूर में हुए थे शहीद

बिशेष संवाददाता द्वारा

बक्सरः बक्सर में 46 वर्षीय शहीद जवान सुनील सिंह का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव नरबत पुर में लाया गया. 9 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी ड्रोन हमले में गंभीर रूप से घायल हुए सुनील ने 27 दिनों तक उधमपुर सैन्य अस्पताल में जीवन के लिए संघर्ष किया. हालांकि 5 जून को उन्होंने अंतिम सांस ली. जैसे ही उनके पार्थिव शरीर को गांव लाया गया, हजारों लोग उनकी एक झलक पाने के लिए उमड़ पड़े और भारत माता की जय के नारों से पूरा इलाका गूंज उठा. रानी घाट पर जवान को अंतिम विदाईः शहीद सुनील सिंह को अंतिम विदाई देने के लिए नरबत पुर में हजारों की भीड़ उमड़ पड़ी. रानी घाट पर उनके 14 वर्षीय पुत्र ने मुखाग्नि दी, जहां वह पंचतत्व में विलीन हो गए. इस दौरान जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने भी शहीद को सलामी दी, जबकि साथी जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया. हर आंख नम थी, और पूरा माहौल देशभक्ति के जज्बे से सराबोर था. तिरंगा यात्रा और 8 किलोमीटर का सम्मानः शहीद के सम्मान में जिले वासियों ने 8 किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकाली. हजारों लोग बाइक पर सवार होकर, हाथों में तिरंगा लिए, शहीद के पार्थिव शरीर के साथ चले. इस दौरान भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारे गूंजते रहे. यह यात्रा न केवल सुनील सिंह के बलिदान को श्रद्धांजलि थी, बल्कि देश के लिए उनके समर्पण का प्रतीक भी बनी. पूरा बक्सर इस शहादत के सम्मान में एकजुट हो उठा. परिवार का दर्द और गर्वः शहीद सुनील की पत्नी का अपने वीर सपूत के शव से लिपटकर रोना हर किसी की आंखें नम कर गया. उनके छोटे भाई, जो खुद भी फौजी हैं, ने बताया कि सुनील में हिम्मत कूट-कूटकर भरी थी. वेंटिलेटर पर रहते हुए भी वह मुस्कुराते थे और कहते, टेंशन मत लो.' सुनील ने देश के लिए अपनी जान न्योछावर की, और यह परिवार के लिए गर्व की बात है, भले ही दर्द असहनीय हो. ऑपरेशन सिंदूर में बलिदानः सुनील सिंह रजौरी में तैनात थे, जहां ऑपरेशन सिंदूर के तहत 9 मई को पाकिस्तानी ड्रोन हमले में वह बुरी तरह घायल हो गए. प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें उधमपुर सैन्य अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां 27 दिनों तक उनका इलाज चला लेकिन, गंभीर चोटों के कारण वह जीवन की जंग हार गए. उनकी शहादत ने न केवल बक्सर, बल्कि पूरे देश को गर्व और दुख के मिश्रित भावों से भर दिया.

भारत गौरव एक्सप्रेस, छत्रपति शिवाजी महाराज से जुड़े स्थलों के दर्शन कराएगी विशेष गाड़ी

भारत गौरव ट्रेन टूर को 100 प्रतिशत बुकिंग के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है।

शशांक चौधरी

नई दिल्लीः भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम लिमिटेड (आईआरसीटीसी) ने छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट भारत गौरव ट्रेन टूर शुरू किया है, जो 9 जून 2025 को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई से रवाना होगी। भारत गौरव ट्रेन टूर को 100 प्रतिशत बुकिंग के साथ जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। कुल 710 यात्री इस यात्रा का लाभ उठाएंगे। जिनमें से 480 यात्री इकोनॉमी (स्लीपर) में, 190 यात्री कम्फर्ट (3अउ) में और 40 यात्री सुपीरियर (2AC) में बुक किए गए हैं। भारत गौरव ट्रेन यात्रा की योजना छत्रपति शिवाजी महाराज के 351वें राज्याभिषेक समारोह के अवसर पर बनाई गई है। छत्रपति शिवाजी महाराज के दर्शन के लिए यह ट्रेन 9 जून, 2025 को रायगढ़ पहुंचेगी। छत्रपति शिवाजी महाराज सर्किट एक विशेष रूप से क्यूरेट किया गया टूर है, जो पांच रातों/छह दिनों की यात्रा में छत्रपति शिवाजी महाराज के गौरवशाली इतिहास और भव्य विरासत को प्रदर्शित करता है। यह टूर महाराष्ट्र सरकार, भारतीय रेलवे के बीच एक संयुक्त सहयोग है।

यह ट्रेन रायगढ़ किला, शिवनेरी किला, प्रतापगढ़ किला, पन्हाला किला, लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि जैसे ऐतिहासिक स्थलों को कवर करती है, जो महान छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को दशार्ते हैं। दो अतिरिक्त आकर्षणों में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और कोल्हापुर में महालक्ष्मी मंदिर शामिल हैं। सुविधा और सुलभता के साथ, यह ट्रेन यात्रियों को महाराष्ट्र के गौरवशाली अतीत और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को देखने का एक सहज अनुभव प्रदान करती है। 6 दिनों का यात्रा कार्यक्रम छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT), मुंबई से शुरू होगा। पहले दिन, रेलगाड़ी कोंकण रेलवे नेटवर्क पर माणगांव रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी, जो रायगढ़ किले के लिए निकटतम रेलवे लिंक है। पहला गंतव्य रायगढ़ है, जो उसी नाम के पहाड़ी किले के लिए जाना जाता है जहां छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था और बाद में यह उनकी राजधानी थी। दर्शनीय स्थलों की यात्रा पूरी होने पर पर्यटक वापस ट्रेन में लौट आएंगे क्योंकि यह अगले गंतव्य पुणे के लिए आगे बढ़ेगी, जहां पर्यटक रात का भोजन करेंगे और पुणे के होटल में रात बिताएंगे। दौरे के दूसरे दिन, पुणे में पर्यटक जिन प्रमुख स्थलों को देखेंगे, वे हैं लाल महल, कस्बा गणपति और शिवसृष्टि। वर्तमान संरचना का पुनर्निर्माण 1984 में उस भूमि के एक हिस्से पर किया गया था, जहां लाल महल खड़ा था और इसमें तेल चित्रों का एक विशाल संग्रह है जो छत्रपति शिवाजी महाराज के महत्वपूर्ण जीवन की घटनाओं को दशार्ता है। पुणे के पीठासीन देवता कस्बा गणपति का मंदिर 1893 का है और माना जाता है कि इसे छत्रपति शिवाजी महाराज की मां जीजाबाई ने बनवाया था। तब से, शहर को गणेश के शहर के रूप में जाना जाता है। बाद में दिन में, पर्यटक शिवसृष्टि का दौरा करेंगे। जो छत्रपति शिवाजी महाराज की कथा को प्रदर्शित करने वाला सबसे बड़ा ऐतिहासिक थीम पार्क है। पर्यटक यहां मराठा शासक की जीवन कहानी 3डी में देखेंगे और अन्य इंटरैक्टिव सत्रों का आनंद लेंगे। पुणे में एक रात के आराम के बाद, तीसरे दिन मेहमान शिवनेरी की यात्रा करेंगे। यह छत्रपति शिवाजी महाराज की जन्मस्थली है और मुस्लिम शासन के खिलाफ मराठा गौरव और प्रतिरोध का प्रतीक है। दोपहर के भोजन के बाद पर्यटक रात्रि विश्राम के लिए पुणे लौटने से पहले 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग मंदिर का दर्शन करेंगे। यात्रा कार्यक्रम के चौथे दिन, पर्यटक सतारा की आगे की यात्रा के लिए ट्रेन में सवार होंगे। इस स्टेशन से कवर किया जाने वाला प्रमुख स्थल प्रतापगढ़ किला है, जो 1659 में छत्रपति शिवाजी महाराज और बीजापुर सल्तनत के जनरल अफजल खान के बीच हुए प्रतापगढ़ युद्ध के कारण अत्यधिक ऐतिहासिक महत्व रखता है। इस युद्ध ने मराठा साम्राज्य की स्थापना के लिए मंच तैयार किया था। यात्रा के बाद, पर्यटक एक उपयुक्त स्थान पर दोपहर का भोजन करेंगे और वापस ट्रेन के लिए रवाना होंगे, क्योंकि यह ट्रेन यहां से यात्रा के अंतिम गंतव्य कोल्हापुर के लिए आगे बढ़ती है। नहाने-धोने और होटल में नाश्ता करने के बाद पर्यटक महालक्ष्मी मंदिर जाएंगे, जिसे अम्बाबाई के नाम से जाना जाता है और उसके बाद पन्हाला किला जाएंगे। सह्याद्री पर्वतमाला के ऊपर स्थित यह पहाड़ी किला कई लड़ाइयों का गवाह है और छत्रपति शिवाजी महाराज से इसका गहरा संबंध है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने 500 से अधिक दिन वहां बिताए थे। यहां उन्हें बंदी बनाकर रखा गया था और बाद में वे भाग निकले थे। पन्हाला किले को 'सांपों का किला' भी कहा जाता है, क्योंकि यह आकार में टेढ़ा-मेढ़ा है। यह किला छत्रपति शिवाजी महाराज और शंभाजी महाराज के जीवन इतिहास से जुड़ा हुआ है। इसे किले पर कब्जा करने की लड़ाई के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज के सेनापति बाजी प्रभु देशपांडे द्वारा दिखाई गई वीरता के लिए याद किया जाता है। देर शाम को ट्रेन मुंबई के लिए वापस शुरू होती है और 6वें दिन सुबह मुंबई पहुंचती है। सभी श्रेणियों में सभी समावेशी मूल्य में संबंधित श्रेणियों में ट्रेन यात्रा, आरामदायक होटलों में रात का ठहराव, सभी भोजन (केवल शाकाहारी), बसों में सभी स्थानांतरण और दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा बीमा, टूर एस्कॉर्ट की सेवाएँ आदि शामिल होंगे। यात्रियों को एक सुरक्षित और यादगार अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक प्रयास किए जाएंगे।

भाजपा विकास के एजेंडे पर काम करती है, इसलिए जनता हमारी सरकार लाती है : कमलजीत सहरावत

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 2024 में आयोजित महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लोकतंत्र में धांधली का ब्लूप्रिंट बताया है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मैच फिक्सिंग वाले राहुल गांधी के बयान पर दिल्ली से भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि भाजपा विकास के एजेंडे पर काम करती है। इसीलिए, जनता हमारी सरकार बनाती है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि राहुल गांधी का हर बयान अपने आप में काफी अलग सा होता है। वह कभी अपनी हार की जिम्मेदारी नहीं लेते। कभी पूरे भारत में शासन करने वाली सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस, आज संसद में तीसरे स्थान पर पहुंचने के लिए भी संघर्ष करती है। यह स्पष्ट रूप से पार्टी की विचारधारा और कार्यप्रणाली में खामियों को दर्शाता है। राहुल गांधी चुनाव के वक्त देश में नहीं रहते हैं और जब विदेश में होते हैं तो देश के खिलाफ बयानबाजी कर रहे होते हैं। कांग्रेस अगर लगातार चुनाव हार रही है तो वह अपनी कमियों की वजह से हार रही है। भाजपा विकास के एजेंडे को लेकर चलती है, लोग वोट करते हैं और सरकार बनती है।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी का मैच फिक्सिंग आरोप बिल्कुल सही : उदित राज

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता उदित राज ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव में धांधली का आरोप लगाया। राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर एक आर्टिकल शेयर किया है और दावा किया है कि जिस तरह से महाराष्ट्र चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई यह बिहार चुनाव में भी दोहराई जाएगी। क्योंकि, भाजपा जहां-जहां हारती है वहां हेराफेरी की जाती है। इस पर उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी ने महाराष्ट्र चुनाव को लेकर मैच फिक्सिंग की बात बिल्कुल सही कही है। समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उदित राज ने कहा कि राहुल गांधी तथ्य के साथ बातचीत करते हैं। चुनाव आयोग ने समझौता किया। फर्जी वोट डाले गए, जिसका जवाब चुनाव आयोग नहीं दे पाया है। महाराष्ट्र की सरकार बेईमानों की सरकार है। इस चुनाव में ईवीएम में घोटाला हुआ है। महाराष्ट्र की सरकार जनता ने नहीं चुनी है। राहुल गांधी के जातिगत आरक्षण पर 50 प्रतिशत की सीमा की बाधा खत्म करने वाले बयान पर उदित राज ने कहा कि पूरे देश की मांग है कि यह होना चाहिए।जम्मू-कश्मीर के दौरे के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला की ओर से पीएम मोदी की तारीफ किए जाने पर उदित राज ने कहा कि मैंने भी उनका भाषण सुना है। उन्होंने कहा कि जो काम अंग्रेज नहीं कर पाए वह काम पीएम मोदी ने किया। लेकिन, ऐसा नहीं कहा कि जो काम कांग्रेस नहीं कर पाई वो काम पीएम मोदी ने किया। अच्छी बात है कि वह तारीफ कर रहे हैं। लेकिन, जब जानते हैं कि नरसिम्हा की सरकार में इस प्रोजेक्ट की नींव डाली गई थी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सुरक्षा और कड़ी, धमकी देने वाला गाजियाबाद से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जान से मारने की धमकी देने वाले को दिल्ली पुलिस की टीम ने 24 घंटे के अंदर गाजियाबाद से गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने मुख्यमंत्री की 'जेड+ कैटेगरी सुरक्षा को और कड़ा कर दिया है। इसके साथ ही उत्तर-पश्चिम दिल्ली के शालीमार बाग स्थित मुख्यमंत्री के घर के बाहर भी सुरक्षा व्यवस्था को बढ़ा दिया गया है पुलिस के मुताबिक आरोपित ने शराब के नशे में धमकी वाला फोन किया और उसकी पहचान श्लोक तिवारी के रूप में हुई है। उसके पास से फर्जी आईडी कार्ड भी बरामद किए हैं। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद पुलिस को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर कॉल कर दिल्ली के मुख्यमंत्री को जान से मरने धमकी दी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए गाजियाबाद पुलिस ने दिल्ली पुलिस को सूचित कर दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष और सांसद कमलजीत ने झरोदा कलां में एमसीडी स्टेडियम का शिलान्यास किया

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और भाजपा सांसद कमलजीत सहरावत नजफगढ़ विधानसभा के झरोदा कलां में दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) स्टेडियम का शिलान्यास किया। इस मौके पर सभा को संबोधित करते हुए कहा कि 14 करोड़ रुपये के विकास कार्य किए जाएंगे। इसमें एक फुटबॉल स्टेडियम, दो बैडमिंटन कोर्ट, एक बास्केटबॉल कोर्ट शामिल होंगे। इसके अलावा करीब 102 गलियों का विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह केवल एक शिलान्यास नहीं, बल्कि नवयुवकों के उज्ज्वल भविष्य और क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक ठोस प्रयास है। भाजपा का विकास, विश्वास और बेहतर भविष्य ही संकल्प है। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि पिछली सरकार ने फंड का इस्तेमाल नहीं किया। आम आदमी पार्टी की सरकार के समय यह फंड वर्षों तक निष्क्रिय पड़ा रहा। अब उपराज्यपाल द्वारा ग्रामोदय योजना के तहत यह फंड स्थानांतरित किया गया है। इससे अब न केवल स्टेडियम का निर्माण होगा, बल्कि गांव के समग्र विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा।

मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में हाल के नक्सल विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें इन अभियानों की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारत को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित है।केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूं और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूंगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है। उल्लेखनीय है

कि केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ में माओवादी विरोधी अभियानों का संचालन कर रहे हैं। इसके तहत, छत्तीसगढ़ पुलिस (नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बीजापुर जिलों की डीआरजी इकाइयों सहित) द्वारा 18 से 21 मई तक अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाकों में ऑपरेशन चलाया गया। 21 मई को बोटेर गांव के जंगलों में मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) के महासचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य बसवाराजू उर्फ गगन्ना सहित 27 नक्सली मारे गये, साथ ही भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया। अभियान में शामिल अधिकारियों में छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (नक्सल विरोधी अभियान/एसआईबी/एसटीएफ) विवेकानंद, पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज, पुलिस अधीक्षक (नारायणपुर) प्रभात कुमार, पुलिस अधीक्षक (बीजापुर) जितेंद्र यादव और पुलिस अधीक्षक (नक्सल मुक्त बस्तर जिला) शलभ सिंह को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार शर्मा, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तपन डेका सहित कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को लेकर दिल्ली में संगोष्ठी का आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। एक राष्ट्र एक चुनाव को लेकर दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने भाग लिया और अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल ने इस विषय पर जागरुकता बढ़ाने पर जोर दिया। कार्यक्रम के बाद बंसल ने कहा कि देशभर में इस बात पर बहस चल रही है कि चुनाव सुधार की जरूरत है और चुनावों में लगने वाले उच्च खर्च और समय को देखते हुए क्या चुनाव एक साथ कराए जाने चाहिए। इसको लेकर हमने पूरे देश में एक साथ चुनाव कराने की वकालत करते हुए एक सार्वजनिक अभियान शुरू किया है। इस विषय को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में गठित कमेटी की रिपोर्ट आई है। संयुक्त संसदीय समिति देशभर में इस विषय को लेकर जा रहीहै और जागरुक कर रही है।

ओसाका के वर्ल्ड एक्सपो के शीर्ष मंडपों में शामिल भारत मंडप, आईजीएनसीए ने किया तैयार

एजेंसी

नई दिल्ली। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा क्यूरेट किया गया 'भारत मंडप' सबसे लोकप्रिय आकर्षणों में उभर कर सामने आया है। इसने शीर्ष पांच मंडपों में जगह बनाई है। जापान ट्रैवल ब्यूरो (टीबी) के प्रतिनिधि और डिप्टी पेवेलियन डायरेक्टर यामामोटो-सान द्वारा की गई समीक्षा के अनुसार, भारत के मंडप को एक्सपो में अमेरिका, इटली, जापान और फ्रांस के साथ शीर्ष पांच मंडपों में स्थान दिया गया है। वर्ल्ड एक्सपो में मौजूद मंडपों की यह श्रेणी एक्सपो अधिकारियों, आम जनता और जापानी सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं से इनपुट के आधार पर बनाई गयी है। ओसाका वर्ल्ड एक्सपो में भारत की भागीदारी की प्रगति के बारे में आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्व एक्सपो, 2025 में भारत पैवेलियन देश की प्राचीन ज्ञान परम्परा, आधुनिक आकांक्षाओं और वैश्विक भागीदारी का प्रमाण है। रणनीतिक रूप से 'कनेक्टिंग लाइव्स जोन' में स्थित यह पैवेलियन भारत की सभ्यतागत गहराई के साथ-साथ इसकी तकनीकी उन्नति और चिरस्थायी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। सही मायनों में भारत मंडप न केवल एक सांस्कृतिक प्रदर्शनी स्थल बन गया है,

बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक कूटनीति यानी सॉफ्ट पावर का एक सशक्त माध्यम भी है, जो दुनिया के लोगों को भारत की विविधता, समृद्धि और नवाचार से परिचित कराता है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य मंत्रालय द्वारा संस्कृति मंत्रालय के मार्गदर्शन में की जा रही इस पहल को 'इंडिया ट्रेड प्रोमोशन ऑर्गनाइजेशन' (आईटीपीओ) और आईजीएनसीए के संस्थागत सहयोग से साकार किया जा रहा है। मंडप की रचनात्मक दृष्टि और गूढ़ सांस्कृतिक डिजाइन को आईजीएनसीए ने बहुत ही कम समय में क्रियान्वित किया है।

चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों को बताया बेबुनियाद, कहा- हार पर बदनाम करने की कोशिश

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा 'मैच फिक्सिंग महाराष्ट्र' शीर्षक से अंग्रेजी अखबार में लिखे गए लेख पर चुनाव आयोग ने आधिकारिक प्रतिक्रिया दी है। लेख में राहुल गांधी ने नवंबर 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में बड़े पैमाने पर धांधली का आरोप लगाया था। चुनाव आयोग ने इसे तथ्यों से परे और बदनाम करने वाला बताया है।चुनाव आयोग ने कहा, मतदाताओं द्वारा किसी भी प्रतिकूल फैसले के बाद यह कहकर (मैच फिक्स था) चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है। राहुल ने अपने लेख में पांच बिंदुओं पर कथित चुनावी गड़बड़ियों को रेखांकित किया था। इनमें चुनावा आयुक्त पैनल की नियुक्ति में पक्षपात, फर्जी मतदाताओं का नाम जोड़ना, मतदान प्रतिशत बढ़ा-चढ़ाकर दिखाना, टार्गेटेड बूथों पर बोगस वोटिंग और सीसीटीवी रिकॉर्ड न देने जैसे मुद्दे शामिल थे। इसके जवाब में आयोग ने बताया कि 6.4 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान किया। औसतन हर घंटे 58 लाख वोट डाले गए। अंतिम दो घंटे में 65 लाख वोट पड़ना सामान्य औसत से कम है। चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया कि हर बूथ पर राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त एजेंट मौजूद थे। किसी ने भी अगले दिन रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष कोई संदेह नहीं जताया। आयोग के अनुसार, मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1950 और निर्वाचक नियम 1960 के तहत की जाती है। अंतिम मतदाता सूची सभी दलों को दी गई थी। इसके खिलाफ केवल 89 शिकायतें आईं, जिनमें से एक भी कांग्रेस द्वारा

नहीं की गई थीं। आयोग ने बताया कि 1 लाख से अधिक बूथों पर 97 हजार बूथ लेवल ऑफिसर्स और सभी दलों द्वारा नियुक्त 1.03 लाख बूथ एजेंट तैनात थे। कांग्रेस ने भी 27 हजार से अधिक एजेंट नियुक्त किए थे। आयोग ने कहा कि चुनाव कानून के तहत पारदर्शिता से होते हैं और किसी भी तरह की गलत जानकारी न केवल कानून का अपमान है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया से जुड़े लाखों लोगों के मनोबल को भी गिराता है। आयोग ने कहा कि 24 दिसंबर 2024 को यह सभी तथ्य कांग्रेस को भेज दिए गए थे। इसके बावजूद बार-बार ऐसे आरोप लगाना पूरी तरह अनुचित है।

आपदाओं से निपटने को वैश्विक डिजिटल संग्रह पूरे विश्व के लिए लाभकारी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आपदाओं से निपटने और विकास में लचीलेपन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आपदाओं से उबरने के लिए सीख और सर्वोत्तम तरीकों का एक वैश्विक डिजिटल संग्रह पूरे विश्व के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने ऐसे अवसंरचना के निर्माण का आह्वान किया, जो समय और ज्वार के विरुद्ध अडिग रहे। प्रधानमंत्री ने फ्रांस में आयोजित आपदा रोधी अवसंरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीआरआई) 2025 को दूसरे और अंतिम दिन वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विश्व के लिए एक मजबूत और आपदा प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण के लिए वैश्विक प्रयासों का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपदाओं के प्रभावों को कम करने और विकास को सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक सहयोग और साझेदारी की

आवश्यकता है। आपदा प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण के लिए हमें आपदाओं के प्रभावों को कम करने और विकास को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा। वैश्विक डिजिटल संग्रह आपदाओं से निपटने और विकास में लचीलेपन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सम्मेलन की थीम 'तटीय क्षेत्रों के लिए लचीले भविष्य को आकार देना' का उल्लेख कर कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्र और द्वीप बहुत जोखिम में हैं। मोदी ने हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश में चक्रवात रेमल, कैरिबियन में तूफान बेरिल, दक्षिण-पूर्व एशिया में टाइफून यागी, संयुक्त राज्य अमेरिका में तूफान हेलेन, फिलीपींस में तूफान उसागी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चक्रवात चिडो का उदाहरण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी आपदाओं ने जान-माल को नुकसान पहुंचाया।प्रधानमंत्री ने भारत में 1999 के सुपर-साइक्लोन और 2004 की सुनामी सहित विनाशकारी आपदाओं के दर्द को याद करते हुए कहा कि भारत ने लचीलेपन को ध्यान में रखते हुए अनुकूलन और पुनर्निर्माण किया। संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया गया और 29 देशों के लिए सुनामी चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद की। प्रधानमंत्री ने कहा कि आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है।

ब्रिटेन के विदेश मंत्री ने की प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने भारत-ब्रिटेन रणनीतिक साझेदारी में मुक्त व्यापार साझेदारी से आई उल्लेखनीय वृद्धि और आतंकवाद के मुद्दे पर ब्रिटेन के समर्थन की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मिलकर प्रसन्नता हुई। हमारी व्यापक रणनीतिक साझेदारी में उल्लेखनीय प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान की वे सराहना करते हैं। हाल ही में संपन्न एफटीए द्वारा इसे और मजबूती मिली है। सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में ब्रिटेन के समर्थन की वे सराहना करते हैं। इससे पहले भारत आए ब्रिटेन के विदेश मंत्री लैमी ने दिन में अपने समकक्ष एस जयशंकर के साथ द्विपक्षीय वार्ता की।

दिल्ली के चिड़ियाघर के निजीकरण को लेकर कांग्रेस ने उठाए सवाल, भूपेन्द्र यादव ने किया खारिज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के चिड़ियाघर के निजीकरण को लेकर कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सरकार पर आरोप लगाए हैं जिसे केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने खारिज कर दिया है। भूपेन्द्र यादव ने एक्स पोस्ट पर कहा कि कुछ लोगों ने हर मौके पर लोगों के मन में संदेह पैदा करने की आदत बना ली है। प्राणी उद्यान संरक्षण प्रयासों, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा और क्षमता निर्माण, संसाधन साझाकरण और पशु कल्याण आदि को बढ़ाने के लिए अन्य चिड़ियाघरों, विश्वविद्यालयों और वैज्ञानिक संस्थानों के साथ सहयोगात्मक समझौता किया गया है। प्रस्तावित समझौता ज्ञापन का उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण, बचाव, पुनर्वास, पशु स्वास्थ्य एवं कल्याण में सहयोग को बढ़ावा देना है। इस काम में केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण भी सहयोग करता है। भूपेन्द्र यादव ने कहा कि राष्ट्रीय प्राणी उद्यान (एनजेडपी) ने जनवरी 2021 में ग्रीन्स जूलॉजिकल एंड रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन सेंटर (जीजेडआरआरसी), जामनगर (गुजरात) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता ज्ञापन जानवरों के आदान-

प्रदान, पशुपालकों की क्षमता निर्माण, जानवरों के वैज्ञानिक प्रबंधन पर तकनीकी आदान-प्रदान और संरक्षण प्रजनन और शिक्षा पर ज्ञान साझा करने पर केंद्रित है।जीजेडआरआरसी ने पशु स्वास्थ्य और कल्याण, विश्व स्तरीय चिड़ियाघर डिजाइनिंग, जंगली जानवरों के बचाव और पुनर्वास और आवास संवर्धन आदि में अत्याधुनिक सुविधाओं और सेवाओं का विकास किया है। जीजेडआरआरसी ने पशु स्वास्थ्य एवं कल्याण, विश्व स्तरीय चिड़ियाघर डिजाइनिंग, जंगली जानवरों के बचाव एवं पुनर्वास तथा आवास संवर्धन आदि में अत्याधुनिक सुविधाएं एवं सेवाएं विकसित की है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय प्राणी उद्यान 60 वर्ष पुराना संस्थान है, जिसने कई लुप्तप्राय प्रजातियों के प्रजनन एवं देखभाल में पर्याप्त विशेषज्ञता हासिल की है तथा अब इसका लक्ष्य कैद में पशु कल्याण की सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाकर अपनी सुविधाओं एवं सेवाओं का आधुनिकीकरण करना है, साथ ही विश्व स्तरीय चिड़ियाघर के समान आगंतुकों के अनुभव को बढ़ाना है। कैप्टिव वन्यजीव प्रबंधन के सामान्य उद्देश्यों के अनुरूप तथा वर्तमान प्रबंधन आवश्यकताओं के अनुसार सहयोग को और व्यापक बनाने के लिए, एनजेडपी ने जीजेडआरआरसी के साथ मौजूदा समझौता ज्ञापन को संशोधित करने की मांग की है।

बिहार विधानसभा चुनाव में संभावित हार देख राहुल गांधी कर रहे गलत बयानबाजी: केसी त्यागी

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बिहार को 'क्राइम कैपिटल' बताने वाले बयान ने बिहार की सियासत में हलचल मचा दी है। जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने इसे आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में 'संभावित हार' के खतरे को भांप कर दिया गया बयान बताया केसी त्यागी ने कहा कि राहुल गांधी उस दौर को भूल गए, जब 1990 के दशक में बिहार में अपराध चरम पर था और फिरौती की रकम तक कथित तौर पर मुख्यमंत्री आवास से तय होती थी। राहुल गांधी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में संभावित हार को देखते हुए ऐसी बयानबाजी कर रहे हैं, ताकि जनता का ध्यान भटकाया जा सके।

राहुल गांधी ने हाल ही में बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नीतीश कुमार सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने दावा किया कि बिहार में कानून-व्यवस्था की स्थिति बदतर हो चुकी है और इसे 'क्राइम कैपिटल' की संज्ञा दी। इसके जवाब में केसी त्यागी ने कहा, 'राहुल गांधी के बयान आधारहीन हैं और यह उनकी हताशा को दर्शाते हैं। राहुल गांधी को बिहार की वर्तमान स्थिति पर टिप्पणी करने से पहले 1990 के दशक के उस दौर को याद करना चाहिए, जब उनकी सहयोगी पार्टी के शासन में अपराधी बेखौफ थे। कांग्रेस नेता के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित धांधली के आरोपों पर भी केसी त्यागी ने तंज कसा। उन्होंने कहा, 'कांग्रेस के शासनकाल में भी हम चुनावों में अनियमितताओं के आरोप लगाते थे। अगर राहुल गांधी को धांधली का शक है, तो उन्हें अपनी पार्टी के नेताओं के साथ चुनाव आयोग से मिलकर जवाब मांगना चाहिए, न कि बेबुनियाद बयानबाजी करनी चाहिए। जनादेश को नकारना लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और यह हिंसा व तानाशाही की ओर इशारा करता है।'

हमारे युवा विकसित भारत के सारथी: उपराष्ट्रपति धनखड़

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने हिमाचल प्रदेश के सोलन जिले के नौणी स्थित डॉ. यशवंत सिंह परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय में विकसित भारत युवा कृषि वैज्ञानिक दृष्टिकोण व संकल्प विषय पर आयोजित संवाद कार्यक्रम में विद्यार्थियों से प्रेरणादायक संवाद किया। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को संबोधित करते हुए उन्हें विकसित भारत की दिशा में सबसे मजबूत 'सारथी' बताया और कहा कि उनके जोश, ज्ञान और समर्पण से ही देश आत्मनिर्भर और उन्नत बनेगा। संवाद की शुरुआत करते हुए उपराष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को सहज और आत्मीय वातावरण में संबोधित किया। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी भी इस कार्यक्रम में आना चाहती थीं, लेकिन कुछ कारणों से नहीं आ सकीं। इस दौरान उन्होंने माँ शालिनी माता का आशीर्वाद लेकर कार्यक्रम में सम्मिलित होने की बात भी साझा की। अपने जीवन के अनुभवों से प्रेरणा देते हुए उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वे हमेशा सकारात्मक सोच रखें और समाज व राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश केवल प्राकृतिक सुंदरता का प्रतीक नहीं है, यह वीरों की भूमि भी है। यहां की शुद्धता, संस्कृति भूमिका बेहद अहम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के दौर में केवल सरकारी नौकरी ही एकमात्र विकल्प नहीं है। उन्होंने युवाओं को उद्यमिता, नवाचार और तकनीकी क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा दिखाने की सलाह दी। ÷कृषि

और जनभावनाएं देश के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का उल्लेख करते हुए इसे राष्ट्र की सामूहिक चेतना और संकल्प का प्रतीक बताया।उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि वे भारतीयता को अपनी पहचान और राष्ट्रीयता को अपने धर्म की तरह अपनाएं। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और इसमें युवाओं की क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और एग्रीकल्चरल इंटेलिजेंस (एजीआई) ही वह मार्ग है, जिससे ग्रामीण भारत को समृद्ध किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे किसानों को आधुनिक कृषि पद्धतियों से जोड़ें और कृषि में स्थायित्व तथा नवाचार को बढ़ावा दें। साथ ही केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने में सहायक बनें।

बिहार चुनाव में राहुल गांधी को दिख रही हार :भाजपा प्रवक्ता आरपी सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाया है और बिहार में होने वाले चुनाव में भी फर्जीवाड़ा होने का अंदेशा जताया है। इस पर भाजपा प्रवक्ता आर.पी. सिंह ने कहा कि राहुल गांधी को बिहार में हार दिख रही है, वह बिहार की यात्रा करके आए हैं और उन्हें जमीनी हालात समझ आ गए हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि बिहार की जमीनी हालत समझने के बाद राहुल गांधी ऐसी बातें कर रहे हैं। जब कर्नाटक, हिमाचल और तेलंगाना में उनके सहयोगी दल चुनाव जीते, तब इस तरह की बातें नहीं करते थे। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा था, ...यह देखना मुश्किल नहीं है कि महाराष्ट्र में भाजपा इतनी हताश क्यों थी। लेकिन धांधली मैच फिक्सिंग की तरह है, जो पक्ष धोखा देता है वह खेल जीत सकता है, लेकिन संस्थानों को नुकसान पहुंचाता है और परिणाम में जनता का विश्वास नष्ट करता है। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद ही फैसला करें। जवाब मांगें, क्योंकि महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, और फिर जहां भी भाजपा हार रही है। मैच फिक्सिंग चुनाव किसी भी लोकतंत्र के लिए जहर है। समाचार एजेंसी ने जब आर.पी. सिंह से जी-7 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शामिल होने के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पिछले पांच साल से जी-7 की बैठक में लगातार जा रहे हैं, इस बार संशय बना हुआ था लेकिन कनाडा से निमंत्रण आया है तो प्रधानमंत्री जाएंगे। वहीं, तृणमूल कांग्रेस के एक विधायक नरेंद्र नाथ चक्रवर्ती ने ऑपरेशन सिंदूर को ड्रामा बताया। उन्होंने कहा कि इसका जवाब ममता बनर्जी को देना पड़ेगा। वह वोट बैंक को साधने के लिए ऐसे बयान देती हैं, उनके लिए वोट बैंक पहले है, देश बाद में। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के प्रधानमंत्री की तारीफ करने पर उन्होंने कहा कि सभी नेता चाहते थे कि श्रीनगर का देश से रेल लिंक हो। आज प्रधानमंत्री मोदी ने सपना पूरा किया है।

संक्षिप्त समाचार

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर संकट मोचन धाम, पाथरोल में होगा भव्य भजन संध्या व महाआरती का आयोजन

संध्या 8 बजे से होगा शुभारंभ, महाआरती के बाद प्रसाद वितरण, समिति ने सहयोग की अपील की

पाथरोल, करौं, देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता उमेश चन्द्र मिश्रा की रिपोर्ट

ज्येष्ठ पूर्णिमा के पावन अवसर पर मंगलवार की संध्या संकट मोचन धाम, पाथरोल में भव्य भजन संध्या एवं महाआरती का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन मंदिर समिति द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाली नियमित भक्ति-श्रृंखला का हिस्सा है, जो श्रद्धालुओं के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न होती आ रही है। मंदिर प्रबंधक दिलीप पाठक ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत संध्या 8 बजे से होगी, जिसमें श्रीराम व हनुमान जी के भक्तिमय भजन गूंजते नजर आएंगे। भजन संध्या के उपरांत रात्रि 9:30 बजे संकट मोचन हनुमान जी की महाआरती सम्पन्न की जाएगी, तत्पश्चात भक्तों के बीच खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया जाएगा। आयोजन को सफल बनाने हेतु समिति द्वारा स्थानीय श्रद्धालुओं, सेवाभावियों और भक्तों से सहयोग की अपील की गई है। इच्छुक व्यक्ति PhonePe‍ या Google Pay के माध्यम से मोबाइल नंबर 9934531724 पर सहयोग राशि भेज सकते हैं। प्रबंधक श्री पाठक ने कहा कि इस आयोजन का उद्देश्य समाज में आस्था, एकता और भक्ति की भावना को सुदृढ़ करना है। उन्होंने संकट मोचन धाम समिति सभी भक्तों से समय पर मंदिर प्रांगण में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की है।

यशिका कश्यप ने मुंबई में बढ़ाया देवघर का मान

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

पूर्व शिक्षक स्वर्गीय सनातन ठाकुर की पोती एवं सेवानिवृत्त जज स्व विवेकानंद झा की नतनी यशिका कश्यप ने मुंबई में देवघर का मान बढ़ाया है। उसने नई मुंबई के पोद्दार इंटरनेशनल स्कूल नेरुल में सीबीएसई बोर्ड की दसवीं कक्षा में 97.6% अंक लाकर स्कूल में तृतीय पोजीशन लायी है। उसकी उपलब्धि से घर एवं परिवार में खुशी का लहर है। वह बड़ी होकर आईएएस बनना चाहती है। उसने अपनी उपलब्धि का श्रेय अपने दादा स्वर्गीय सनातन ठाकुर, दादी पंचावती देवी, पिता दिवाकर किरण, माता विद्युत प्रभा, अपने नाना स्वर्गीय विवेकानंद झा एवं अपने समस्त परिवार जनों को दिया है। इसकी उपलब्धि पर बड़े पापा दिनकर ज्योति, प्रभाकर प्रकाश, विभाकर रश्मि, कल्याणी कुमारी, प्रतिभा कुमारी, काजल कुमारी आदि ने बधाई दी है।

कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने दी योजनाओं की सौगात

चान्हो प्रखंड में 4 आंगनबाड़ी केंद्र और एक ढउउ सड़क का किया शिलान्यास

दिव्य दिनकर संवाददाता

चान्हो - मांडर की विधायक सह राज्य की कृषि , पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने क्षेत्र की जनता को योजनाओं की सौगात दी है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को चान्हो प्रखंड में 4 आंगनबाड़ी केंद्र और एक PCC सड़क का शिलान्यास किया . चान्हो प्रखंड के नुन्हू , मसमानो, रकाडीह और ओपा गांव में आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण किया जाएगा . वहीं चान्हो चटवल में अखरा से लेकर सरहुल अम्बा तक PCC सड़क निर्माण की आधारशिला मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रखी . इस मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जनता की मौजूदगी रही . शिलान्यास के बाद ग्रामीण जनता को संबोधित करते मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि विकास एक_ दो दिन या एक_ दो योजना की प्रक्रिया नहीं , ये निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है . इसमें जन प्रतिनिधियों की महत्वपूर्ण भूमिका है , चाहे वो विधायक_ सांसद_ मंत्री से लेकर पंचायत के प्रतिनिधि क्यों ना हो . मंत्री ने कहा कि आज उसी जिम्मेवारी का निर्वहन करने के लिए यहां आई हूं . गांव के लोगों से किए गए वायदे के अनुरूप आज आंगनबाड़ी केंद्र का शिलान्यास हो गया है . आंगनबाड़ी केंद्र का उद्देश्य बच्चों का पोषण , स्वास्थ्य , शिक्षा और सामाजिक विकास करना है . गांव के बच्चें पढ़ेंगे , तभी आगे बढ़ेंगे . इस सोच को गांव के हर एक परिवार को समझना होगा . बच्चों की शिक्षा में उनके परिजनों की भूमिका महत्वपूर्ण है . उन्हें अपने बच्चों की शिक्षा को जारी रखने के लिए तत्परता दिखानी होगी . कई बार ये देखा गया है कि गांव के बच्चें 8 वीं या 10 वीं की शिक्षा लेकर , कई कारणों से आगे की पढ़ाई छोड़ देते है . उच्च शिक्षा या सरकारी नौकरी तक वो नहीं पहुंचा पाते . इस सोच को बदलने की जरूरत है . मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने गांव के युवाओं को मोबाइल फोन से तौबा और किताबों से दोस्ती करने की अपील की . उन्होंने कहा कि इसके लिए वो खुद किताब उपलब्ध कराने को तैयार है . लेकिन मोबाइल फोन पर आधी अधूरी जानकारी से युवा पीढ़ी को नुकसान उठाना पड़ रहा है . इस मौके पर चान्हो के चटवल में अखरा से लेकर सरहुल अम्बा तक PCC सड़क निर्माण का शिलान्यास भी किया गया . मंत्री ने कहा कि सड़क को हमेशा से भी विकास का पैमाना माना गया है . सड़के अच्छी होगी तभी सरकार की योजनाओं को भी रफ्तार दिया जा सकता है . ग्राम सभा के माध्यम से प्रस्तावित योजनाओं को पूरा करने की वो हर संभव प्रयास करती है और आगे भी करती रहेंगी . इस मौके पर चान्हो के बीडीओ , सीडीपीओ, के अलावा कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष इस्तियाक अंसारी , दिलीप सिंह , इरशाद खान , जुल्फाम अंसारी , अजित सिंह , मुजिबुल्ला , शिव उरांव , महादेव उरांव , जीवन तिर्की , मंगलेश्वर उरांव , नरुवा उरांव , चरवा उरांव , अब्दुल्लाह , बसंत राम , दिनेश राम , होलिका देवी मौजूद थे!

वीरांगना सम्मान सामजिक फाउंडेशन स्थापना दिवस मनाया गया

कार्यक्रम में मंत्री राजू सिंह और भाजपा नेता राकेश सिंह सम्मिलित हुए

पटना । दानापुर मे वीरांगना सम्मान सामजिक फाउंडेशन स्थापना दिवस दानापुर क्लब मे मनाया गया जिसमे मुख्य अतिथि बिहार विधानसभा सभापति अवधेश नारयण सिंह बिहार सरकार पर्यटन मंत्री राजू सिंह, आईजीएमएस न्यूरो विभाग एचओडी डॉ समरेंद्र प्रताप सिंह फाउंडेशन अध्यक्ष निशा सिंह भाजपा नेता सांसद प्रतिनिधि राकेश सिंह संकल्प नारायण सिंह शामिल हुए और कार्यक्रम का विधिवत उद्धघाटन किया इस अवसर पर अनामिका सिंह निशा सिंह अनुपमा सिंह मनोरमा सिंह सुषमा सिंह संगीता सिंह डॉ कनि कामिनी सिंह सहित अनेक लोग एवं डॉ भी वीरांगना के पहला साल स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया गया जिसमे लोग उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने ट्रैक संरक्षा पर गहन निरीक्षण अभियान चलाया

मालीगांव,:

रेल संरक्षा और बुनियादी ढांचे की विश्वसनीयता बढ़ाने के दृढ़ प्रयास के तहत, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पू. सी. रेलवे) ने 29 मई, 2025 से 10 दिवसीय व्यापक संरक्षा अभियान चलाया। यह अभियान पू. सी. रेलवे के विभिन्न मंडलों में प्वाइंट्स और क्रॉसिंग के निरीक्षण पर केंद्रित था। महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव ने अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों के साथ फील्ड निरीक्षण में सक्रिय रूप से भाग लिया, ताकि ट्रैक संरक्षा और परिचालन उत्कृष्टता के प्रति जोन की शीर्ष-स्तरीय प्रतिबद्धता मजबूत हो। इस अभियान में इंजीनयरी और सिग्नल एवं दूरसंचार (एस एंड टी) विभागों के अधिकारियों की संयुक्त भागीदारी थी। टीमों ने पहले के संरक्षा अभियानों और निरीक्षण निष्कर्षों के आधार पर याद्दच्छिक रूप से चयनित प्वाइंट्स और क्रॉसिंग को एक व्यवस्थित रूप से निरीक्षण किया। इन कार्यों का उद्देश्य प्राथमिकता के आधार पर किसी भी कमी या अनियमितता की पहचान कर उसे ठीक करना था, ताकि महत्वपूर्ण ट्रैक बुनियादी संरचना के समग्र हालात को मजबूत किया जा सके। निरीक्षण के एक प्रमुख पहलू में इलास्टिक रेल क्लिप (ईआरसी) फिटिंग के निचले भार का मापन भी शामिल था। ये क्लिप स्लीपरों को रेल सुरक्षित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं और सटीक निचला भार सुनिश्चित करता है कि वे गतिशील भार के दौरान प्रभावी ढंग से काम कर रहे हो। ट्रैक ज्यामिति को बनाए रखने, रेल की आवाजाही के जोखिम को कम करने और बेपटरी होने जैसी अभूतपूर्व घटनाओं को रोकने के लिए निचले भार की निगरानी महत्वपूर्ण है, जिससे यह ट्रैक संरक्षा प्रबंधन में एक प्रमुख पैरामीटर बन जाता है। चलाए गए

संरक्षा अभियान के मद्देनजर, पू. सी. रेलवे के महाप्रबंधक ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कामाख्या रेलवे स्टेशन और डिपो का औचक निरीक्षण किया। इस दौरे के दौरान, उन्होंने प्वाइंट्स और क्रॉसिंग के स्थिति की बारीकी से जांच की, जिसमें इलास्टिक रेल क्लिप्स (ईआरसी) के निचले भार के मापन पर विशेष ध्यान दिया गया। मानसून के मौसम में ट्रैक घटकों के असुरक्षित होने की आशंका प्रबल हो जाती है। इस पर उन्होंने सभी फील्ड कर्मियों और अधिकारियों से विशेष अनुरक्षण कार्यों को अपनाने और निर्बाध एवं सुरक्षित ट्रेन परिचालन सुनिश्चित करने हेतु सतर्क रहने का आग्रह किया। इस अभियान से प्राप्त सभी अवलोकनों को एक केंद्रीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से व्यवस्थित रूप से रिकॉर्ड और मॉनिटर किया गया, ताकि पारदर्शिता और समय पर कार्रवाई सुनिश्चित हो सके। यह संरक्षा पहल रेलगाडियों और मालगाड़ियों के परिचालन के लिए सुरक्षित रेल नेटवर्क प्रदान करने की दिशा में निवारक अनुरक्षण, तकनीकी सटीकता और इसके सक्रिय दृष्टिकोण पर पू. सी. रेलवे के अडिग फोकस को रेखांकित करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल कार्यकाल पूरा होने पर भाजपा कार्यकताओं द्वारा कई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ः देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल पूरा होने पर भारतीय जनता पार्टी के द्वारा सेवा सुशासन और गरीब कल्याण पर कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी कार्यक्रम की तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय की अध्यक्षता में रविवार को जिला स्तरीय कार्यशाला लिट्टीपाड़ा में हुई। इस बैठक में प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश मंत्री रविकांत मिश्रा ने कहा कि देश की शिष्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 11 वर्ष का कार्यकाल बेमिसाल रहा है। प्रधानमंत्री जी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की 11 साल

पूर्ण होने पर हमें केंद्र सरकार की उपलब्धियां को पाकुड़ जिले में जन-जन तक पहुंचना है सेवा सुशासन और गरीब कल्याण विकसित भारत पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 वर्ष पूर्ण होने पर सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के तहत 10 एवं 11 जून को प्रोफेशनल मीट एवं प्रदर्शनी 12 से 14 जून तक विकसित भारत संकल्प सभा, 15 से 17 जून तक पंचायत चौपाल, 17 से 21 जून तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सहित कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। 25 जून को आपातकाल पर भी कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इसी कड़ी में राज्य में व्याप्त लूट भ्रष्टाचार हत्या राज्य में गिरती कानून व्यवस्था, अबुआ आवास का नाम पर कमीशन खोरी एवं स्थानीय जन समस्याओं को लेकर हेमंत सरकार के विरुद्ध पाकुड़ जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में 24 जून को आक्रोश प्रदर्शन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में अजजा प्रदेश मंत्री अनिता मुर्मू, जिला उपाध्यक्ष धर्मेंद्र त्रिवेदी, जिला महमंत्री सरिता मुर्मू,जिला मंत्री खितिस साहा, जामु मरांडी, बीरबल राय, सोशल मीडिया सह प्रभारी आशीष सेन,हिसाबी राय, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

एथलेटिक्स संघ ने बैठक आयोजित कर किया जिला संघ का पूनर्गठन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

नेताजी इनडोर स्टेडियम में देवघर जिला जिम्नास्टिक संघ की बैठक की गई इसमें जिला संघ का पुनर्गठन किया गया सर्वसम्मिति से अजय खवाड़े को अध्यक्ष के लिए नामित किया सभी ने ध्वनिमत से सहमति प्रदान की वही सचिव विप्लव विश्वास को पुनः मौका दिया गया और कोषाध्यक्ष मोहम्मद कलीम अंसारी को चुना गया । बैठक में ऑब्जर्वर झारखंड जिम्नास्टिक संघ के उपाध्यक्ष आशीष झा ने किया देवघर में 29 जून को राज्यस्तरीय एरोबिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप होने जा रहा है उसकी तैयारी पर चचाएं हुई इसमें कुल 150 खिलाड़ी और 10 तकनीकी पदाधिकारी भाग लेंगे। अध्यक्ष अजय खवाड़े ने कहा की एक दिवसीय चैंपियनशिप का आगाज शानदार होगा और खिलाड़ी देवघर से सुखद अनुभव लेकर जाएंगे । वही सचिव विप्लव विश्वास ने कहा की चैंपियनशिप सुचारू रूप से आयोजन हो इसके लिए जल्द ही सब कमिटी बनाई जाएगी। कार्यकारणी सदस्य व प्लानिंग कमीशन चेयरमैन आशीष झा ने सभी सदस्यों से कहा की टैलेंट को मैदान तक लेकर आए , चुकी सचिव ही खुद एक अच्छा कोच है इनके कई खिलाड़ी है जो राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहे है।

संघ की पदाधिकारी इस प्रकार है

अध्यक्षः अजय खवाड़े उपाध्यक्ष : सचिव्रता पाणिगिरी उपाध्यक्षः किशन कुमार और विक्रम चौधरी सचिव : विप्लव विश्वास संयुक्त सचिव : मोहित कुमार, गौतम कुमार एवं फूलकुमारी कोषाध्यक्षः मोहम्मद कलीम अंसारी

कार्यकारणी सदस्यः

आशीष झा जान शाही सुमन राणा शुभम सूरज केशरी करण कुमार रोहित संजय

मोनिता कुमारी के नेतृत्व में चलाया गया कांग्रेस का जनसंपर्क अभियान

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ रविवार को वार्ड संख्या 06, कॉलेज रोड स्थित बजरंगबली मंदिर प्रांगण में जिला कांग्रेस कमिटी की महासचिव मोनिता कुमारी के नेतृत्व में जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत कांग्रेस जिला महासचिव मोनिता कुमारी ने स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित किया और कांग्रेस की नीतियों, विचारधारा तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। अभियान के दौरान विशेष रूप से युवा वर्ग में खासा जोश और उत्साह देखने को मिला,महिलाएं भी मईया सम्मान योजना का लाभ पाकर अपनी खुशी का इजहार किया।

जनसंपर्क अभियान के बीच लोगों

ने झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव श्री तनवीर आलम जी की जनभावनाओं के प्रति संवेदनशीलता और सक्रियता की भी प्रशंसा की। लोगों का कहना था कि तनवीर आलम जी का धरातलीय जुड़ाव और जनसमस्याओं को लेकर सजगता ही कांग्रेस को जनता के और करीब ला रही है। मोनिता कुमारी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा आम जनता की समस्याओं को प्राथमिकता देती है और गरीब, मजदूर, किसान तथा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे कांग्रेस की नीति और सिद्धांत को अपनाएं और पार्टी को और अधिक मजबूती प्रदान करें। जनसंपर्क अभियान के दौरान स्थानीय नागरिकों ने अपनी विभिन्न समस्याएं भी साझा कीं, जिनके समाधान के लिए जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर जल्द कार्रवाई का

आश्वासन दिया गया। इस मौके पर राजू पहाड़िया,कमल पहाड़िया,बापी पहाड़िया,बहादुर पहाड़िया,मुकेश सिंह, राकू सरदार,राकेश सरदार,सजल सरदार,अजय सरदार,श्रीमती नीलू सरदार, हसीना खातून,नूतन सिंह आदि मौजूद थे।

अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर जनहित पार्टी का जन जागरण यात्रा शुरू

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

आज जनहित पार्टी के द्वारा झारखंड में रह रहे अवैध बांग्लादेशियों घुसपैठियों को बाहर निकालने को लेकर एक जन जागरण यात्रा पूरे संथाल परगना में 8 जून देवघर से प्रारंभ होकर 31 जून हुल दिवस के दिन समाप्त होगी यह यात्रा पूरे संथाल परगना के हर प्रखंड तक तक जाएगी इस यात्रा में भाग लेने के लिए ग्वालियर इंदौर से जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय जैन महामंत्री मनीष काले विशाल बिंदल के साथ संथाल परगना और झारखंड के सैकड़ो कार्यकर्ता भाग लेंगे जो पूरे रास्ते लोगों को यह जागरूक करेंगे कि किस प्रकार यह बांग्लादेशी घुसपैठिए पूरे संथाल परगना के डेमोग्राफी को चेंज कर रहे हैं यह पहले अकेले आते हैं यहां के आदिवासी लड़कियों को अपने प्रेमजाल में फंसा कर उनसे विवाह करते हैं और फिर यहां की नागरिकता प्राप्त कर अपना आधार कार्ड

राशन कार्ड बना लेते हैं फिरअपने पीछे वहां से और भी अपने रिश्तेदारों को लेकर यहां पर बसा ते है यह अवैध बांग्लादेशी इन गरीब आदिवासियों की जमीन जंगल रोजगार पर अपना आधिपत्य जमाते हैं और यहां के जो मूल वासियों को पलायन करना पड़ रहा है आज के कार्यक्रम की शुरूआत शाहिद आश्रम स्थित शहीद स्थल देवघर के भारत की आजादी में भाग लेने वाले क्रांतिकारी नथ मल सिंघानिया अशफीलाल कसेरा के समाधि पर पुष्पअर्पण कर प्रारंभ किया गया 1962 के युद्ध में भाग लेने वाले सैनिक तथा वर्तमान में होम्योपैथिक चिकित्सा के रूप में निशुल्क सेवा देने वाले डॉक्टर जैसी राय एवं योग आध्यात्मिक गुरु राकेश जनहित पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष (पूर्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक) अभय जैन महामंत्री मनीष काले ने दीप प्रज्वलन के साथ समाजसेवी इंदुबाला देवी का आशीर्वाद लेकर यात्रा प्रारंभ किया गया इस यात्रा में देवघर से अमरेश कुमार, चंदन भार्गव बिक्रम गोस्वामी शैलेश सिंह ललन पांडे विजय पाण्डे सुरेश सुनैना देवी, किरण देवी, खुशबू, रेखा, विश्वेश्वर सिंह, रामानंद सिंह, अभय पांडे, अर्चना कुमारी, राजू दा, सहित कई लोग शामिल हुए।

शिक्षक बन कामदेव ने मेरे प्रयास को सार्थक किया: डॉ.एन.डी. मिश्रा

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

सर्वविदित है कि 'एक बेहतर शिक्षक, एक बेहतर समाज का निर्माण कर सकता है'। वहीं एक बेहतर व्यक्ति ही एक बेहतर शिक्षक का निर्माण कर सकता है। इस उक्ति को साबित किया है देवघर के सुप्रसिद्ध नेत्र चिकित्सक डॉ एन डी मिश्रा ने। जब उनके प्रयास से जनजाति बहुल दुखनसार, कुरूमटांड, जयपुर, बांका(बिहार) के कामदेव मुर्मू ने बिहार के शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता पाई और अपने गाँव से प्रथम सरकारी शिक्षक बने। ज्ञात हो कि लगभग 100 परिवार के दुखनसार गाँव में एक भी व्यक्ति मैट्रिक पास भी नहीं है। ऐसे गाँव में डॉ एन डी मिश्रा द्वारा शिक्षा का अलख जगाकर किसी व्यक्ति को सरकारी शिक्षक के मुकाम तक पहुंचाना किसी अजूबे से कम नहीं। आज कामदेव मुर्मू बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा में सफलता प्राप्त करने के बाद डॉ एन डी मिश्रा के प्रति आभार प्रकट करने इस हसरत के साथ बैद्यनाथ शंकर नेत्रालय पहुंचे कि मैं अपना जॉइनिंग लेटर डॉक्टर साहब के हाथों स्वीकार करना चाहता हूं जिनके सहयोग से मैं इस मुकाम तक पहुंच सका। कामदेव मुर्मू बताते हैं कि एक बार मैं अपने भांजे के इलाज के लिए बैद्यनाथ शंकर नेत्रालय आया था तब सर से मुलाकात हुई थी और मैं इनसे बहुत प्रभावित हुआ। बातचीत के क्रम में जब मैंने अपने गाँव में शिक्षा की स्थिति का जिक्र किया तो डॉ एन डी मिश्रा ने मुझे ही गाँव

के लिए निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने का जिम्मा दिया, जिसका खर्च डॉक्टर साहब स्वयं वहन करते हैं। इसी क्रम में मैंने सैकड़ों ग्रामीणों को साक्षर बनाने के साथ स्वयं इंटर, ग्रेजुएशन, ऊए'.ए आदि की पढ़ाई डॉक्टर साहब के दिए आर्थिक सहयोग से पुरा किया, और आज इस मुकाम पर पंहुच सका। मौके पर डॉ एन डी मिश्रा ने कामदेव मुर्मू को आशीर्वाद देते हुए कहा कि हरएक व्यक्ति अपने मेहनत से जीवन में सफलता प्राप्त करता है, जो कामदेव ने किया। हालांकि मैंने कामदेव को उसके शिक्षा के लिए जो सहयोग किया है तो मुझे अपार खुशी है कि मेरे प्रयास को कामदेव ने सार्थक किया। मौके पर डॉ एन सी गाँधी, आलोक मिश्रा, रजनीकांत, धनंजय कुमार, पंचानन्द कुमार, नीलकंठ कुमार यादव इत्यादि उपस्थित थे।

संप चैंबर की आमसभा एवं नए सत्र 2025-27 के लिए चुनाव 29 जून को

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

7 जून को देर शाम संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर के कार्यकारिणी की बैठक होटल मेरिन ब्लू में अध्यक्ष आलोक मल्लिक की अध्यक्षता में आहूत हुई। यह सत्र 2023-25 के कार्यकारिणी की अंतिम औपचारिक बैठक थी जिसमें विशेष तौर पर पूर्व अध्यक्ष बिनोद सुल्तानियां और गोपाल कृष्ण शर्मा भी शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से *चैंबर के सत्र 2023-25 की द्विवार्षिक आमसभा एवं नए सत्र 2025-27 के लिए कार्यसमिति के चुनाव की तिथि 29 जून 2025 निर्धारित की गई है।*

वहीं चुनाव के संपादन के लिए दोनों पूर्व अध्यक्षों की सलाह और सहमति से कार्यकारिणी ने तीन सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया। विभूति ठाकुर, बजरंग बथवाल और डॉ. आलोक मिश्रा चुनाव समिति के सदस्य नियुक्त किए गए हैं। बैठक की समाप्ति के तत्काल बाद आमसभा सह चुनाव की अधिसूचना महासचिव रितेश टिबरेवाल ने सभी सदस्यों को व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से जारी कर दिया है। साथ ही उन्होंने बताया कि *चुनाव कार्यक्रम की अधिसूचना चुनाव समिति द्वारा एक सप्ताह के अंदर जारी किया जाएगा।* निर्वाचन समिति द्वारा चुनाव की अधिसूचना निर्गत करने के बाद संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर की नए सत्र के लिए कार्यसमिति के चुनाव की सरगर्मी शुरू हो जाएगी। विदित हो कि संप चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, देवघर के कार्यकारिणी का कार्यकाल 2 वर्षों का होता है और चैंबर प्रत्येक 2 वर्षों में नियमित चुनाव कराती है। चैंबर के चुनाव में अध्यक्ष, महासचिव और 13 कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव किया जाता है। बैठक के बाद अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने बताया कि इस बार की आमसभा और भी प्रभावी ढंग से आयोजित होंगे। आमसभा चार सत्रों में संपन्न होंगे। प्रथम सत्र अतिथि सत्र, द्वितीय सत्र आमसभा की नियमित कार्यवाही, तृतीय सत्र बिजनेस सत्र तथा चौथे और अंतिम सत्र में चुनाव की प्रक्रिया और परिणामों की घोषणा होगी। अतिथि सत्र में सीआईआई और फिक्की के वरीय अधिकारी या उद्योगपति को आमंत्रित किया जाएगा। वहीं बिजनेस सत्र में सोलर पावर और बैंकिंग इंडस्ट्रीज के प्रजेंटेशन और काउंसलिंग होंगे। बैठक में अध्यक्ष, महासचिव, पूर्व अध्यक्ष के अलावे उपाध्यक्ष जितेश राजपाल, पीयूष जयसवाल, निरंजन कुमार सिंह, पंकज सुल्तानियां, संजय बंका, लक्ष्मण पटेल, कनिष्क कश्यप, महेश लाठ, संजय मालवीय (वर्चुअल) आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

महाभंडारे के साथ आज चार दिवसीय काशी विश्वनाथ मंदिर की प्राण प्रतिस्ठासमारोह संपन्न हुई

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - महाभंडारे के साथ आज चार (04)दिवसीय काशी विश्वनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुई। वाराणसी के प्रसिद्ध पुजारी आचार्य सुभाष पांडे एवं बालव्यास शिवम् कृष्ण शास्त्री जी के द्वारा कलश यात्रा,वेदी पूजन,संकीर्तन,नगर भ्रमण,प्राण प्रतिष्ठा एवं हवन विधि विधान से मंत्रोपचारण के साथ कराई गई एवं आज संध्या मे भव्यरूप से महाभंडारे का आयोजन हुआ जिसमें मुख्यअतिथि हटिया के लोकप्रिय विधायक नवीन जायसवाल,रांची विधायक सी. पी.सिंह एवं विशिष्ठ अतिथि समाजसेवी भीम प्रभाकर,राहुल चौधरी,शिव किशोर शर्मा,संतोष कुमार सहित हजारों श्रद्धालुगण महा भंडारे का प्रसाद ग्रहण किए। इस धार्मिक आयोजन की अध्यक्षता मुख्य आयोजक सोनू श्रीवास्तव ने किया।इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे मुख्यरूप से सिद्धेश्वर यादव,राजेंद्र साव,दीपक कुमार,रविंद्र शर्मा,राजेश शर्मा,लालजी शर्मा, सुनील शर्मा,विकाश सिन्हा,राहुल श्रीवास्तव,सुबोध साव, निशु सिंह,रौशन कुमार,पवन सिंह,अंकित वर्मा, जितेंद्र यादव,शुभम सोनी आदि ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मांडर, जिंदगी की जंग हार गया 21 वर्षीय तौसीफ

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - एप्लास्टिक एनीमिया नामक गंभीर रोग से पीड़ित कंजिया गांव निवासी तौसीफ अंसारी 21 वर्ष शनिवार को जिंदगी की जंग हार गया. उसके इलाज के लिए परिजनों ने सरकारी मदद की उम्मीद में हर स्तर पर दौड़ लगाई थी. लेकिन सिर्फ आश्वासन के सिवाए उन्हें कुछ नहीं मिला और आखिरकार इरबा स्थित कैंसर अस्पताल के आइसीयू में शनिवार की शाम को उसने दम तोड़ दिया. एक साधारण किसान परिवार से जुड़े तौसीफ अंसारी के पिता नसीम अंसारी ने बताया कि उनके पुत्र की इस बीमारी का पता चलने के बाद पिछले एक साल में इलाज के खर्च में उनकी पुश्तैनी जमीन बिक गयी और वह अब गले तक कर्ज में डूब गये हैं. उनके अनुसार एप्लास्टिक एनीमिया नामक गंभीर बीमारी को लेकर उनके पुत्र को बार बार खून व प्लेटलेटस चढ़ाना पड़ता था. तौसीफ का इलाज कर रहे चिकित्सकों ने इस बीमारी के उपचार के लिए स्टेम सेल प्रत्यारोपण को विकल्प बताया था जिसके खर्च को वहन कर पाना उनके वश में नहीं था. उन्होंने अपने पुत्र की इलाज की मदद के लिए स्थानीय जन प्रतिनिधियों के अलावा सरकार से भी मदद से गुहार लगायी थी एक जनप्रतिनिधि के आश्वासन पर एम्स में इलाज के लिए वह अपने पुत्र को दिल्ली भी लेकर गये थे. लेकिन बाद में उनसे किसी प्रकार का सहयोग नहीं मिलने से वहां से भी बगैर इलाज के ही उन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ा था. इसके बाद से ही तौसीफ अंसारी पिछले पांच महीने से इरबा स्थित कैंसर अस्पताल में भर्ती था!

समेकित कृषि प्रणाली बना मोरसलीम शेख के आय का आधार

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ मोरसलीम शेख एक प्रगतिशील किसान हैं जो पाकुड़ जिले के पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत सितेशनगर गांव के रहने वाले हैं। वे लगभग 35 वर्षों से कृषि एवं संबद्ध गतिविधियों से जुड़े हुए हैं।पहले मोरसलीम शेख पारंपरिक तरीके से खेती करते थे जिसके कारण उनके लिए परिवार का अच्छे से भरण-पोषण कर पाना भी मुश्किल होता था। लेकिन वर्ष 2011 में कृषि एवं आत्मा कार्यालय पाकुड़ से जुड़ाव ने उनका जीवन परिवर्तित कर दिया। कृषि एवं आत्मा कार्यालय, पाकुड़ के द्वारा उन्हें कृषि , बागवानी तथा जैविक खेती पर तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। साथ ही कृषि एवं आत्मा की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उन्हें गेहूं, मक्का , सरसों, सूरजमुखी आदि की उच्च्च उपज देने वाले किस्मों के बीज उपलब्ध कराए गए। मोरसलीम शेख के वैज्ञानिक खेती के प्रति रुझान को देखते हुए उन्हें समेकित कृषि प्रणाली अपनाने की सलाह दी गई जिसमें किसान कृषि में फसल उत्पादन के साथ कृषि के अन्य घटक जैसे बागवानी , पशुपालन, मत्स्यपालन, वानिकी जैसे अवयवों का समायोजन करते हैं ताकि सभी अवयव एक दूसरे के पूरक बन सकें। समेकित कृषि प्रणाली अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मोरसलीम शेख को आत्मा, पाकुड़ द्वारा जीवामृत ड्रम एवं वर्मी कम्पोस्ट इकाई प्रदान किया गया। आज मोरसलीम शेख की गिनती पाकुड़ जिले के प्रगतिशील किसानों में होती है तथा उन्हें जिला एवं प्रमंडल स्तर पर कई बार अलग-अलग मौकों पर प्रगतिशील किसान के रूप में सम्मानित किया जा चुका है।

जन सुराज पार्टी के नेता व्यास राम ने कुटुंबा विधानसभा के गावो में जाकर जनसंपर्क किया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जन सुराज पार्टी के नेता व्यास राम ने कुटुंबा विधानसभा के गावो में जाकर जनसंपर्क किया। बताते चलें कि 12 जून को औरंगाबाद जिले के नवीनगर प्रखंड में जन सुराज पार्टी के सूत्रधार प्रशांत किशोर का आगमन होने जा रहा है, प्रशांत किशोर के आगमन को लेकर जिले में जन सुराज पार्टी के सभी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी गण सभी पंचायत में दौरा कर नबीनगर में आयोजित रैली को सफल बनाने का आह्वान करते हुए नजर आ रहे हैं इसी कड़ी में जन सुराज पार्टी के नेता व्यास राम ने कुटुंबा विधानसभा में बदरपुर, कंचनपुर, पिपरा बगाही पंचायत, हरिहर उदार्नी पंचायत के पिछुलिया, टंडवा पंचायत टंडवा बाजार, रामनगर पंचायत, खजुरी पांडू पंचायत के सरातु,सुही पंचायत के ओरडी, रामपुर पंचायत के परसिया, बसडिहा पंचायत के काली बाबू बसडीहा आदि पंचायत एवं गांव में जन संपर्क कर आशीर्वाद लिया तथा बारह जून को जन सुराज पार्टी के माननीय संस्थापक,सुत्रधार श्री प्रशांत किशोर का नबीनगर स्टेडियम में जन सभा को संबोधित करेंगे जिसके बारे में बताया और आने के लिए आग्रह किया। इस जनसंपर्क के मौके पर उनके साथ कई समर्थक मौजूद थे।

केन्द्रीय सचिव ध्रुव प्रसाद साह ने कहा की वैश्य मोर्चा की बैठक में बनी आंदोलन की रणनीति

9 जून को देवघर में प्रमंडलीय कार्यकर्ता सम्मेलन

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा के केन्द्रीय सचिव ध्रुव प्रसाद साह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि आगामी 9 जून को होने वाले बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर झारखंड प्रदेश में मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष माननीय महेश्वर साहू और कार्यकारी अध्यक्ष हीरानाथ साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे ध्रुव प्रसाद साह ने कहा की सत्ताधारी दलों द्वारा अपने किए गए वायदे को पूरा नहीं करना, यह लोकतंत्र के लिए काफी गंभीर और ओबीसी के साथ धोखा है. खास कर कांग्रेस और राजद को ओबीसी के साथ उपेक्षापूर्ण रवैया नहीं अपनाना चाहिए. विपक्ष सह कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी एवं पूर्व मुख्यमंत्री सह राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ओबीसी की हिमायत करते हैं, इस वजह से झारखंड में महागठबंधन को भारी बहुमत भी मिला. अब अपने वायदे को पूरा करने के लिए सकारात्मक भूमिका अदा करना चाहिए. -झारखंड में सरकारी आंकड़ों के अनुसार ही ओबीसी की आबादी 52% से अधिक है, सत्ता बनाने और बिगाड़ने की यह वर्ग ताकत रखता है. अगर वैश्य और ओबीसी के साथ यही उपेक्षापूर्ण नीति रही तो झूठे वायदे करने वालों को समय आने पर सबक सिखाया जायेगा. -इसके पूर्व जून के प्रथम सप्ताह में दिल्ली जा कर विपक्ष सह कांग्रेस नेता राहुल गांधी एवं पटना जा कर लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव को मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा जायेगा. -झारखंड में ओबीसी को 27% आरक्षण देने, आरक्षण से वंचित जिलों- खूंटी, सिमडेगा, गुमला, चाईबासा, जमशेदपुर, लोहरदगा आदि में आरक्षण की व्यवस्था लागू करने, जाति आधारित जनगणना, वैश्य आयोग का गठन, पिछड़ा वर्ग मंत्रालय का गठन, छोटे दुकानदारों के 10 लाख रुपये तक की ऋण माफी, वैश्य समाज की लूटी गयी जमीन वापसी, वैश्यों पर हो रहे अत्याचार, शोषण,

हत्या, लूट, पुलिसिया जुल्म आदि मांगों को लेकर आंदोलन और अभियान को और तेज किया जायेगा.

-आगामी 9 जून को संथाल परगना प्रमंडल का देवघर में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया जायेगा. इसकी तैयारी प्रमंडलीय अध्यक्ष प्रमोद चौधरी, महासचिव गजेंद्र केशरी, केंद्रीय महासचिव विष्णु मंडल, केन्द्रीय सचिव ध्रुव प्रसाद साह,जिला अध्यक्ष राजकुमार वर्णवाल एवं युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष देवेन्द्र मंडल और जितेन्द्र चौधरी करेंगे. -15 जून से 20 जुलाई तक सभी केंद्रीय पदाधिकारी, सदस्य और जिलाध्यक्ष प्रखंड स्तरीय सम्मेलन, बैठक और जन संपर्क अभियान चला कर अपने मुद्दे पर सरकार की मंशा बताने का काम करेंगे और पर्चा वितरण करेंगे.

-31 जुलाई को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 'त्राहिमाम महाधरना' कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा. इस महाधरना में दिल्ली, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों के वैश्य नेता और प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जायेगा.

-31 जुलाई को *चलो दिल्ली* के मुद्दे पर 12 जून को केंद्रीय समिति की बैठक रांची में आयोजित की जायेगी, जिसमें सभी बातों की चर्चा की जायेगी और योजनाओं को अंतिम रूप दिया जायेगा. इस बैठक में सभी केंद्रीय पदाधिकारियों, सदस्यों, जिला अध्यक्ष एवं प्रकोष्ठ संगठन के पदाधिकारियों को आवश्यक रूप से शामिल होना है.

औरंगाबाद जिले के सभी 11 प्रखंडों में संगठनों का महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सभी 11 प्रखंडों के चयनित कुल 30 ग्राम संगठनों में ₹महिला संवाद कार्यक्रम₹ का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। महिला संवाद, बिहार सरकार द्वारा महिलाओं से सीधे संवाद की एक अनूठी एवं प्रभावी पहल है, जिसके माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाने वाली विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जा रही है। अब तक औरंगाबाद जिले के कुल 1486 ग्राम संगठनों में महिला संवाद का आयोजन किया जा चुका है। जिले में प्रतिदिन दो पालियों में 15 महिला संवाद रथों का संचालन हो रहा है। इन संवादों में महिलाएँ न केवल सरकार की योजनाओं से मिले लाभ को साझा कर रही हैं, बल्कि योजनाओं को और बेहतर बनाने हेतु अपने सुझाव भी दे रही हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ अपनी आकांक्षाओं और अपेक्षाओं को खुलकर व्यक्त कर रही हैं। महिला संवाद उनके लिए एक ऐसा

मंच बन चुका है, जहाँ वे न केवल अपनी समस्याओं को साझा कर रही हैं, बल्कि विकास की नई दिशा भी दिखा रही हैं। अब तक जिले में कुल 38,605 अपेक्षाओं को एप पर दर्ज किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण एवं स्वावलंबन से संबंधित योजनाओं की जानकारी देने वाले लीफलेट वितरित किए गए। साथ ही, लोक कल्याणकारी योजनाओं की सफलता पर आधारित फिल्में भी महिला संवाद रथ के माध्यम से प्रदर्शित की गईं। मुख्यमंत्री, बिहार श्री नीतीश कुमार का महिलाओं के नाम संदेश भी सभी उपस्थित महिलाओं को सुनाया गया, जिससे उनमें आत्मविश्वास और प्रेरणा का संचार हुआ। आज खुशी ग्राम संगठन, ओरा, औरंगाबाद (सदर) में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी श्री श्रीकांत शास्त्री (भा.प्र.से.), प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री रमण सिन्हा, संस्था निर्माण एवं क्षमता वर्धन प्रबंधक श्री रणंजय राय, संचार प्रबंधक मो० अनवर हुसैन, प्रशिक्षण पदाधिकारी श्री प्रवीण कुमार पाठक, प्रखंड परियोजना प्रबंधक श्री श्रुतिकांत पाठक, क्षेत्रीय समन्वयक श्रीमती चंदा कुमारी, सामुदायिक समन्वयक श्री सहदेव कुमार भगत तथा बड़ी संख्या में महिलाओं ने सहभागिता की। जिला पदाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बिहार सरकार महिला सशक्तिकरण हेतु कन्या उत्थान योजना, बालिका पोशाक योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, मुख्यमंत्री बालिका प्रोत्साहन योजना, स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, सतत जीविकोपार्जन योजना, वृद्धा पेंशन योजना सहित कई कल्याणकारी योजनाएं चला रही है। उन्होंने सभी महिलाओं को इन योजनाओं का लाभ लेने हेतु प्रेरित किया।

चिनाब ब्रिज : बादलों से घाटी तक दिलों पर कब्जा

आसमान और जमीन दोनों पर चल रही है भारतीय इंजीनियरिंग की धूम

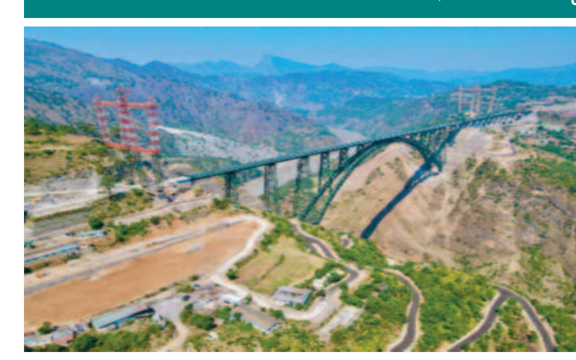

नई दिल्ली ,।

इन दिनों जो भी विमान जम्मू-कश्मीर की वादियों के ऊपर से उड़ रहा है, उसमें एक खास पल जरूर देखने को मिल रहा है। जैसे ही फ्लाइट चेनाब घाटी के ऊपर पहुंच रही है, पायलट यात्रियों को अनाउंसमेंट कर बता रहे हैं कि नीचे दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज – चिनाब ब्रिज दिखाई दे रहा है। पायलट की आवाज सुनते ही यात्री अपनी खिड़कियाँ खोल रहे हैं, मोबाइल कैमरे ऑन कर रहे हैं और इस ऐतिहासिक ब्रिज की तस्वीरें और वीडियो ले रहे हैं। विमान के भीतर गर्व का माहौल बन रहा है, लोग तालियाँ बजा रहे हैं और भारत के इंजीनियरों की तारीफ कर रहे हैं। उधर जमीन पर भी लोग पीछे नहीं हैं। आसपास के गाँवों और पहाड़ी इलाकों से लोग ब्रिज की तस्वीरें और वीडियो ले रहे हैं। कई लोग लाइव स्ट्रीमिंग कर रहे हैं, तो कुछ इसे इंस्टाग्राम और फेसबुक पर तुरंत साझा कर रहे हैं। आजकल आसमान में उड़ते फ्लाइट्स चिनाब ब्रिज के दर्शन की खिड़की बनती जा रही हैं – और जमीन पर खड़े लोग भी उस पल को अपने कैमरे में संजो रहे हैं, जो आने वाली पीढ़ियों को बताएंगे कि कैसे भारत ने पहाड़ों को चीर कर इतिहास रचा। चिनाब ब्रिज, जो यूएसबीआरएल (उधमपुर-श्रीनगर -बारामूला रेल लिंक) परियोजना का हिस्सा है, दुनिया का सबसे ऊँचा रेलवे आर्च ब्रिज है। नदी के तल से 359 मीटर ऊपर की ऊंचाई पर मौजूद है। सलाल डैम के निकट चिनाब नदी पर बना यह ब्रिज 1,315 मीटर लंबा है। इसका मुख्य आर्च 467 मीटर लंबा है और यह 266 किलोमीटर प्रति घंटे तक की रफ्तार वाली हवाओं को झेल सकता है। ऊंचाई में यह एफिल टावर से 35 मीटर ऊँचा है और कुतुब मीनार से लगभग पाँच गुना ऊंचा है। इस अद्भुत ब्रिज के निर्माण में 28,000 मीट्रिक टन इस्पात का इस्तेमाल हुआ। पहली बार भारतीय रेल द्वारा ब्रिज में एक खास केबल क्रेन सिस्टम लगाया गया, जिससे 915 मीटर चौड़ी खाई को पार करने के लिए दो बड़े केबल कार और 100 मीटर से ऊंचे पाइलन लगाए गए हैं।

गोदान काव्य रूपांतरण का लोकार्पण समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- सदर प्रखंड स्थित दशरथ प्रसाद रामानंदन पांडेय बी एड कालेज (चित्रगोपी) के सभागार में झारखंड के प्रसिद्ध कवि राकेश कुमार मिश्र रचित गोदान काव्य रुपांतरण का लोकार्पण किया गया।बी एड कॉलेज के सचिव शंभूनाथ पांडेय के अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम का संचालन टाइम्स आफ इंडिया के ब्यूरो प्रमुख प्रेमेंद्र मिश्रा द्वारा किया गया।सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित शाहाबाद रेंज के डीआईजी डॉ सत्यप्रकाश, पंचदेव धाम चपरा के संस्थापक अशोक कुमार सिंह, जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह, वरीय साहित्यकार श्रीधर प्रसाद द्विवेदी,पलामू के समालोचक प्रो सुरेंद्र मिश्र समकालीन जवाबदेही के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र,शैलेंद्र दुबे, शब्दाक्षर के राष्ट्रीय प्रचार मंत्री धनंजय जयपुरी, डॉ शिवपूजन सिंह,बी एड कालेज के प्राचार्या करूणा कुमारी,प्रो रामाधार सिंह, वरीय अधिवक्ता सिद्धेश्वर विद्यार्थी सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत एवं पुस्तक का लोकार्पण किया।धनंजय जयपुरी द्वारा सभी अतिथियों को काव्यात्मक व्याख्या करते हुए स्वागत किया।कवि एवं गोदान काव्य रुपांतरण के लेखक राकेश कुमार ने अपने संबोधन के क्रम में कहा कि मुझे इस पुस्तक को लिखने की प्रेरणा औरंगाबाद से ही मिली। औरंगाबाद के महान साहित्यकार मिथिलेश मधुकर से मुझे काव्य लिखने की प्रेरणा मिली।मुख्य अतिथि शाहाबाद रेंज के डीआईजी डॉ सत्यप्रकाश ने कहा कि गोदान नारी

सशक्तिकरण का बेजोड़ उदाहरण हैं। राज्य की सीमा बदल सकती है परन्तु समाज कभी नहीं बदलता। आज के युवा पीढ़ी के व्हाट्सअप यूट्यूब को ज्यादा महत्व देते हैं जो चिंता कि विषय है।अपने अनुभव को साझा करते हुए कहा कि मैं देश के विभिन्न हिस्सों में घूम कर देखा हूं तो पता चला कि विश्वविद्यालय में किसी भी विषय को काव्यात्मक रूप में बनाया जाए तो बच्चों को जल्द याद हो जाती है और वह उनके जेहन में बैठ जाती है।कवि राकेश कुमार ने गोदान को काव्यात्मक बनाकर सभी के लिए सुलभ बनाया है। पंचदेव धाम के संस्थापक अशोक कुमार सिंह ने कहा कि प्रेमचंद के गोदान में पूरे भारत के ग्रामीण परिवेश का दर्शन कराया गया है।श्रीधर चतुर्वेदी ने कहा कि पलामू औरंगाबाद का सांस्कृतिक संबंध युगों युगों से रहा है।प्रो सुरेंद्र मिश्र ने कहा कि कवि द्वारा इसे संक्षिप्त काव्य रुप में प्रस्तुत कालजई कार्य किया।डॉ रामाधार सिंह,प्रो शिवपूजन सिंह ने कहा कि प्रेमचंद के पात्रों ने जीवन को शिखर पर पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।मुख्य वक्ता के रूप में अपने उद्बोधन में डॉ सिद्धेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि प्रेमचंद के प्रमुख उपन्यासो में उन पात्रों की प्रधानता होती जो सदियों से उपेक्षित रहा है। गोदान उपन्यास के पूरी कहानी का संक्षिप्त परिचय किया।गोदान की कहानी दो वर्गों में बंटी हुई है।एक अभिजात्य वर्ग और दूसरा उपेक्षित वर्ग।इसका होरी पात्र सही मायने में इस उपन्यास का हीरो हैं।जिस रचना में संवेदना और करूणा की प्रधानता होती है।वही रचना श्रेष्ठ मानी जाती है। केशरी नंदन ने कहा कि राकेश कुमार ने गोदान का काव्य रुपांतरण कर अंधेरे से उजाला में लाने का प्रयास किया है। अध्यक्षीय उद्बोधन में शंभूनाथ पांडेय ने कहा कि गोदान का यह काव्य रुपांतरण आने वाले भविष्य में की भाषाओं में अनुवाद किया जाएगा।यह पुस्तक समाज के उस वर्ग को जगाने का कार्य करती है जो सदियों से उपेक्षित रही है। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए समकालीन जवाबदेही पत्रिका के प्रधान संपादक डॉ सुरेंद्र प्रसाद मिश्र ने कहा कि राकेश कुमार ने काव्य रुपांतरण कर दुरुह कार्य किया है।काम काज, राम काज और आम काज में सबसे महत्वपूर्ण आम काज है।मौके पर जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी चन्दन कुमार,लालदेव प्रसाद, लवकुश प्रसाद सिंह, रामभजन सिंह,अनुज बेचैन, विनय मामूली बुद्धि, नागेन्द्र केशरी, रामजी सिंह,प्रो राजेंद्र सिंह,नीरज पाठक, प्रियंका पांडेय,पुरुषोत्तम पाठक,श्रवण कुमार सिंह,सिहेंश सिंह, जनार्दन मिश्र जलज, आदित्य श्रीवास्तव, राम सुरेश सिंह, अलखदेव सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

दानिका संगीत महाविद्यालय में प्रायोगिक परीक्षा में सैंकड़ों विद्यार्थी हुए शामिल

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय के प्रांगण में दानिका के विभिन्न पाठ्यक्रमों के निमित्त सैद्धांतिक परीक्षा के पश्चात आयोजित होने वाली प्रायोगिक परीक्षा ली गई। सत्र 2024-25 के फर्स्ट ईयर और थर्ड ईयर के विद्यार्थियों ने प्रातः कालीन सत्र में सहभागिता निभाई जबकि 4ऽ ईयर एवं 6ऽईयर के विद्यार्थियों ने दोपहर के सत्र में सहभागी रहे।दानिका के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार एवं केंद्राधीक्षक शशि देवी के नेतृत्व में आयोजित प्रायोगिक परीक्षा में बतौर एक्सटर्नल के रूप में रणविजय शर्मा,यशवंत सिंह,बबन शर्मा,विकास कुमार ने सराहनीय भूमिका निभाई।सैकड़ो विद्यार्थियों के उपस्थिति में क्रमवार सभी विद्यार्थियों का लय,ताल वाद्य यंत्र के साथ इनका जांच किया गया।हारमोनियम तबले पर उनकी संगत को बैठाकर उनकी सम्यक जानकारी को साझा किया गया।तत्पश्चात बाह्य परीक्षक रणविजय शर्मा के द्वारा इस बात की पुष्टि की गई कि संगीत के प्रायोगिक परीक्षा में वे सफलीभूत हैं रणविजय शर्मा ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में संगीत एक ऐसी विधा है जिसमें मनोरंजन के साथ-साथ रोजगार की असीम संभावनाएं हैं।आज संगीत में इतनी संभावना उत्तरोत्तर हैं जिनकी कल्पना नहीं की जा सकती। प्रायोगिक परीक्षा के सफल क्रियान्वयन में जय किशन, सुजीत पाल,अंजली सिंह,शिवांगी सिंह ने सराहनीय भूमिका निभाई।

असली मैच फिक्सिंग तो कांग्रेस राज में होती थी, चुनाव आयुक्तों को मिलता था पुरस्कार', राहुल गांधी के आरोप पर सम्राट चौधरी का पलटवार

बिहार बिहार के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता सम्राट चौधरी (सम्राट चौधरी) ने कांग्रेस नता राहुल गांधी (Rahul Gandhi)) के चुनाव में मैच फिक्सिंग' के आरोप पर पलटवार करते हुए कहा कि असली फिक्सिंग तो कांग्रेस राज में होती थी और इसके लिए चुनाव आयुक्तों को पुरस्कार दिया जाता था।

जो हारता है, वही ऐसी बात करता है

सम्राट चौधरी ने शनिवार को कहा, जो हारता है, वही ऐसी बात करता है। असल में मैच फिक्सिंग तो कांग्रेस के शासन काल में होती थी, जब मुख्य चुनाव आयुक्तों के पद से सेवानिवृत्त होने के बाद सत्तारूढ दल के प्रति वफादारी का पुरस्कार तुरंत दिया जाता था।" उन्होंने कहा कि राहुल गांधी बताएं कि वर्ष 1967 से 2009 तक कांग्रेस राज में जो सात चुनाव आयुक्त हुए, उनमें से दो पूर्व चुनाव आयुक्तों को राज्यपाल, तीन को पद्म विभूषण और एक को केंद्रीय मंत्री बनाना क्या मैच फिक्सिंग का पुरस्कार था।

बिहार में कांग्रेस गठबंधन का सूपड़ा साफ होने वाला

भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से पूछना चाहिए कि बिहार में उनके राज में मतपेटी से राजद का जिन्न कैसे निकलता था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जहां जनता नकार देती है, वहां वे मैच फिक्सिंग का रोना रोते हैं और चुनाव आयोग पर अनर्गल आरोप लगाते हैं। वे अपने विजय को ह्यलोकतंत्र की जीत' और अपनी हार को मैच फिक्सिंग बताकर धोखा देते हैं। चौधरी ने कहा कि इस बार की

यात्रा में राहुल गांधी ने स्वीकार कर लिया कि बिहार में कांग्रेस गठबंधन का सूपड़ा साफ होने वाला है इसलिए मुंह छुपाने के लिए अभी से मैच फिक्सिंग का फर्जी नरेटिव बना रहे हैं।

दरधा गांव में नाली निर्माण ठप, लोगों को हो रही भारी परेशानी

रिपोर्ट - अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड के दरधा गांव के निवासियों को इन दिनों बुनियादी सुविधाओं के अभाव में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। गांव में नाली का निर्माण न होने के कारण गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है, जिससे न सिर्फ बदबू और गंदगी का आलम है, बल्कि बीमारियों का भी खतरा लगातार बना हुआ है। स्थानीय समाजसेवी चितरंजन कुमार सिंह ने इस मुद्दे को लेकर आवाज उठाई है। उन्होंने बताया कि उनके घर से नगहिया आहर तक नाली का निर्माण बेहद जरूरी है, जिससे जल निकासी की समस्या से निजात मिल सके। इसको लेकर वे प्रखंड विकास पदाधिकारी को कई बार आवेदन दे चुके हैं, लेकिन आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। गांव के लोगों में प्रशासनिक उदासीनता को लेकर गहरा आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द इस दिशा में पहल नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को विवश होंगे। साफ-सफाई और जल निकासी जैसी मूलभूत जरूरतें यदि समय पर पूरी नहीं होंगी, तो ग्रामीण जीवन संकट में पड़ सकता है।

अब देखना यह है कि प्रशासन कब तक जागता है और कब दरधा गांव को नाली की सुविधा मिलती है।

संक्षिप्त समाचार

धनौती गांव में मकान निर्माण के लिए सटरिंग का सामान मांगने में हुए विवाद के बाद मारपीट हुई

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के बारुण थाना क्षेत्र के धनौती गांव में मकान निर्माण के लिए सटरिंग का सामान मांगने में हुए विवाद के बाद मारपीट हुई। विवाद इतना बढ़ गया कि एक पक्ष डंडे से हमला कर दिया। 28 वर्षीय रामजी कुमार सिंह घायल हो गए। स्थानीय लोगों द्वारा युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। ड्यूटी पर रहे चिकित्सकों ने उपचार किया। सदर अस्पताल में घायल ने बताया कि गांव में मकान निर्माण करा रहे थे। छत ढलाई के लिए सटरिंग का सामान किराए पर लिया था। पड़ोसी मकान निर्माण करा रहे थे। उन्हें भी सटरिंग की जरूरत पड़ी। पड़ोसी ने मुझसे सामान मांगकर ले लिया। जब मैंने सामान वापस मांगा तो पड़ोसी ने देने से इंकार कर दिया। इतने में दोनों में बहस होने लगी और मामला मारपीट तक पहुंच गया। बताया कि पड़ोसी ने डंडे से सिर पर हमला कर घायल कर दिया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है।

अनियंत्रित होकर पलटा ट्रैक्टर...खेत जा रहे किसान की नीचे दबने से मौके पर मौत; मची चीख-पुकार

रोहतास:

बिहार में रोहतास जिले के शिवसागर थाना क्षेत्र में रविवार को ट्रैक्टर के पलट जाने से एक किसान की मौत हो गई। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि जिले के करगहर थाना क्षेत्र के तिलकापुर गांव निवासी किसान संजय कुमार सिंह ट्रैक्टर से खेत की ओर जा रहा था। इसी दौरान कोणार गांव के समीप ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस घटना में संजय कुमार सिंह की दबकर मौत हो गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच में जुट गई है। वहीं, इस घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

दरौली विधानसभा सीट पर चलता है सत्यदेव राम का सिक्का

दरौली:

दरौली विधानसभा सीट सीवान लोकसभा के तहत आता है....1951 में दरौली सीट अस्तित्व में आया था। 1951 में दरौली में हुए पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेसी कैंडिडेट रामायण शुक्ला ने जीत हासिल की थी..1957 में दरौली सीट पर हुए विधानसभा चुनाव में कांग्रेसी कैंडिडेट बसावन राम ने जीत हासिल की थी। वहीं 1962 में हुए चुनाव में दरौली सीट से कांग्रेस पार्टी के कैंडिडेट रामायण शुक्ला ने जनता का समर्थन हासिल किया था। 1967 में यहां भारतीय जनसंघ के कैंडिडेट के पी सिंह ने विरोधियों को शिकस्त दे दिया था। 1969 में यहां हुए विधानसभा चुनाव में संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के कैंडिडेट लक्ष्मण रावत ने जनता का समर्थन हासिल किया था। 1972 में दरौली सीट पर हुए विधानसभा चुनाव में भारतीय जनसंघ के कैंडिडेट कृष्णा प्रताप सिंह ने विरोधियों को मात दे दिया था। वहीं 1977 में हुए चुनाव में दरौली सीट पर कृष्णा प्रताप सिंह ने कांग्रेस की टिकट पर जीत हासिल किया था। 1980 में दरौली सीट से कांग्रेसी कैंडिडेट चंद्रिका पांडे ने जनता का समर्थन हासिल किया था। 1985 में यहां हुए चुनाव में लोकदल की टिकट से शिव शंकर यादव ने जीत हासिल किया था। 1990 में भी शिव शंकर यादव ने दरौली में जनता दल की टिकट पर जीत का सिलसिला बरकरार रखी थी। 1995 में दरौली सीट से सीपीआई एमएल एल के टिकट पर अमरनाथ यादव ने जीत हासिल किया था। वहीं 2000 के विधानसभा चुनाव में दरौली सीट से शिव शंकर यादव ने आरजेडी की टिकट पर जनता का भरोसा जीत लिया था। 2005 के चुनाव में दरौली सीट से सीपीआई एमएल एल के कैंडिडेट अमरनाथ यादव ने जीत हासिल किया था। 2010 के चुनाव में दरौली सीट से बीजेपी के कैंडिडेट रामायण माझी ने जनता का समर्थन हासिल किया था। 2015 और 2020 के चुनाव में यहां से सीपीआई एमएल एल की टिकट पर सत्यदेव राम ने दरौली में जीत हासिल किया था। इस बार भी सत्यदेव राम चुनावी मैदान में अपनी किस्मत आजमाएंगे। वहीं 2015 के विधानसभा चुनाव में दरौली सीट से सीपीआई एमएल एल के कैंडिडेट सत्यदेव राम ने जीत हासिल की थी। सत्यदेव राम को 49 हजार पांच सौ 76 वोट मिला था तो बीजेपी कैंडिडेट रामायण माझी को 39 हजार नौ सौ 92 वोट ही मिल पाया था। इस तरह से सत्यदेव राम ने रामायण माझी को 9 हजार पांच सौ 84 वोट के अंतर से हरा दिया था। वहीं आरजेडी के कैंडिडेट परमात्मा राम, 37 हजार तीन सौ 45 वोट के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे।वहीं 2010 के विधानसभा चुनाव में दरौली सीट से बीजेपी कैंडिडेट रामायण मांझी ने जीत हासिल की थी। रामायण माझी को 40 हजार नौ सौ 93 वोट मिला था.......तो सीपीआई एमएल एल के कैंडिडेट सत्यदेव राम ने 33 हजार नौ सौ 87 वोट हासिल किया था। इस तरह से रामायण माझी ने सत्यदेव राम को 7 हजार 6 वोट के अंतर से हरा दिया था। वहीं एलजेपी कैंडिडेट शिव कुमार मांझी, 15 हजार छह सौ 97 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे थे। वहीं 2005 के विधानसभा चुनाव में दरौली सीट से सीपीआई एमएल एल कैंडिडेट अमरनाथ यादव ने जीत हासिल की थी। अमरनाथ यादव को 30 हजार तीन सौ 55 वोट मिला था तो आरजेडी कैंडिडेट शिव शंकर यादव ने चुनाव में 26 हजार तीन सौ 47 वोट हासिल किया था। इस तरह से अमरनाथ यादव ने शिवशंकर यादव को 4 हजार 8 वोट से हरा दिया था। वहीं बीजेपी कैंडिडेट योगमाया, 17 हजार पांच सौ 59 वोट हासिल कर तीसरे स्थान पर रहे थे। दरौली विधानसभा सीट के नतीजों को तय करने में रविदास वोटरों की सबसे बड़ी भूमिका है। हालांकि मुस्लिम और यादव भी यहां अच्छी खासी संख्या में हैं। दरौली सीट को लेफ्ट का गढ़ माना जाता है। इसलिए इस बार भी यहां से सत्यदेव राम को चुनौती देना एनडीए के लिए आसान नहीं होगा।

चिंतन शिविर 2.0: मंत्री सीखेंगे, सुनेंगे और बताएंगे अपने अनुभव, विकसित भारत के सपनों को पूरा करने की दिशा में बढ़ा एक और कदम

रायपुर , ।

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के आ-ईआईएम कैंपस में आज से शुरू हुआ एक खास कार्यक्रम झ चिंतन शिविर 2.0। यह कोई आम सरकारी बैठक नहीं, बल्कि ऐसा मंच है जहाँ प्रदेश सरकार के सभी मंत्री अपने अनुभव, सीखी गई बातें और कामकाज से जुड़ी कहानियाँ एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में आयोजित यह दो दिवसीय शिविर पूरी तरह से मंत्रियों के लिए डिजाइन किया गया है, जिसमें वे बीते डेढ़ साल के अपने सफर की समीक्षा करेंगे और आने वाले समय के लिए नई दिशा और प्रेरणा प्राप्त करेंगे। इस चिंतन शिविर का उद्देश्य केवल बीते कार्यों पर विचार करना नहीं, बल्कि विकसित भारत @2047 के सपने को साकार करने में विकसित छत्तीसगढ़ की भूमिका को स्पष्ट रूप से तय करना है। इसके तहत मंत्री अपने-अपने विभाग में किए गए नवाचारों, जनसेवा के अनुभवों और आगे की योजनाओं को साझा करेंगे। इस दौरान सेवा, संकल्प और सीख के मूल मंत्र पर केंद्रित विशेष सत्रों का आयोजन भी होगा। शिविर में देशभर से आए प्रतिष्ठित विषय विशेषज्ञ मंत्रियों को सुशासन, पारदर्शिता, डिजिटल प्रशासन, लोकसेवा की भावना, स-ंस्कृतिक चेतना और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर व्याख्यान देंगे। यह शिविर एक प्रकार की कार्यशाला बन गया है, जहाँ हर मंत्री कुछ नया सीख रहा है और खुद को बेहतर बना रहा है।

इस शिविर का एक विशेष आकर्षण है झ ह्लसुशासन से निर्वाचन तकह्व विषय पर आधारित सत्र, जिसमें नीति निर्माण की पार-दर्शिता, जवाबदेही और जनकल्याण के स-रोकारों पर चर्चा होगी। साथ ही, मुख्यमंत्री

विष्णुदेव साय हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह से हुई मुलाकात में मिले मार्गदर्शन से भी मंत्रियों को अवगत कराएंगे, जिससे केंद्र और राज्य की योजनाओं में बेहतर समन्वय स्थापित हो सके। शिविर के एक सत्र में बस्तर जैसे पिछड़े क्षेत्रों में आ रहे सकारात्मक बदलाव पर भी फोकस रहेगा। बस्तर में बीते कुछ समय में पर्यटन, स्वरोजगार और इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में तेजी से विकास हुआ है। इन प्रयासों से वहाँ के युवाओं को नए अवसर मिल रहे हैं और क्षेत्र की पहचान भी बदल रही है। शिविर में मंत्रीगण अपने दौरे, निरीक्षण और योजनाओं के जमीनी अनुभवों को साझा करेंगे, जिससे यह समझने में मदद मिलेगी कि विकास केवल राजधानी तक सीमित नहीं, बल्कि राज्य के हर कोने तक पहुँचना चाहिए।

यह शिविर एक तरह से आत्ममंथन का अवसर भी है, जहाँ मंत्री अपने अब तक के फैसलों पर गौर करेंगे और यह सोचेंगे कि भविष्य में लोगों की जिंदगी को और कैसे बेहतर बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री साय की सोच स्पष्ट है – हर मंत्री केवल विभाग प्रमुख नहीं, बल्कि विकास यात्रा के सहभागी, प्रेरक और जनता के लिए जवाबदेह जनसेवक हों।

इटखोरी प्रखंड में इस्लाम मतावलंबियों ने अकीदत के साथ मनाया ईद- उल-अजहा का पर्व बकरीद

इटखोरी प्रखंड में अकीदत के साथ मनाया गया ईद- उल-अजहा का बकरीद पर्व

आदिवासी एक्सप्रेस / संतोष कुमार दास

इटखोरी (चतरा) : प्रखंड में मुस्लिम धर्मावलंबियों ने बड़ी अकीदत के साथ ईद -उल- अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया। सुबह से ही प्रखंड के विभिन्न ईदगाहों में नमाज अदा की गई। नमाज की इमामत करते हुए मुल्क में अमन चैन व भाईचारे की दुआ की गई। इबादतगाहों में दुआओं के सैकड़ो हाथ एक साथ उठाकर मुल्क की तरक्की अमन चैन और भाईचारे की दुआ मांगी गई। बकरीद की नमाज अदा करने के बाद लोगों ने एक दूसरे के गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इसके बाद कुबार्नी का सिलसिला शुरू हुआ ईद के अवसर पर लोगों ने एक दूसरे के घर जाकर सेवाइयों का स्वाद लिया। मौके पर मोहल्ले और गलियों में रौनक बनी रही बच्चे नए लिबास में नजर आए और पूरे दिन त्यौहार की खुशियां मनाते रहे। त्योहार के मौके पर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सटक रहा। प्रखंड में तमाम गतिविधियों पर प्रशासन की चौकस नजर बनी रही। पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजामात किए गए थे। प्रखंड के धनखेरी, कल्याणपुर, परसौनी, नवादा, असढ़िया,

चट्टी आदि क्षेत्रों में ईद- उल- अजहा का उत्साह देखने को मिला। मौके पर मोहल्ले और गलियों में रौनक बनी रही बच्चे नए लिबास में नजर आए और पूरे दिन त्यौहार की खुशियां मनाते रहे। त्योहार के मौके पर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सटक रहा।

सांप्रदायिक सद्भावना कायम रखने के उद्देश्य से मंदिरों की निगरानी में लगे पैगाम ए इंसानियत के जिलाध्यक्ष - सल्लू खान

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद : जिले में घटित पूर्व की घटनाओं को देखकर बकरीद पर्व में शांति बनी रहे शनिवार की रात और रविवार की अहले सुबह तक शहर के मंदिरों की निगरानी में पैगाम ए इंसानियत के जिलाध्यक्ष मो शाहनवाज रहमान उर्फ सल्लू खान मो अशफाक मो मजहर मो सैफुल्लाह मो जुल्फिकार मोअब्दुल्ला रहे। बकरीद पर्व पर मंदिरों में जाकर इस बात की तहकीकात करते रहे कि कही किसी के द्वारा मंदिरों में या उस-के बाहर माहौल खराब करने के उद्देश्य से किसी प्रकार का अवांछित सामग्री न फेंक दिया जाए। इस कार्य को देखते हुए शहर के कुछ मुस्लिम युवा भी साथ लग गए। पर्व को शांतिपूर्ण तरीके से संपादित करने में अहम भूमिका निभाई। गौरतलब है कि शहर में चार वर्ष पूर्व अंदर बाजार

में असामाजिक तत्वों द्वारा घिनौनी हरकत की गई थी। जिससे माहौल बिगड़ते बचा था और 3 साल पूर्व हसपुरा में ऐसी ही घटनाएं घटी थी। मंदिर की निगरानी करने वाले मुस्लिम समाज के समाजसेवी सल्लू खान ने कहा कि औरंगाबाद अपनायत की नगरी रही है और वर्षों से हम सभी हिंदू और मुस्लिम एक दूसरे के साथ अमन चैन और भाईचारे के साथ रहते आए है और आगे भी यह प्रेम भाईचारा ऐसे ही बना रहेगा। सल्लू खान ने लोगो से अपील किया है कि किसी तरह का आपत्तिजनक पोस्ट या वीडियो किसी भी धर्म के के खिलाफ नहीं करना है और नहीं किसी भी धर्म को ठेस लगना चा-हए।

गोह में डॉ. रविनंदन की रचना भ्रमजाल का लोकार्पण

25 वर्षों की सेवा के लिए अनिरुद्ध विश्वकर्मा भी हुए सम्मानित

रिपोर्ट- अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह स्थित स्व. रामशरण पुस्तकालय पोखरा परिसर में एक भव्य साहित्यिक व पत्रकारिता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें वरिष्ठ साहितकार डॉ. रविनंदन के 50 किताब की रचना व अनिरुद्ध विश्वकर्मा उर्फ दिलीप के 25 वर्षों की पत्रकारिता यात्रा पूर्ण होने पर उन्हें अंगवस्त्र, फूलों की माला और प्रशस्ति पत्र देकरसम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रविनंदन द्वारा रचित उपन्यास ह्लभ्रमजालह्व का विमोचन भी किया गया। समारोह की अध्यक्षता बिन्देश्वरी शर्मा ने की, जबकि संचालन अनिरुद्ध विश्वकर्मा ऊर्फ दिलीप ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. राम सकल बिंद ने कहा की ₹डॉ. रविनंदन की रचना 'भ्रमजाल' समाज की जटिलताओं को गहराई से समझने का अवसर देती है। उनका अनुभव और विचारशीलता हर पृष्ठ पर झलकती है। ऐसे लेखक समाज को सोचने और सुधारने की दिशा देते हैं। मैं उन्हें उनके समर्पण और सेवा के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।₹

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रचनाकार डॉ. रविनंदन ने कहा कि

ह्लभ्रमजाल केवल एक कथा नहीं, बल्कि समाज में व्याप्त मानसिक और सामाजिक उलझनों का दस्तावेज है। यह उपन्यास वर्तमान पीढ़ी को सोचने पर विवश करेगा कि कैसे सत्य और असत्य के बीच की रेखा कभी-कभी धुंधली हो जाती है। वरिष्ठ साहित्यकार अलखदेव प्रसाद अचल ने कहा कि ह्लरविनंदन की लेखनी सामाजिक चेतना को झकझोरने वाली रही है, और 'भ्रमजाल' में भी उन्होंने समाज के अंधेरे पक्ष को बेबाकी से उजागर किया है। संभु शरण सत्यार्थी ने कहा, ह्लयह किताब नई पीढ़ी के लिए आईना है और रविनंदन जी का अनुभव इस-के हर पन्ने में बोलता है। शिक्षक समुन्दर कुमार सिंह ने कहा की रविनंदन जैसे व्यक्तित्व का जीवन हमारे लिए प्रेरणास्त्रोत है, जिन्होंने न केवल कलम से समाज को दिशा दी बल्कि अपने अनुभवों को उपन्यास के माध्यम से अमर कर दिया। 'भ्रमजाल' सिर्फ एक कथा नहीं, यह वर्तमान समाज की गहराइयों में झांकने का प्रयास है। पत्रकार अनिरुद्ध विश्वकर्मा ने कहा, ह्लपत्रकारिता और साहित्य दोनों ही माध्यम समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। इस मंच से यह स्पष्ट है कि कलम की ताकत कभी कमजोर नहीं होती। इस मौके पर उपस्थित गणमान्य लोगों के बीच पुस्तकों का वितरण किया गया और विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। चित्रकला में आयुष कुमार को और गायन में अमृत कुमार को सम्मानित किया गया। अन्य विशिष्ट अतिथियों में विक्रांत बैभव, आसुतोष मिश्रा, अरुण कुमार, डॉ. रामसकल बिंद, नागेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी, डॉ. आर यू कुमार, अम्बुज कुमार, अवधेश नंदन द्विवेदी समेत कई प्रबुद्धजन मौजूद रहे। सुरक्षा व प्रशासनिक क्षेत्र से रकसंजय कुमार बिंद, सेवा निवृत्त रक राम बिनय यादव, गौतम उपाध्याय, अरुण कुमार, संजय कुमार सिंह, अमरेंद्र कुमार, रंजीत कुमार, राम बिनय सिंह, लखन पासवान, सुरेंद्र प्रसाद चंद्रवंशी, विजय कुमार, सुनील ठाकुर, दिनेश चंद्रवंशी, और अन्य सम्मानित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह एक सफल और प्रेरणादायक आयोजन के रूप में याद किया जाएगा, जो पत्र-कारिता, साहित्य और समाजसेवा के समर्पित योगदान को मान्यता देने का एक आदर्श उदाहरण बना।

गिरिराज सिंह ने लालू यादव को बताया 'मगरमच्छ', कहा- तेजस्वी को उट बनाने का सपना देख रहे RJD सुप्रीमो

Bihar :

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने रविवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद अपने बेटे (तेजस्वी यादव) को मुख्यमंत्री बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन बिहार की जनता पहले ही अपना मन बना चुकी है। वे जानते हैं कि अगर यह 'मगरमच्छ' (लालू) फिर से सत्ता में आए, तो अराजकता और भ्रष्टाचार का युग वापस आ जाएगा, जिसे राज्य बर्दाश्त नहीं कर सकता।

महागठबंधन 'ठगबंधन' है-गिरिराज सिंहपटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बात करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, महागठबंधन कोई गठबंधन नहीं है, यह एक 'ठगबंधन' है। इसके नेता बिहार के लोगों की सेवा करने की बजाय एक-दूसरे को नीचे गिराने में ज्यादा रुचि रखते हैं।₹ राजद और कांग्रेस के बीच सत्ता संघर्ष का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि गठबंधन में दूरदर्शिता और एकता का अभाव है और नेतृत्व को लेकर अंदरूनी असमंजस में उलझा हुआ है। गिरिराज सिंह की यह टिप्पणी ऐसी खबरों के बीच आई है, जब कांग्रेस और आरजेडी (RJD) अभी तक आगामी चुनावों के लिए सीएम चेहरे को पेश करने पर आम सहमति नहीं बना पाए हैं। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव के नजदीक आने के साथ ही राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है क्योंकि सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन और विपक्षी महागठबंधन दोनों के नेताओं ने एक-दूसरे पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। गिरिराज सिंह ने मौजूदा डबल इंजन सरकार का भी बचाव किया और इस बात पर जोर दिया कि 2005 से नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार द्वारा किए गए काम सराहनीय हैं। उन्होंने कहा, राज्य विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ा है। नीतीश कुमार के नेतृत्व में सड़कों, निमार्णाधीन चार लेन राजमार्ग और हवाई अड्डों के विकास में काफी सुधार हुआ है।

PM पैकेज से बदली बिहार की सूरत, सड़क-रेल-हवाई कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक विकास

पटना:

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2015 की चुनावी सभा में बिहार को 1 लाख 25 हजार करोड़ रुपये का विशेष पैकेज देने की घोषणा की थी। इसके बाद, बीच के वर्षों में भी कुछ अतिरिक्त पैकेज की घोषणा की गई। सूबे की डबल इंजन की सरकार के प्रयासों से इन पैकेजों की अधिकांश घोषणाएं तकरीबन पूरी हो गईं हैं। बिहार को सड़क, रेल से लेकर हवाई परिवहन तक में एक नई रफ्तार मिली है। पैकेज का सबसे बड़ा हिस्सा सड़क परिवहन मंत्रालय से संबंधित था, जिसके तहत 2 हजार 836 किमी लंबी सड़क का जाल बिछाने के लिए 74 प्रोजेक्ट की घोषणा की गई थी। इसकी लागत राशि 51 हजार 540 करोड़ रुपये है। इसमें 44 सड़क परियोजनाओं का काम पूरा हो गया है। इससे सूबे में 1 हजार 304 किमी नई सड़कें बनी और इस पर 14 हजार 898 करोड़ रुपये का खर्च आया है। इसमें कुछ बड़ी सड़क परियोजनाएं भी शामिल हैं। मसलन, एनएच-19 के अंतर्गत 1742 करोड़ रुपये खर्च कर-के महात्मा गांधी सेतू का फिर से निर्माण और पुनर्वास कार्य, एचएच-83 के तहत 1680 करोड़ रुपये खर्च करके पटना-गया-डोभी का निर्माण, 1063 करोड़ रुपये खर्च कर एनएच-31 पर सिमरिया-खगड़िया 4 लेन सड़क, कईलवर-भोजपुर 4 लेन पर 750 करोड़ रुपये, चार लेन भोजपुर-बक्सर एनएच-84 पर 595 करोड़ रुपये का खर्च करके निर्माण कराना।

22 सड़क परियोजनाओं का कार्य जारी

सड़क परिवहन पैकेज के तहत 22 ऐसी सड़क परियोजनाएं हैं, जिनका निर्माण कार्य केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय की देखरेख में जारी है। 1 हजार 57 किमी लंबी इन सड़कों के निर्माण पर 25 हजार 933 करोड़ रुपये का खर्च हो रहा है। इनमें 11 परियोजनाओं का कार्य चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक समाप्त हो जाएगा। इसी तरह वित्तीय वर्ष 2027-28 तक सभी 22 सड़क परियोजनाओं का कार्य पूरा हो जाएगा। इसके अतिरिक्त पांच ऐसी परियोजनाएं भी हैं, जिसकी जल्द शुरूआत होने जा रही है। 271 किमी लंबी इस परियोजना की लागत 5 हजार 797

करोड़ रुपये है। दो परियोजनाएं ऐसी भी हैं, जो मंजूरी के स्तर पर हैं। जल्द ही इनकी मंजूरी मिलने के बाद कार्य शुरू हो जाएगा। इन सड़क परियोजनाओं में शुमार सोनबर्षा और रक्सौल सड़क परियोजना को स्थगित कर दिया गया है। इसकी वजह रक्षा मंत्रालय के स्तर से भारत-नेपाल सीमा पर बन रही सीमावर्ती सड़क परियोजना में यह क्षेत्र शामिल है।

जिन 22 परियोजनाओं का कार्य जारी है, उसमें महात्मा गांधी सेतू के समानांतर 4 लेन का पुल, पटना-कोईलवर 4 लेन सड़क, उमगांव-सहरसा सड़क के साथ ही कोसी पर पुल, मुंगेर-मिजाचौकी 4 लेन सड़क, गंगा नदी पर बन रहा विक्रमशीला सेतू समेत अन्य योजनाएं शामिल हैं।

रेल की 5 परियोजनाएं पूरी

बिहार पैकेज का दूसरा मुख्य हिस्सा रेलवे से जुड़ी 9 परियोजनाएं हैं, जिनमें 5 का काम पूरा हो गया है और 4 का काम जल्द पूरा होने जा रहा है। अब तक 4 हजार 841 करोड़ रुपये खर्च करके 652 किमी रेल लाइन का निर्माण या दोहरीकरण कार्य हो चुका है। जबकि, 466 किमी की चार परियोजनाओं का कार्य प्रगति पर है, जिस पर 7 हजार 736 करोड़ रुपये की लागत आ रही है। जिन प्रमुख रेल परियोजनाओं इस वर्ष के अंत तक पूरा होने की संभावना है, उसमें किउल-गया लाइन का दोहर-ीकरण, समस्तीपुर-दरभंगा के बीच दोहरीकरण, धनबाद-सोननगर के बीच तीसरी लाइन और रामपुर डुमरा टाल लाइन का दोहरीकरण एवं राजेंद्र पुल का निर्माण कार्य शामिल है।

पटना समेत 5 एयरपोर्ट का निर्माण

राजधानी पटना के अलावा अन्य शहरों को भी हवाई मार्ग से जोड़ते हुए बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के उद्देश्य से 5 शहरों में एयरपोर्ट निर्माण की मंजूरी दी गई है। इसमें पटना के अतिरिक्त बिहटा, गया, रक्सौल और पूर्णिया में हवाई अड्डा का निर्माण शामिल है। पटना स्थित जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा के पुनरउद्धार का कार्य 1 हजार 216 करोड़ रुपये खर्च करके किया गया है। इसके नए भवन से लेकर टर्मिनल तक का निर्माण कराया गया है। इसी तरह 68 करोड़ 72 लाख रुपये खर्च करके गयाजी एयरपोर्ट को भी विक-सित किया गया है। जबकि, बिहटा और पूर्णिया में निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है। हाल में प्रधानमंत्री ने पटना हवाईअड्डा के नए टर्मिनल के उद्घाटन के साथ ही बिहटा एयरपोर्ट के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया है। पूर्णिया ह-वाई अड्डे का निर्माण कार्य जल्द शुरू होने की संभावना है। रक्सौल में जमीन सर्वे का काम चल रहा है। इसके बाद यहां भी निर्माण कार्य शुरू होगा।

शांति की बात अब विद्रोह है : युद्धोन्मादी राष्ट्रवाद का मनोविज्ञान

>> **विचार**

> "लेकिन 1 मई को हालात अचानक बदल गए. जो हिमांशी कल तक सबकी प्रिय थीं, उनके खिलाफ ट्रोलिंग शुरू हो गई और सोशल मीडिया पर उनके प्रति घृणा का वातावरण बन गया. उनके खिलाफ लोग (ट्रोल) जहर उगलने लग गए. दिवंगत अधिकारी की पत्नी के प्रति सहानुभूति अचानक घृणास्पद. हिमांशी की 'गलती' केवल इतनी थी कि उन्होंने 1 मई को करनाल (हरियाणा) में अपने दिवंगत पति के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में अपील की थी कि 'मैं किसी के प्रति कोई नफ़रत नहीं चाहता. यही हो रहा है. लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जा रहे हैं. हम ऐसा नहीं चाहते. हम शांति चाहते हैं और सिर्फ़ शांति. बेशक, हम न्याय चाहते हैं।

डॉ. विक्रम सिंह

पहलगाम में हुए घातक आतंकी हमले के बाद पूरा देश आतंकवाद के खिलाफ एकजुट दिखाई दिया. यह किसी भी देश के लिए एक सकारात्मक संकेत है कि वह एकता के साथ आतंक के खिलाफ लड़ने को तैयार है. लेकिन चिंता की बात यह है कि इसके साथ एक अजीब सा युद्ध उन्माद भी देखने को मिला। यह बात दो घटनाओं के उल्लेख से बेहतर समझी जा सकती है. 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर एक तस्वीर सबसे अधिक साझा की जा रही थी, वह थी इस आतंकी हमले में मारे गए नौसेना अधिकारी विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी की. लोग इस तस्वीर को अलग-अलग भावनाओं के साथ साझा कर रहे थे. अधिकतर लोगों ने अपनी सहानुभूति जताई और आतंकवाद से लड़ने की अपील की। लेकिन कुछ लोगों, जिनमें ज्यादातर भाजपा के समर्थक शामिल थे, ने इस तस्वीर का इस्तेमाल सांप्रदायिक टिप्पणियों के लिए किया. कुल मिलाकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि पूरा देश हिमांशी के साथ खड़ा है. लेकिन 1 मई को हालात अचानक बदल गए. जो हिमांशी कल तक सबकी प्रिय थीं, उनके खिलाफ ट्रोलिंग शुरू हो गई और सोशल मीडिया पर उनके प्रति घृणा का वातावरण बन गया. उनके खिलाफ लोग (ट्रोल) जहर उगलने लग गए. दिवंगत अधिकारी की पत्नी के प्रति सहानुभूति अचानक घृणास्पद. हिमांशी की 'गलती' केवल इतनी थी कि उन्होंने 1 मई को करनाल (हरियाणा) में अपने दिवंगत पति के जन्मदिन पर आयोजित रक्तदान शिविर में अपील की थी कि 'मैं किसी के प्रति कोई नफ़रत नहीं चाहता. यही हो रहा है. लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के ख़िलाफ़ जा रहे हैं. हम ऐसा नहीं चाहते. हम शांति चाहते हैं और सिर्फ़ शांति. बेशक, हम न्याय चाहते हैं. बेशक, जिन लोगों ने उसके साथ गलत किया है, उन्हें सज़ा मिलनी चाहिए.'इसी दौरान एक और चेहरा लगभग रोज़ टीवी पर दिखाई देता रहा, एक शांत, संतुलित और नपे-तुले शब्दों में देश को टकराव की स्थिति से अवगत कराता रहा. यह चेहरा था विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री का. वह बिना किसी उत्तेजना या आवेश के असल (सरकार के द्वारा तय की गई) स्थितियों को देश की जनता से साझा कर रहे थे. लेकिन जब उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य कार्रवाई को रोकने के लिए हुए समझौते की घोषणा मीडिया में की, तो देश का यह नायक भी नफरत फैलाने वाले युद्ध-उन्मादी ट्रोल्स का शिकार हो गए. मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विक्रम मिस्त्री को सोशल मीडिया पर 'देशद्रोही' तक करार दिया गया. इतना ही नहीं, उनकी बेटियों को भी इस ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा, उनकी निजी जानकारियाँ, यहां तक कि फोन नंबर तक सार्वजनिक कर दिए गए. यह कोई स्वतःस्फूर्त होने वाली प्रक्रिया नहीं है कि जिनको देश के हीरो के रूप में प्रचारित किया जा रहा था यकायक वह खलनायक हो गए और जनता विशेषतौर पर आभासीय दुनिया में रहने वाले लोगो के नफरत के शिकार होने लग गए. यह भाजपा और हिंदुत्ववादी ताकतों के पिछले दशन के शासन का नतीजा है.

नफरत की राजनीति ने जनता में नफरत और युद्धोन्माद का मनोविज्ञान पैदा किया है

इस नफरत की राजनीति ने जनता, विशेष तौर पर एक हिस्से में एक ऐसा मनोविज्ञान पैदा किया है जिसका परिणाम नफरत और युद्धोन्माद है. लेकिन इस तरह का वातावरण किसी के नियंत्रण में नहीं रहता है. यह एक खतरनाक स्थिति है. यही वर्तमान में हमारे देश में हो रहा है. भाजपा और आरएसएस ने पिछले कई दशकों से बड़े ही सुनियोजित ढंग से अपने पूरे प्रचार तंत्र के उपयोग करते हुए समाज को यह शक्ल देने की कोशिश की है.जब सत्ता हाथ में आ गई तो अपने राजनीतिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए राज्य के तंत्र का प्रयोग करते हुए नफरत, हिंसा और युद्धोन्माद पैदा किया गया. लेकिन नफरत की राजनीति करना और देश चलना दो अलग अलग क्षेत्र है. पहलगाम आतंकी घटना के बाद सैन्य टकराव के चार दिन के बाद जब देश की जनता के लिए बहुत जरुरी युद्धविराम की घोषणा विविन्न कारणों से सरकार को करनी पड़ी तो उन्मादी समूहों द्वारा इसकी भी तीखी आलोचना हुई और युद्ध के पक्ष में वाकायदा अभियान चलाया गया. सरकारी पक्ष और मीडिया ने जो वातावरण तैयार किया था उसका नतीजा यही था कि युद्धविराम को देश की कमजोरी करार दिया जाने लगा. फ़िज़ा में एक ऐसा एहसास था जहां मानों मानवता थी ही नहीं था तो केवल युद्धोन्माद. लोग अपने फोन और कंप्यूटर के सामने बैठे वीरता दिखा रहें थे लेकिन युद्ध पीड़ितों के लिए कोई संवेदनाएं नहीं थी. हालांकि, इस संकट की स्थिति में भी देश में धर्म के आधार पर नफरत फैलाई गई. वैसे तो भाजपा और आरएसएस के संगठनों ने सेना के नाम पर राजनीति का जैसे ठेका ले रखा है लेकिन अपने देश के बहादुर फौजी अफसरों को उनके धर्म के कारण भाजपा के एक मंत्री ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंवादियो की बहन तक कह दिया, जिसका संज्ञान अदालत को लेना पड़ा.इस घटना में भी भाजपा और सरकार बेशर्मी से आरोपी मंत्री को बचाने में लगी है. लेकिन यहां हम इस पहलू पर चर्चा नहीं कर रहें है. हम समझने की कोशिश कर रहे है कि देश में कैसा घातक युद्धोन्मादी फैला हुआ है और युद्धोन्मादी भीड़, ने इस सोच की जनक भाजपा को भी नहीं छोड़ा. स्थिति इतनी भयानक हो गई है कि आम जनता तो छोड़ दीजिये तथागथित प्रगतिशील भद्रजन भी युद्ध के खिलाफ सैद्धांतिक रुख नहीं ले रहे थे. हमारे देश में युद्ध के खिलाफ सैद्धांतिक आवाज उठाने की एक स्वस्थ परंपरा रही. देश का छात्र और युवा आंदोलन तो विशेष तौर पर युद्ध के मानवीय संकट को लेकर मुखर रहा है. लेकिन इस मर्तबा देश का युवा और छात्र तो युद्ध के लिए उन्मादी हो रहा था. ऐसा वातावरण बनाया गया कि युद्ध के साथ खड़ा होना ही देश प्रेम की कसौटी बन गया है. इसका बड़ा कारण हिंदुत्ववादी ताकतों द्वारा निर्मित वातावरण है तो साथ ही इन्ही ताकतों की हिंसा और नफरती अभियानों का डर भी निर्णायक भूमिका में है. यहां यह स्पष्ट करना महत्वपूर्ण है कि आतंकवाद के खिलाड़ लड़ाई बहुत महत्वपूर्ण है और हम इसके साथ खड़े है. आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता, वह किसी भी धर्म के हो सकते है. दहशतगर्द न तो इंसान होते है और न किसी देश के, वह सब देशो में हो सकते है. पहलगाम में किये गए हमले के आंतकवादी भी इसी श्रेणी में आते हैं. लेकिन चाहे वह किसी भी देश से आ रहे हो हम उनके खिलाफ है, उनके खिलाफ मज़बूती के खिलाफ लड़ाई लड़नी होगी. देश की जनता एक एकजुटता और देश की सुरक्षा इसमें देश की जनता एक एकजुटता बहुत महत्वपूर्ण है. पहलगाम और कश्मीर के स्थानीय लोगो ने भी अपनी तरफ से आंतकवाद के मक़सद को हरा दिया. उन्होंने अपनी इंसानियत से जिस तरह हमले के पीड़ितों की मदद की वह आंतकवाद को बड़ा झटका था, साथ ही सन्देश था सांप्रदायिक नफरती गैंग को कि हमला चाहे देश के किसी भी नागरिक पर हो, दर्द पूरे देश को होता है. आंतकवाद के खिलाफ लड़ाई का दूसरा पक्ष है देश की सुरक्षा का. इसमें देश की तमाम रक्षा, पुलिस और खुफ़िया एजेंसियों को समन्वय के साथ काम करना जरुरी है. इसमें खुफिया एजेंसियां की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है. एक छोटी सी चूक से भी बड़ी आतंकी घटनाएं हो सकती हैं. आतंक के खिलाफ जंग में राजनीतिक मंशा और वार्तालाप भी बहुत महत्वपूर्ण है.अब चर्चा तो यह भी होनी चाहिए थी कि पहलगाम हमले में हमारी खुफिया एजेंसियों की मुस्तैदी में तो कोई चूक नहीं हो गई, लेकिन वर्तमान समय में इस पर बात करना भी देशद्रोह की श्रेणी में आ जाता है.महत्वपूर्ण बात जिसे बार-बार दोहराने की जरुरत है वह है कि युद्ध रोकना बहुत ही जरुरी था, इसके लिए तमाम प्रयास किये जाने चाहिए थे लेकिन इसके लिए अमरीकी साम्राज्यवाद की मध्यस्थता कतई गवारा नहीं. हमारे देश की जनता जिसका साम्राज्यवाद के खिलाड़ संघर्ष की एक गौरवशाली इतिहास है, ने अमरीका की मध्यस्थ की इजाज़त नहीं दी थी. हमारे देश की जनता के अपने अनुभव है साम्राज्यवाद के शोषण और उसके खिलाफ कुर्बानियों के, इसलिए हमारे देश के राष्ट्रप्रेम का एक एक अभिन्न हिस्सा साम्राज्यवाद का विरोध रहा है. डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार नहीं कई बार इस बात का दावा किया लेकिन हमारे देश की सरकार द्वारा इसका पुरजोर खंडन न करना, कई चिंताएं पैदा करता है. यह एक राजनीतिक हार भी है क्योंकि अभी तक हमारे देश ने कश्मीर के मुद्दे पर अमरीका सहित किसी भी देश की मध्यस्ता स्वीकार नहीं की है. यहां यह भी उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि अमरीका पूरे विश्व में संप्रुभ देशो के खिलाफ अन्यायपूर्ण सैनिक कार्यवाहियों और युद्दों के लिए कुख्यात है. वर्तमान समय में इसराइली युद्ध में फिलिस्तीन की जनता के नरसंहार में अमरीका की सक्रिय और बराबर की जिम्मेवारी है. शासक वर्ग युद्ध का हमेशा अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करता हैहमारा मानना है कि हर युद्ध का एक वर्गीय चरित्र होता है और उसका प्रभाव समाज के विभिन्न वर्गों पर अलग-अलग पड़ता है. मूल बात यह है कि शासक वर्ग युद्ध का हमेशा अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करता है. इतिहास में यह एक स्थापित तथ्य है कि शासक वर्ग ने आर्थिक संकटों से उबरने के लिए अक्सर युद्ध का सहारा लिया है. हथियारों की बिक्री के माध्यम से उन्होंने भारी मुनाफा कमाया है.युद्ध, जो मानवता के लिए एक गंभीर संकट होता है, कॉर्पोरेट जगत के लिए एक अवसर बन जाता है. इस विषय पर कई उच्च गुणवत्ता वाले शोध उपलब्ध हैं. वर्तमान सैन्य टकराव में भी हमने देखा है कि किस प्रकार हथियार निर्माण से जुड़ी कॉर्पोरेट कंपनियों, जिनमें से अधिकांश पश्चिमी देशों की हैं, के शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है.हमारा मानना है कि शासक वर्ग मुनाफे के लिए युद्ध करवाता भी है लेकिन अगर जरुरत पड़े तो मुनाफे के लिए युद्ध रुकवा भी सकता है. यही कारण है कि एशिया के इस हिस्से में अमरीका युद्ध रुकवाने की घोषणा कर रहा है लेकिन फिलिस्तीन के खिलाफ इसराइल के अन्यायकारी युद्ध में फिलिस्तीन जनता की नस्ल को ख़त्म करने की भी घोषणा कर रहा है. दूसरी तरफ जनता को युद्ध में दर्द और तकलीफो के सिवाय कुछ नहीं मिलता. युद्ध में मरने वाले सैनिकों के परिवार समझ सकते है कि युद्ध की क्या कीमत होती है. युद्ध में विस्थापित होने वाले परिवारों के जीवन कई वर्षो तक पटरी पर वापिस नहीं लौटता. मेहनतकशों का रोजगार चिंता है वो अलग. इस सब के ऊपर जनता के मुद्दे वर्षो तक राजनैतिक चर्चा से गायब हो जाते है. मीडिया तो वैसे ही जनता के मुद्दों को बेमानी समझती है. *युद्धोन्माद को इस कदर बढ़ा दिया है कि प्रगतिशील तबका भी शांति की बात करने से डर रहा है।

('वायर' से साभार।)

संपादकीय

न्यायपालिका के साख पर सवाल

लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज में शुचिता और पारदर्शिता प्राथमिक शर्त है। मगर राजनीतिक नफे-नुकसान के गणित में सरकारों ने सबसे अधिक कमजोर इन्हीं संस्थाओं को किया है। शायद ही कोई संवैधानिक संस्था बची है, जो भ्रष्टाचार और कदाचार की जकड़बंदी से मुक्त हो। फिर भी जब इन संस्थाओं के भीतर से ही शुचिता लाने के संकल्प उभरते हैं, तो स्वाभाविक रूप से बेहतरी की उम्मीद बनती है। देश की न्यायपालिका में भी भ्रष्टाचार के आरोप लंबे समय से लगते रहे हैं। निचली अदालतों पर तो ऐसे आरोप आम रहे हैं, पर ऊपरी अदालतों में भी पिछले कुछ वर्षों से ऐसे मामले सामने आए हैं, जिससे न्यायपालिका की साख पर सवाल उठने लगे हैं। ऐसे में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई ने इस समस्या को साफगोई से स्वीकार किया और इसे दूर करने का संकल्प दोहराया है, तो सकारात्मक नतीजों का भरोसा बना है। ब्रिटेन के उच्चतम न्यायालय में आयोजित एक गोलमेज सम्मेलन में न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि न्यायपालिका में भ्रष्टाचार और कदाचार की घटनाओं से जनता का भरोसा टूटता है। दुख की बात है कि न्यायपालिका के भीतर भी भ्रष्टाचार और कदाचार के मामले सामने आए हैं। यह बात उन्होंने दिल्ली में न्यायाधीश यशवंत वर्मा के घर से बरामद जली नगदी नोटों के संदर्भ में कही। प्रधान न्यायाधीश ने भारतीय न्यायपालिका के भीतर जड़ें जमा रही या जमा चुकी उन सभी समस्याओं को बड़े साफ शब्दों में स्वीकार किया, जिन्हें लेकर अंगुलियां उठती रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में उच्चतम न्यायालय और कुछ उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों के राजनीतिक दबाव में या निजी स्वार्थ साधने के मकसद से फैसले सुनाने को लेकर काफी असंतोष जाहिर किया जाता रहा है। कुछ न्यायाधीशों ने सेवामुक्त होने के तुरंत बाद सरकारी पद स्वीकार कर लिया, तो कुछ चुनावी मैदान में उतर गए। इसे किसी भी रूप में नैतिक नहीं माना गया। हालांकि अब उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने संयुक्त रूप से संकल्प लिया है कि वे सेवानिवृत्ति के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करेंगे, न इस्तीफा देकर चुनाव लड़ेंगे। इससे यह उम्मीद तो बनी है कि शीर्ष न्यायालय के न्यायाधीश सत्ता के किसी दबाव में आकर कोई फैसला सुनाने से बच सकेंगे। राजनीतिक लोभ और दबाव से मुक्त हुए बिना न्यायपालिका सही अर्थों में अपने दायित्व का निर्वाह नहीं कर सकती। इसलिए प्रधान न्यायाधीश का इस दिशा में प्रयास सराहनीय है। लोकतंत्र में न्यायपालिका पर लोगों का भरोसा इसलिए भी बने रहना बहुत जरूरी है कि यही एक स्तंभ है, जिस पर संविधान की रक्षा का दायित्व और राजनीतिक तथा व्यवस्थागत कदाचार पर नकेल कसने का अकूत अधिकार है। यह भी अनुभव जगजाहिर है कि जब भी न्यायपालिका कमजोर दिखती है, तो सत्ता पक्ष की मनमानियां बढ़ती जाती हैं। इसीलिए न्यायाधीशों का व्यक्तिगत आचरण बहुत मायने रखता है। मगर पिछले कुछ वर्षों में इस तकाजे को जैसे भुला दिया गया है। कुछ न्यायाधीशों के सुर्खियां बटोरने के लोभ की वजह से न्यायिक सक्रियता का सवाल भी उठना शुरू हुआ था। कालेजियम प्रणाली और न्यायाधीशों की नियुक्ति में पक्षपात आदि के आरोप भी सुगबुगाते रहे हैं। इन सभी पहलुओं पर प्रधान न्यायाधीश ने बड़ी बेबाकी से बात की और उन्हें दुरुस्त करने का भरोसा दिलाया है। निस्संदेह इससे बहुत सारे लोगों की उम्मीदें बलवती होंगी। पर देखने की बात होगी कि ये संकल्प जमीन पर कितना उतर पाते हैं।

कैंसर पर जीत के बाद विश्व सुंदरी का खिताब

अरुण नैथानी

पिछले दिनों भारत में आयोजित मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारतीय प्रतिनिधि नंदिनी गुप्ता की दावेदारी भले ही शीर्ष बीस तक सिमट कर रह गई हो, लेकिन थाईलैंड की सुंदरी ओपल सुचाता ने विश्व सुंदरी का खिताब जीतकर खूब सुर्खियां बटोरीं। उल्लेखनीय है कि थाईलैंड में भारतीय संस्कृति का व्यापक प्रभाव रहा है, उनके नाम का उच्चारण भी कुछ-कुछ भारतीय-सा लगता, फलतः उनके नाम ने भी भारतीयों का ध्यान खींचा। जिसे भारतीय फिल्मों के प्रति उनकी दीवानगी ने और पुख्ता भी किया। मई महीने में भारतीय दुनियाभर से आई सुंदरियों की चहल-पहल लगातार सौंदर्य प्रतियोगिता से जुड़े विभिन्न सार्वजनिक कार्यक्रमों के जरिये महसूस करते रहे थे। तेलंगाना के हैदराबाद स्थित हाईटेक्स में संपन्न ग्रैंड फिनाले में आखिरकार ओपल सुचाता के सिर विश्व सुंदरी का ताज सजा। दरअसल, इस खिताब को जीतकर ओपल सुचाता ने थाईलैंड के 72 साल से मिस वर्ल्ड के ताज के इंतजार को खत्म किया। सुचाता एक साधारण पृष्ठभूमि से आती हैं और विश्व स्तरीय सौंदर्य स्पर्धा के शिखर तक पहुंचती हैं। हालांकि, यह हकीकत है कि सौंदर्य प्रतियोगिता के मानक व उद्देश्य सौंदर्य प्रसाधन बाजार को विस्तार देने का ही एक उपक्रम है। बहुत संभव है हमारे आसपास व दूरदराज के इलाकों में जो वास्तविक विश्व स्तरीय सौंदर्य हो, वो इस प्रतियोगिता के कायदे-कानूनों द्वारा नकार दिया जाएगा। बहरहाल, बहते वक्त की धारा में आज ओपल सुचाता विश्व सुंदरी हैं। उनकी कामयाबी इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती है क्योंकि वे एक कैंसर सर्वाइवर हैं। साथ ही लगातार महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूक कर रही हैं। मिस वर्ल्ड के 72वें संस्करण में मिस वर्ल्ड चुनी गई ओपल सुचाता चुआंगश्री ने खिताब हासिल करने के बाद कहा कि उनका ताज सिर्फ थाईलैंड का ही प्रतिनिधित्व नहीं करता बल्कि वह उन करोड़ों महिलाओं की आवाज भी है, जिन्हें अनसुना किया गया। वे उनके हक के लिये खड़ी होंगी। दरअसल, ओपल ने अट्ठारह वर्ष की उम्र से सौंदर्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया। उनका मानना था कि उनका सौंदर्य स्पर्धाओं में भाग लेना नेम-फेम कमाना ही नहीं था, बल्कि इस उपलब्धि को उद्देश्यपूर्ण बनाना ही मुख्य लक्ष्य था। अंतर्राष्ट्रीय मंच पर थाईलैंड की संस्कृति को भी सम्मान दिलाना एक मकसद था। उल्लेखनीय है कि ओपल वर्ष 2024 में मिस यूनिवर्स स्पर्धा में थाईलैंड का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। तब वह तीसरे स्थान पर आई थीं। मिस वर्ल्ड स्पर्धा के लिये उन्होंने वह खिताब छोड़ दिया। उनका मानना है कि इस खिताब को हासिल करने का उनका मुख्य मकसद यह है कि वे सामाजिक बदलाव की वाहक बन सकें। ओपल का मानना है कि यह खिताब सिर्फ सौंदर्य मानकों पर खरा उतरना मात्र नहीं है। ओपल मानती हैं कि यह लोगों के लिये सुंदर काम करने के लिये दिया गया खिताब है। वे उस भारतीय दर्शन की हामी हैं कि दैहिक सौंदर्य अल्पकालिक होता है, लेकिन सुंदर उद्देश्य सार्वकालिक होता है। उनका एक सपना यह भी है कि वे एक दिन राजदूत बनें। दरअसल, 21 वर्षीय ओपल वर्षों से ब्रेस्ट कैंसर से जुड़ी महिलाओं के लिये काम कर रही हैं। वैसे तो हर विश्व सुंदरी अपनी जीत के बाद समाज सेवा और करुणा के प्रति प्रतिबद्धता जताने में पीछे नहीं रहती, लेकिन कैंसर ओपल का भोगा यथार्थ है। वे उस त्रासदी से गुजरी हैं और कैंसर पीड़ितों के दर्द को करीब से महसूस करती हैं। यही वजह है कि उन्होंने ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता का प्रसार करने वाले कई सामाजिक संगठनों के साथ सक्रिय भागेदारी की है। उनका मानना है कि वे नई जिम्मेदारियों के बावजूद ब्रेस्ट कैंसर पीड़ितों के लिए काम करती रहेंगी। उनका कहना है कि महिलाओं को रूटीन चेकअप करते रहना चाहिए। उन्हें डॉक्टर के पास जाने में संकोच नहीं करना चाहिए। यदि इस महामारी का समय रहते पता चल जाए तो इससे बचाव संभव हो सकता है। उनका कहना है कि मैं इस मुद्दे पर लगातार महिलाओं से बात करती रहना चाहूंगी। ओपल बौद्धिक रूप से समृद्ध हैं और अंतर्राष्ट्रीय संबंध, मनोविज्ञान व मानव से जुड़े विज्ञान में उनकी गहरी रुचि भी है। इतना ही नहीं वे जीव-जंतुओं के प्रति गहरी संवेदना रखती हैं। उनका पशु प्रेम इस बात से झलकता है कि उनके घर में दर्जन से अधिक बिल्लियां व करीब आधा दर्जन कुत्ते पलते हैं। बहरहाल, विश्व सुंदरी के खिताब से मिली प्रतिष्ठा के साथ ओपल आर्थिक रूप से भी आत्मनिर्भर व समृद्ध हुई हैं। उनकी तमाम योजनाएं अब सिरे चढ़ने वाली हैं क्योकि इस खिताब के साथ-साथ उनके खाते में एक मिलियन डॉलर भी आए हैं। वहीं दूसरी ओर ओपल भारतीय संस्कृति व फिल्मों के प्रति भी खासा लगाव रखती हैं। पिछले दिनों खिताब जीतने के बाद एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि बॉलीवुड की फिल्में उन्हें आकर्षित करती हैं। उन्होंने गंगुबाई फिल्म देखी। यदि मुझे बॉलीवुड में काम करने का मौका मिला तो मैं आलिया भट्ट के साथ काम करना पसंद करूंगी।

गणित के राजकुमार फ्रेडरिक गॉस

विजय गर्ग

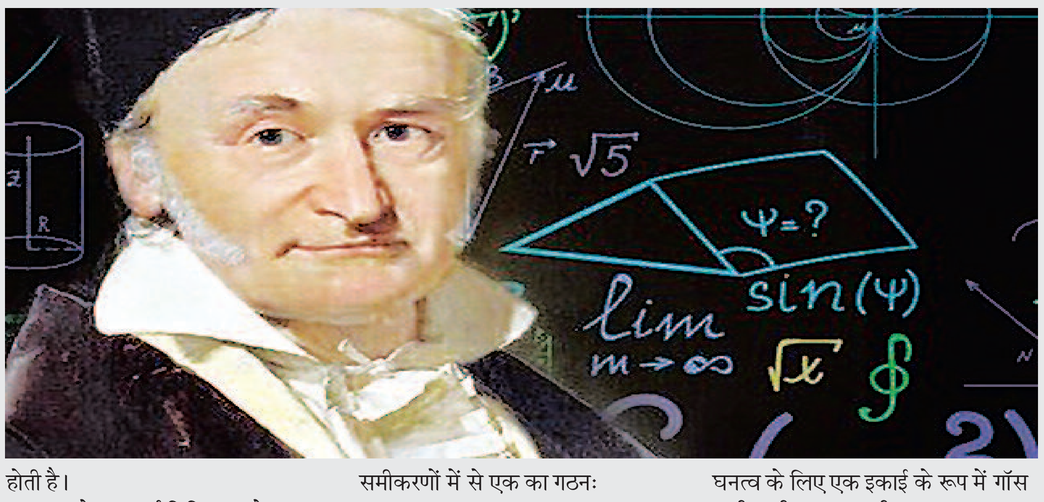

कार्ल फ्रेडरिक गॉस (1777-1855), जिन्हें अक्सर गणित का राजकुमार कहा जाता है, ने गणित और विज्ञान दोनों में स्मारकीय योगदान दिया। यहां उनके कुछ प्रमुख योगदान दिए गए हैं:

गणित में योगदान:

1.। संख्या सिद्धांत:संख्या सिद्धांत में एक मूलभूत पाठ अरिथमेटिके (1801) को लिखा ।द्विघात पुनर्जीवन के नियम को साबित किया, मॉड्यूलर अंकगणित में एक गहरा परिणाम ।दिखाया गया है कि कम्पास और स्ट्रेटेज के साथ एक नियमित 17-गॉन का निर्माण किया जाता है - एक अप्रत्याशित परिणाम जो ज्यामिति और संख्या सिद्धांत को जोड़ता है।

2.। गॉसियन इंटेगर::-संख्या सिद्धांत में रूप में जटिल संख्याओं का परिचय दिया, जिससे गॉसियन पूर्णांक की अंगूठी को परिभाषित करने में मदद मिली।

3। गौसियन वितरण:-सामान्य वितरण को विकसित किया, जिसे अक्सर गॉसियन वितरण कहा जाता है, संभावना और आंकड़ों में मौलिक।

4। बीजगणित का मौलिक सिद्धांत:पहला कठोर प्रमाण दिया कि प्रत्येक गैर-निरंतर बहुपद में कम से कम एक जटिल जड़ होती है।

5.। कम से कम वर्ग विधि:कम से कम वर्गों की विधि का आविष्कार किया, व्यापक रूप से सांख्यिकी और डेटा फिटिंग में उपयोग किया जाता है, इससे पहले कि लेजेंड्रे ने इसे प्रकाशित किया।

विज्ञान में योगदान: :-1.। गॉस का नियम (इलेक्ट्रोस्टैटिक्स):-मैक्सवेल के समीकरणों में से एक का गठन:

$\nabla \cdot \mathbf{E}= \frac{\rho}{\varepsilon_0}$

2.। चुंबकत्व और गॉस की इकाई::चुंबकीय क्षेत्रों को मापने के लिए विकसित उपकरण और चुंबकीय प्रवाह घनत्व के लिए एक इकाई के रूप में गॉस (जी) की शुरुआत की।

3। जियोडेसी और खगोल विज्ञान: :- सर्वेक्षण और खगोलीय यांत्रिकी में ढङ्गल्लीशी तरीके ।शंकुधारी वर्गों और कम से कम वर्गों के आधार पर एक विधि का उपयोग करके क्षुद्रग्रह सेरेस की स्थिति की भविष्यवाणी की ।4। गौसियन सतह और फ्लक्स: :इलेक्ट्रोमैग्नेटिज़्म और द्रव की गतिशीलता के लिए वेक्टर कैलकुलस केंद्रीय में अवधारणाओं का परिचय दिया ।गॉस को गणित का राजकुमार क्यों कहा जाता है? बचपन से प्रतिभा: 7 साल की उम्र में, उन्होंने सूत्र का उपयोग करके जल्दी से 100 के माध्यम से संख्या 1 को अभिव्यक्त किया ।ब्रॉड स्कोप: अपने समय में ज्ञात गणित के लगभग हर प्रमुख क्षेत्र में महारत हासिल और योगदान दिया ।लालित्य और कठोरता: कठोर सबूतों और गणितीय लालित्य पर जोर देने के लिए जाना जाता है ।स्थायी प्रभाव: उनके विचार आधुनिक गणित, भौतिकी और इंजीनियरिंग को आकार देना जारी रखते हैं। गॉस ने केवल समस्याओं को हल नहीं किया - उन्होंने आधुनिक विज्ञान की पूरी शाखाओं के लिए आधारशिला रखी। उनकी विरासत उन्हें दिए गए शाही खिताब को सही ठहराती है।

(विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्राचार्य शैक्षिक स्तंभकार प्रख्यात शिक्षाविद् स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब)

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा के निधन पर जताया शोक

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंजाब के संगरूर में पूर्व केंद्रीय मंत्री सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और परिवारजनों का ढांढस बंधाया। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा का एक लंबा राजनीतिक सफर रहा है। वे विधायक भी रहे, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य भी रहे तथा पंजाब में भी उन्होंने मंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व? भी निभाया। वे बड़े कद्दावर नेता थे। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा है।

कुदरत का करिश्मा: सिरसा में रज्जो बाई ने दो बेटे व दो बेटियों को दिया जन्म, सिविल अस्पताल में हुई डिलीवरी

सिरसा। जुड़वा और तीन बच्चों के जन्म के किस्से निरंतर सुनने को मिलते है। चार स्वस्थ बच्चों को जन्म बहुत कम होता है। सालों में कभी ऐसा मौका आता है , जब कोई महिला चार बच्चों को जन्म देती है। सिरसा में भी गांव टीटू खेड़ा की रज्जोबाई ने चार बच्चों को जन्म दिया है। दो बेटी और दो बेटियों का जन्म हुआ है और चारों स्वस्थ है। बच्चों के लालन पालन में ससुसाल पक्ष के साथ साथ ननिहाल पक्ष भी बच्चों की देखरेख कर रहा है। रज्जो के मायके से लेकर पूरे ससुराल में चार बच्चों के जन्म की चर्चा है। बच्चों के पिता टीटू खेड़ा निवासी सोनू का खुशी का ठिकाना नहीं है। उसे यकीन नहीं हो रहा है कि चारों बच्चों का सुरक्षित जन्म हो गया है। बच्चों को देखने के लिए गांव के लोगों को तांता लगा हुआ है। परिवार के सभी लोग दिन व रात बच्चों को संभालने में लगे हुए है। सोनू की सास भी बच्चों की देखभाल में उनकी मदद कर रही है। नागरिक अस्पताल के चिकित्सकों के लिए यह केस चुनौती से कम नहीं था। चिकित्सकों ने पहली बार चार बच्चों की एक साथ डिलिवरी की थी। हर किसी के बीच सैकेंडों का फर्क है। पहली बार की गई डिलिवरी में सभी बच्चों का सुरक्षित और स्वस्थ होना नागरिक अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की गुणवत्ता और चिकित्सकों के अनुभव को दर्शाता है।

अब शुरू होगी भीषण गर्मी, 45 डिग्री से ऊपर जाएगा पारा

चंडीगढ़। आने वाले दिनों में लोगों को अब भीषण गर्मी का सामना करना पड़ सकता है। अगले आठ से नौ दिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। लू चलने की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने इस संबंध में यलो अलर्ट भी जारी किया है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले तीन दिन तापमान में तीन से चार डिग्री की बढ़ोतरी हो सकती है। नौ से 11 जून के बीच दक्षिण हरियाणा व दक्षिणी पश्चिमी हरियाणा में तापमान 45 डिग्री से ऊपर दर्ज किया जाएगा। इस समयावधि के दौरान लू चलने की पूरी संभावना है। पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश गर्मी से राहत मिली हुई थी। बारिश की वजह से जून के पहले पांच दिन राज्य के लगभग सभी शहरों का तापमान 35 डिग्री तक दर्ज किया जा रहा था। तापमान बढ़ना शुरू हुआ है। अगले कुछ दिन फिलहाल शुष्क रहेंगे। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि नौ से 11 जून तक लू चलने के आसार हैं। इसके चपेट में पूरा राज्य होगा। सबसे गर्म शहर सिरसा रहा। सिरसा में दिन व रात का सभी जिलों के मुकाबले सबसे ज्यादा दर्ज किया गया। सिरसा में अधिकतम तापमान 44 डिग्री रहा, वहीं न्यूनतम तापमान 28.4 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। दिन में औसत अधिकतम तापमान सामान्य से 1.9 डिग्री रहा, जबकि औसत न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री दर्ज किया गया। अंबाला में दिन का तापमान 40.3, हिसार में 41.8, रोहतक में 42.9, भिवानी में 40.9, फरीदाबाद में 39.5, जींद में 39.6, करनाल में 37.3, नूंह में 41.1, पंचकूला में 37.2 डिग्री दर्ज किया गया है। चंडीगढ़ मौसम विभाग के निदेशक सुरेंद्र पाल ने बताया, अगले कुछ दिन तापमान ऊपर चढ़ेगा। फिलहाल अगले चार से पांच दिन कोई राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मानसून पहुंचने में अभी कम से कम 15 से 18 दिन लगेंगे।

हाईवे पर ट्रैक्टर ट्रॉली ने मारी कार को टक्कर: पांच लोग हुए घायल

यमुनानगर । जगाधरी-पांवटा साहिब नेशनल हाईवे पर छछरौली के पास सोम नदी पुल पर एक अज्ञात ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कार को टक्कर मार दी। हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार एक परिवार के पांच लोग घायल हो गए। ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के कारण हाईवे पर करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। जानकारी के मुताबिक यमुनानगर निवासी दिनेश कौशिक अपने परिवार के साथ पांवटा साहिब से लौट रहा था और एक ट्रैक्टर ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। कार चालक दिनेश क्षतिग्रस्त कार में बुरी तरह फंस गया। राहगीरों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद रस्सी और ट्रैक्टर की मदद से उन्हें बाहर निकाला। घायल महिला, बच्चों और चालक को राहगीरों और डायल 112 की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। छछरौली थाना प्रभारी जगदीश चंद्र ने बताया कि डायल 112 के माध्यम से हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस और डायल 112 की टीमें मौके पर पहुंचीं और घायलों को अस्पताल भेजा।

झूठ की बुनियाद पर बनी पंजाब सरकार का अब नहीं कोई जनाधार : मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पंजाब में जो सरकार चल रही है, वह झूठ की बुनियाद पर बनी थी। इस सरकार ने न तो जनता के कल्याण के लिए कोई सार्थक कार्य किया और न ही उनके पास काम करने की इच्छाशक्ति है। अब पंजाब की जनता इस सच्चाई को समझ चुकी है।मुख्यमंत्री ने आज पंजाब के संगरूर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने चुनाव के समय जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में पूरी तरह विफल रही है। दिल्ली के अंदर उनका पर्दाफाश हो गया है, क्योंकि झूठ लंबे समय तक नहीं चलता। पंजाब में भी अब इनका कोई जनाधार नहीं रहा है और पंजाब में होने वाले उपचुनाव में लोग सही दिशा में फैसला करेंगे। नायब सिंह सैनी ने कहा कि बीते 11 वर्षों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हरियाणा में जनहित की योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। सरकार की नीतियों और कार्यशैली पर जनता

का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार का लोगों की सुविधाओं की जगह अपनी सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित रहा है। पंजाब की जनता समझदार है। उन्होंने लुधियाना उपचुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के लोगों ने मन बना लिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब भी गति से आगे बढ़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार तो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं कर रही, जिससे वहां की जनता इन योजनाओं के लाभ से वंचित रह रही है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कर रही है। उसी प्रकार, पंजाब सरकार भी अपने किसानों की चिंता करे और उनकी फसल का उचित मूल्य दे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं से फसल नुकसान होने की स्थिति में हरियाणा सरकार ने बीते 10 वर्षों में 15,500 करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा किसानों को प्रदान किया है। इसके अलावा सब्ज़ी उगाने वाले किसानों को भावांतर भरपाई योजना के अंतर्गत राहत दी जा रही है। आयुष्मान भारत योजना का लाभ भी हरियाणा के लोगों को मिल रहा है, जबकि पंजाब के लोग इससे वंचित हैं।उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार केवल वादों की राजनीति छोड़कर जमीनी स्तर पर काम करे और अपने लोगों को केंद्र की योजनाओं का वास्तविक लाभ देने का कार्य शुरू करे।

चेयरपसर्न सरोज राठी ने हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों का वेतन दिलाने को लेकर डीएमसी को लिखा पत्र

एजेंसी

बहादुरगढ़। नगर परिषद में ठेके पर कार्य कर रहे सफाई कर्मचारियों के हड़ताल पर जाने से शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। हड़ताल की वजह से जगह जगह कूड़े केढेर लग गए है। हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों का वेतन दिलाने को लेकर नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीएमसी को पत्र लिखकर पेमेंट अप्रूवल कमेटी की मीटिंग बुलाने की मांग की ताकि संबंधित फर्म के सफाई कार्य के बिल का भुगतान किया जा सके और हड़ताल पर बैठे सफाई कर्मचारियों को वेतन मिल सके। चेयरपर्सन सरोज राठी ने डीएमसी को लिखे पत्र में बताया कि नगर परिषद बहादुरगढ़ की ठेके पर डोर-टू-डोर कार्यरत सफाई कर्मचारी एवं स्वीपींग के लिए कार्यरत फर्म के कर्मचारी दिनांक 3 जून से हडताल पर बैठे हुए है जिनकी मुख्य माग उनका 3 माह का बकाया वेतन है। जिस बारे फर्म द्वारा बताया गया है कि उनके बिल परिषद स्तर पर भुगतान के लिए लंबित है। इस मामले में नगर परिषद बहादुरगढ़ कार्यालय के पत्र क्रमाक 2422 दिनांक 6.5.2025 व पत्र क्रमांक 2842 दिनांक 4. 6.2025 के दौरान आप महोदय को हरियाणा सरकार के शहरी स्थानीय निकाय विभाग के पत्र क्रमांक 4/30/2023-2 सी आई दिनांक 10.07.2024 की अनुपालना के तहत 50 लाख से ऊपर के कार्य के लिए आप महोदय को पेमेंट कमेटी के बतौर अध्यक्ष मीटिंग के लिए अनुरोध किया गया था परन्तु इस बारे आप महोदय द्वारा कोई भी मीटिंग नही बुलाई गई। वर्तमान में कर्मचारियों की हड़ताल से बहादुरगढ़ शहर की सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। शहर में कूड़ा उठान ना होने से शहर में कूड़े के ढेर लग गये है जिससे किसी भी प्रकार की महामारी फैलने का अंदेशा है।

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में अब विशेषज्ञ डॉक्टर ऑन-कॉल रहेंगे उपलब्धः आरती राव

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक और क्रांतिकारी कदम उठाया है। अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में %ऑन-कॉल% प्रणाली के तहत विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे, ताकि गंभीर रोगियों को समय पर उपचार मिल सके। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि अब सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के लिए पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत नो-नोड फार्मूला लागू किया जा रहा

है। इस पहल से ग्रामीण एवं दूरदराज के क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विशेषज्ञ डॉक्टर अस्पतालों में ऑन-कॉल मरीजों को देखेंगे। एनेस्थीसिया, सर्जरी एवं रेडियोलॉजी, स्त्री रोग एवं बाल रोग जैसी सेवाओं के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह सेवा शुरुआती चरण में पांच जिलों हिसार, जींद, मेवात, सोनीपत और कैथल में उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह एक पायलट प्रोजेक्ट है, जिसे बाद में पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा। इस योजना से न केवल मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि जिला स्तर पर रेफरल सिस्टम की जरूरत भी कम होगी। प्रदेश सरकार का उद्देश्य हर नागरिक को समय पर, गुणवत्तापूर्ण और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। यह नई पहल उस दिशा में एक मजबूत और सकारात्मक प्रयास है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि यह पहल प्रौद्योगिकी, विकेंद्रीकरण और नवाचार के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के सरकार के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह केवल एक नीतिगत बदलाव ही नहीं बल्कि यह लोगों पर केंद्रित सुधार है, जिसका उद्देश्य जीवन बचाना और स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करना है।

गुरुग्राम नगर निगम ने 17 एक्सपर्ट की सेवाएं की समाप्त

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम ने अपने विभिन्न विभागों में कार्यरत 17 एक्सपर्ट की सेवाएं समाप्त कर दी हैं। इस निर्णय से निगम पर हर वर्ष पडऩे वाला लगभग 1.2 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ कम हो गया है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया ने इन एक्सपर्ट की सेवाएं खत्म करने का निर्णय लेते हुए इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। इन एक्सपर्ट्स को नगर निगम की विभिन्न शाखाओं में अस्थायी आधार पर नियुक्त किया गया था, लेकिन अब निगमायुक्त ने इनके सेवा विस्तार को मंजूरी नहीं दी। निगम सूत्रों के अनुसार, यह कदम बजट नियंत्रण और संसाधनों के प्रभावी प्रबंधन के तहत उठाया गया है। प्रदीप दहिया ने कहा कि नगर निगम को अधिक कार्यकुशल और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए यह निर्णय जरूरी था।

हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष ने करोड़ों की पांच परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शिलान्यास

एजेंसी

घरौंडा। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने घरौंडा हल्के के लिए 2 करोड़ 18 लाख रुपए की 5 विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें एक करोड़ 62 लाख से अधिक की चार परियोजनाओं का शिलान्यास और 56 लाख की एक परियोजना का उद्घाटन शामिल है। इस मौके पर संबोधित करते हुए श्री कल्याण ने कहा कि भविष्य में भी हलके में विकास की रफ्तार यूं ही जारी रहेगी। उन्होंने चौरा गांव के रामलीला ग्राउंड में हॉल बनवाने की घोषणा भी की, साथ ही आश्वासन दिया कि इस गांव में जमीन उपलब्ध कराए जाने पर पुस्तकालय भी बनवाया जाएगा। विधानसभा अध्यक्ष ने गांव चौरा में 18 लाख रुपये की लागत से बनने वाले तोमर चौपाल के हॉल और 10 लाख रुपये से बनने वाले महिलाओं के लिए मीटिंग हॉल का शिलान्यास किया। उन्होंने कैमला रोड से गढ़ी मुल्तान कॉलोनी तक की सड़क के निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया। इस सड़क की लंबाई 850 मीटर है और इसके निर्माण पर 93 लाख रुपये खर्च होंगे। श्री कल्याण ने आज अलीपुर खालसा

बरसत पुंडरी सड़क से गांव पुंडर तक मंडी बोर्ड द्वारा बनवाई गई 700 मीटर लंबी सड़क का उद्घाटन किया। इस पर 56 लाख रुपये की लागत आई है। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का इन गांवों में पगड़ी पहनाकर, पुष्प गुच्छ व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया गया। चौरा गांव में उन्होंने पंचायत से बड़े आकार का हॉल बनवाने के लिए कहा। बोले-जरूरत पड़ी तो भविष्य में हॉल के ऊपर एक मंजिल और बनवा दी जाएगी।

उन्होंने कहा कि हलके के जो गांव अभी तक महिला चौपाल/ महिला मीटिंग हॉल से वंचित हैं, उनमें अगले दो-अढ़ाई साल में इनका निर्माण करा दिया जाएगा। श्री कल्याण ने कहा कि चौरा गांव कई गांवों के केंद्र में है। यहां स्कूल के लिए नया भवन मंजूर हो चुका है। टंकी के पास एक और स्कूल भी बनाया जाएगा। इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, डीईओ सुदेश ठुकराल, एसडीओ जयभगवान, वीरेंद्र सिंह, जेई निशांत राणा, बीईओ रवींद्र कुमार, प्रिंसिपल अनीता, चौरा के सरपंच प्रमोद कुमार, घरौंडा नगरपालिका चेयरमैन हैप्पी लक गुप्ता, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, भाजपा जिला सचिव मंजू खैंची, अधिवक्ता परिषद के जिला अध्यक्ष नरेश, मंडल प्रभारी जगदीश राणा, महामंत्री राजेश जोगी, संदीप, विजय राणा, धीरज खरकाली आदि मौजूद रहे।

रेल यात्रियों को सुविधाओं के लिए रेल अधिकारियों ने दैनिक रेल यात्री संघ की मांगों को किया स्वीकार

एजेंसी

गुरुग्राम। दैनिक रेल यात्री संघ पटौदी रोड के अध्यक्ष योगिन्द्र चौहान और वरिष्ठ सलाहकार सोमबीर मुद्गल ने सीनियर डीओएम विकास वत्स, सीनियर डीसीएम निशांत नारायण और एडीआरएम राजेश कुमार से रेल यात्रियों की समस्याओं को लेकर मुलाकात की। अधिकारियों से मिलकर रेल यात्रा से संबंधित अनुमति भी ली। योगिन्द्र चौहान के मुताबिक दैनिक रेल यात्री संघ की मांग पर कॉमर्शियल मैनेजर निशांत नारायण ने गाड़ी संख्या 14087/14088 के पटौदी रोड रेलवे स्टेशन पर ठहराव की अप्रूवल दी। कॉमर्शियल मैनेजर से अप्रूवल के बाद इस गाड़ी की फाइल ऑपरेटिंग मैनेजर के पास जाएगी। वहां से भी बहुत ज्यादा उम्मीद है कि इस गाड़ी की फाइल को अप्रूवल मिल जाएगी। फिर गाड़ी के ठहराव का नोटिफिकेशन जारी होगी। दूसरी मांग गाड़ी संख्या 54310 पैसेंजर जो रेवाड़ी से सुबह 10:45 पर दिल्ली के लिए चलती है। इसमें मात्र 10 कोच है। रेवाड़ी से सुबह 7 बजे के बाद लगभग 4 घंटे के अन्तराल के बाद गाड़ी संख्या 54310 दिल्ली के लिए चलती है, लेकिन इस गाड़ी में कम कोच होने के कारण पैसेंजर यात्रियों को प्रतिदिन परेशानी का सामना करना पड़ता है। सीनियर डीओएम विकास वत्स ने इस गाड़ी में ज्यादा कोच लगाने पर सहमति जताते हुए निर्देश जारी किए। इसी तरह गाड़ी संख्या 54414 पैसेंजर जो रेवाड़ी से 07:05 पर चलती है। यह गाड़ी प्रतिदिन दिल्ली लेट पहुंचती है। क्योंकि इस गाड़ी को प्रतिदिन हरियाणा एक्सप्रेस, आश्रम सुपरफास्ट, रूणिचा एक्सप्रेस द्वारा ओवरटेक कर लेट कर दिया जाता है।

रानियां क्षेत्र में घग्घर से निकलने वाली नहरों में लगाई पाइप लाइन को लेकर कुमारी सैलजा ने सीएम को लिखा पत्र

एजेंसी

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को एक पत्र लिखकर सिरसा संसदीय क्षेत्र के रानियां क्षेत्र में घग्गर नदी से निकलने वाली नहरों की पाइपलाइन हटाने से उत्पन्न हो रही गंभीर समस्याओं पर तत्काल ध्यान देने की मांग की है। सांसद ने कहा है कि पाइप हटाने के निर्णय पर पुनर्विचार करते हुए किसानों के लिए उचित व्यवस्था और मानसून से पहले आवश्यक तटबंधों की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू करवाया जाए।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को लिखे पत्र में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सिरसा जिला खासकर रानियां क्षेत्र में जल विवाद छिड़ गया है, क्योंकि प्रशासन घग्गर नदी के वर्षा जल को वितरित करने के लिए बनाए गए मौसमी खरीफ चैनलों में अवैध पाइपलाइनों और जल कनेक्शनों के खिलाफ अपनी कार्रवाई जारी रखे हुए है। सहदेवा, मम्मार और रत्ताखेड़ा इन चैनलों का निर्माण किसानों, खासकर अंतिम छोर के गांवों के किसानों को सिंचाई प्रदान करने के लिए किया गया था। हालांकि, पिछले दो हफ्तों से

अधिकारी अनधिकृत पाइपलाइनों, मोटरों और सौर कनेक्शनों को हटा रहे हैं, उनका दावा है कि वे चैनलों के अंत तक पानी पहुंचने से रोक रहे हैं। यह समस्या तब शुरू हुई जब टेल-एंड गांवों के किसानों ने शिकायत की कि उन्हें ऊपरी इलाकों के गांवों में किसानों द्वारा अवैध रूप से बनाए गए ढांचों के कारण बारिश का पानी नहीं मिल रहा है। जवाब में, सिंचाई विभाग ने अर्थमूविंग मशीनों का उपयोग करके पाइपलाइनों को हटाना शुरू कर दिया। इससे विवाद के हालात पैदा हो गए।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि मानसून निकट होने के बावजूद तटबंधों की मरम्मत का कार्य अब तक शुरू नहीं किया गया है, जिससे बाढ़ की स्थिति में किसानों की फसलें और संपत्ति को भारी नुकसान हो सकता है। कुमारी सैलजा ने सीएम से मांग की है कि पाइप हटाने के निर्णय पर पुनर्विचार किया जाए और किसानों के लिए उचित व्यवस्था की जाए, मानसून से पूर्व आवश्यक तटबंधों की मरम्मत का कार्य तुरंत शुरू करवाया जाए, किसानों को किसी भी प्रकार की क्षति से बचाने के लिए प्रशासनिक स्तर पर ठोस कदम उठाए जाएं। सांसद कुमारी सैलजा ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री इस संवेदनशील विषय पर शीघ्र उचित कदम उठाएंगे ताकि किसानों का शासन पर विश्वास बना रहे।

युवाओं को जोड़कर मजबूत संगठन तैयार करेगी जेजेपी : दिग्विजय चौटाला

एजेंसी

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी के युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय चौटाला ने कहा है कि जेजेपी संगठन में युवाओं की अहम भूमिका होगी और युवाओं का एक मजबूत संगठन युवा जेजेपी तैयार करेगी। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि वे प्रदेशभर में युवाओं को एकजुट करेंगे और सभी 22 जिलों में जाकर मेहनती युवाओं को जेजेपी के साथ जोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि 15 जून से चलने वाले जेजेपी सदस्यता अभियान में नए युवाओं को जेजेपी की नीतियों से अवगत करवाया जाएगा और उन्हें जेजेपी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण करवाने के लिए वे विशेष अभियान चलाएंगे। दिग्विजय चौटाला ने यह भी ऐलान किया कि सदस्यता अभियान के बाद युवा जेजेपी एक बड़ी रैली करके अपने संगठन की ताकत दिखाएगी। उन्होंने कहा कि आज भाजपा सरकार युवाओं के रोजगार को लेकर बिल्कुल भी गंभीर नहीं है और जेजेपी पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला द्वारा बनवाए गए 75 प्रतिशत रोजगार कानून को लागू करवाकर ही दम लेगी।दिग्विजय चौटाला ने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी के कारण आज बेरोजगारी, खराब शिक्षा व्यवस्था, पेपर लीक, भर्तियों में खामियों के कारण प्रदेश के युवा परेशान है। उन्होंने कहा कि सरकार युवाओं के सुरक्षित रोजगार की दिशा में गंभीर नहीं है, इसलिए आज नया रोजगार देना तो दूर की बात बल्कि रोजगार युवाओं की ही नौकरियां खतरे में है। दिग्विजय चौटाला ने कहा कि हाईकोर्ट द्वारा सामाजिक व आर्थिक आधार पर मिलने वाले बोनस अंक को रद्द करने से हरियाणा की करीब 25 हजार भर्तियों पर तलवार लटक गई है। उन्होंने कहा कि सीईटी आवेदन में फर्जीवाड़ा, खराब सरकारी पोर्टल व्यवस्था से युवाओं के साथ धोखा किया जा रहा है।जेजेपी युवा प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला ने कहा कि कि भाजपा का हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन लगे कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने का वादा भी झूठा निकला क्योंकि आज एचकेआरएन कर्मचारियों के रोजगार के साथ छेड़छाड़ किया जा रहा और उन्हें नोटिस देकर हटाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों-श्रमिकों को दिया सम्मान, गरीबों और श्रमिकों की ताकत से ही बनेगा विकसित भारत : मुख्यमंत्री सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस देश की असली ताकत हमारे गरीब, श्रमिक और वंचित वर्ग के लोग हैं। यही लोग अपने पसीने और मेहनत से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में इन मेहनतकश वर्गों को जो सम्मान और अधिकार दिए हैं, वह कांग्रेस कभी नहीं दे पाई। कांग्रेस ने हमेशा अपने परिवार के हितों को प्राथमिकता दी और आम जनता, समाज और देश की चिंता नहीं की। कांग्रेस ने दशकों तक सत्ता में रहते हुए आम जनता की अपेक्षाओं की अनदेखी की और अब जनता ने उन्हें शून्य पर लाकर खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री संत कबीर कुटीर पर प्रदेशभर से आए डीएससी समाज के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर डीएससी समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया और डीएससी समाज के आरक्षण में वर्गीकरण को लागू करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को 11 जून को सिरसा में मनाई जाने वाली संत कबीर जयंती के लिए भी निमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री ने समाज के लोगों को योद्धा बताते हुए कहा कि समाज ने जो यह सम्मान की पगड़ी मेरे सिर पर रखी है, यह सम्मान समाज का है और मैं इस सम्मान को कभी कम नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि आज डीएससी को उसका अधिकार और सम्मान मिल रहा है। हाल ही में जो लगभग 3,500 भर्तियों की घोषणा हुई है, उसमें 605 पद डीएससी समाज के लिए और 604 पद अन्य अनुसूचित जातियों के लिए हैं। यह सामाजिक न्याय की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि डीएससी समाज ने काफी संघर्ष किया और आज उस संघर्ष के

सुखद परिणाम सामने आए हैं। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियां सशक्त और मजबूत होंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान, जिसे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने राष्ट्र को प्रदान किया, आज हमारे लोकतंत्र की मूल आत्मा है। इस पवित्र संविधान के कारण ही देश को एक लोकतांत्रिक व्यवस्था मिली, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद और न्यायपालिका मजबूती से कार्य कर रहे हैं।

'केंद्र सरकार के 11 सालों के शासन में देश हुआ मजबूत, जन-जन ने महसूस किया बदलाव'

एजेंसी

सोनीपत। सहकारिता एवं पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से सिद्धि अभियान ने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान की है। इस अभियान ने दुनिया के सामने भारत की छवि को बदला है और यह न केवल एक वचन है, बल्कि एक मजबूत और बदलते भारत की गारंटी है। गोहाना में सिंचाई विभाग के विश्राम गृह में आयोजित भाजपा जिला संगठनात्मक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने यह बात कही। डॉ. शर्मा ने कहा कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ अध्यक्ष और पन्ना प्रमुख तक के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण केंद्र और हरियाणा में लगातार तीसरी बार सरकार बनी है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश में हुए बदलावों को जन-जन ने महसूस किया है। कोरोना महामारी के दौरान देशवासियों को सुरक्षा कवच प्रदान करने से लेकर रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान हजारों भारतीय छात्रों को सुरक्षित स्वदेश लाने तक भारत ने अपनी क्षमता साबित की है। मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए कहा कि भारत हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। कई देशों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को दिया गया सम्मान इस बात का प्रमाण है कि भारत वैश्विक मंच पर मजबूती से उभरा है। इस अवसर पर जिला प्रभारी डॉ. किरण कलकल, जिलाध्यक्ष बिजेंद्र मलिक, वरिष्ठ नेता प्रदीप सांगवान, डॉ. धर्मबीर नांदल, बलराम कौशिक, डॉ. ओमप्रकाश शर्मा, सुनील मेहता और नरेंद्र गहलावत उपस्थित थे। नेता प्रतिपक्ष का पद खाली रहना संवैधानिक समस्या पत्रकारों से बातचीत में डॉ. शर्मा न कहा कि हरियाणा में कांग्रेस द्वारा संगठन न बनाना और नेता प्रतिपक्ष के लिए नाम तय न करना उनकी आंतरिक समस्या है। इससे संवैधानिक जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही हैं। उन्होंने बताया कि सरकार को विभिन्न नियुक्तियों और संवैधानिक प्रक्रियाओं के लिए नेता प्रतिपक्ष का विचार महत्वपूर्ण होता है। ऐसे में कांग्रेस को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मंत्री ने बताया कि रोहतक जिले के पहरावर गांव में गौड़ ब्राह्मण विद्या प्रचारिणी सभा के तीसरे कैम्पस में चार शैक्षणिक संस्थानों की आधारशिला रखी गई है।

मंदिरों का शहर हम्पी

यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में शामिल हम्पी भारत का एक प्रमुख पर्यटन स्थल है। 2002 में भारत सरकार ने इसे प्रमुख पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की थी। हम्पी में स्थित दर्शनीय स्थलों में सम्मिलित हैं - विरूपाक्षमन्दिर, रघुनाथ मन्दिर, नरसिम्हा मन्दिर, सुग्रीव गुफा, विठाला मन्दिर, कृष्ण मन्दिर, हजारा राम मन्दिर, कमल महल तथा महानवमी डिब्बा आदि। हम्पी से 6 किलोमीटर दूर तुंगभद्र बांध स्थित है। कहा जाता है कि हम्पी के हर पत्थर में कहानी बसी है। यहां दो पत्थर त्रिकोण आकार में जुड़े हुए हैं। दोनों देखने में एक जैसे ही हैं, इसलिए इन्हें सिस्टर स्टोंस कहा जाता है। इसके पीछे भी एक कहानी प्रचलित है। दो ईर्ष्यालु बहनें हम्पी घूमने आईं, वे हम्पी की बुराई करने लगीं। शहर की देवी ने जब यह सुना तो उन दोनों बहनों को पत्थर में तब्दील कर दिया।

स्थापत्य कला

विजयनगर के शासकों ने मंत्रागृहों, सार्वजनिक कार्यालयों, सिंचाई के साधनों, देवालयों तथा प्रासादों के निर्माण में बहुत उत्साह दिखाया। विदेशी यात्री नूनीज ने नगर के अन्दर सिंचाई की अद्भुत व्यवस्था और विशाल जलाशयों का वर्णन किया है। राजकीय परकोटे के अंतर्गत अनेक प्रासाद, भवन एवं उद्यान बनाये गये थे। राजकीय परिवार की स्त्रियों के लिए अनेक सुन्दर भवन थे, जिनमें कमल-प्रासाद सुन्दरतम था। यह भारतीय वास्तकुला का अद्भुत उदाहरण था। यह माना जाता है कि एक समय में हम्पी रोम से भी समृद्ध नगर था। प्रसिद्ध मध्यकालीन विजयनगर राज्य के खण्डहर वर्तमान हम्पी में मौजूद हैं। इस साम्राज्य की राजधानी के खण्डहर संसार को यह घोषित करते हैं कि इसके गौरव के दिनों में स्वदेशी कलाकारों ने यहां वास्तकुला, चित्रकला एवं मूर्तिकला की एक पृथक शैली का विकास किया था। हम्पी पत्थरों से घिरा शहर है। यहां मंदिरों की खूबसूरत श्रृंखला है, इसलिए इसे मंदिरों का शहर भी कहा जाता है।

मंदिरों का शहर

हम्पी मंदिरों का शहर है जिसका नाम पम्पा से लिया गया है। पम्पा तुंगभद्रा नदी का पुराना नाम है। हम्पी इसी नदी के किनारे बसा हुआ है। पौराणिक ग्रंथ रामायण में भी हम्पी का उल्लेख वानर राज्य किष्किंधा की राजधानी के तौर पर किया गया है। शायद यही वजह है कि यहां कई बंदर हैं। हम्पी से पहले एनेगुंडी विजयनगर की राजधानी हुआ करती थी। दरअसल यह गांव है, जो विकास की रफ्तार में काफी पिछड़ा हुआ है। यहां के निवासियों को बिलकुल नहीं पता कि सदियों पहले यह जगह कैसी हुआ करती थी। नव वृंदावन मंदिर तक पहुंचने के लिए नाव के जरिए नदी पार करनी पड़ती है, जिसे कन्नड़ में टेप्पा कहा जाता है। यहां के लोगों का विश्वास है कि नव वृंदावन मंदिर के पत्थरों में जान है, इसलिए लोगों को इन्हें छूने की इजाजत नहीं है।।

विठल स्वामी का मन्दिर

हम्पी में विठल स्वामी का मन्दिर सबसे ऊंचा है। यह विजयनगर के ऐश्वर्य तथा कलावैभव के चरमोत्कर्ष का द्योतक है। मंदिर के कल्याणमंडप की नक्काशी इतनी सूक्ष्म और सघन है कि यह देखते ही बनता है। मंदिर का भीतरी भाग 55 फुट लम्बा है। और इसके मध्य में ऊंची वेदिका बनी है। विट्ठल भगवान का रथ केवल एक ही पत्थर में से कटा हुआ है। मंदिर के निचले भाग में सर्वत्र नक्काशी की हुई है। लांगहर्स्ट के कथनानुसार- यद्यपि मंडप की छत कभी पूरी नहीं बनाई जा सकी थी और इसके स्तंभों से अनेक को मुस्लिम आक्रमणकारियों ने नष्ट कर दिया, तो भी यह मन्दिर दक्षिण भारत का सर्वोत्कृष्ट मंदिर कहा जा सकता है। फर्ग्युसन ने भी इस मंदिर में हुई नक्काशी की भूरि-भूरि प्रशंसा की है। कहा जाता है कि पंढरपुर के विट्ठल भगवान इस मंदिर की विशालता देखकर यहां आकर फिर पंढरपुर चले गए थे।

विरुपाक्षमन्दिर

विरुपाक्षमन्दिर को पंपापटी मंदिर भी कहा जाता है, यह हेमकुटा पहाडियों के निचले हिस्से में स्थित है। हम्पी के कई आकर्षणों में से यह मुख्य है। 1509 में अपने अभिषेक के समय कृष्णदेव राय ने गोपुड़ा का निर्माण करवाया था। भगवान विठाला या भगवान विष्णु को यह मंदिर समर्पित है। 15वीं शताब्दी में निर्मित यह मंदिर बाजार क्षेत्र में स्थित है। यह नगर के सबसे प्राचीन स्मारकों में से एक है। मंदिर का शिखर जमीन से 50 मीटर ऊंचा है। मंदिर का संबंध विजयनगर काल से है। इस विशाल मंदिर के अंदर अनेक छोटे-छोटे मंदिर हैं जो विरूपाक्षमंदिर से भी प्राचीन हैं। मंदिर के पूर्व में पत्थर का एक विशाल नंदी है जबकि दक्षिण की ओर भगवान गणेश की विशाल प्रतिमा है। यहां अर्धसिंह और अर्धमनुष्य की देह धारण किए नरसिंह की 6.7 मीटर ऊंची मूर्ति है।

पत्थर का रथ

किंवदंती है कि भगवान विष्णु ने इस जगह को अपने रहने के लिए कुछ अधिक ही बड़ा समझा और अपने घर वापस लौट गए। विरुपाक्ष मंदिर भूमिगत शिव मंदिर है। मंदिर का बड़ा हिस्सा पानी के अन्दर समाहित है, इसलिए वहां कोई नहीं जा सकता। बाहर के हिस्से के मुकाबले मंदिर के इस हिस्से का तापमान बहुत कम रहता है। विठाला मंदिर का मुख्य आकर्षण इसकी खम्बेवाली दीवारें और पत्थर का बना रथ है। इन्हें संगीतमय खंभे के नाम से जाना जाता है, क्योंकि प्यार से थपथपाने पर इनमें से संगीत निकलता है। पत्थर का बना रथ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। पत्थर को तराश कर इसमें मंदिर बनाया गया है, जो रथ के आकार में है। कहा जाता है कि इसके पहिये घूमते थे, लेकिन इन्हें बचाने के लिए सीमेंट का लेप लगा दिया गया है।

बडाव लिंग

पास में स्थित बडाव लिंग चारों ओर से पानी से घिरा है, क्योंकि इस मंदिर से ही नहर गुजरती है। मान्यता है कि हम्पी के एक गरीब निवासी ने प्रण लिया था कि यदि उसकी किस्मत चमक उठी तो वह शिवलिंग का निर्माण करवाया। बडाव का मतलब गरीब ही होता है।

लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर

हम्पी लक्ष्मी नरसिम्हा मंदिर या उग्र नरसिम्हा मंदिर बड़े चट्टानों से बना हुआ है, यह हम्पी की सबसे ऊंची मूर्ति है। यह करीब 6.7 मीटर ऊंची है। नरसिम्हा आदिशेष पर विराजमान हैं। असल में मूर्ति के एक घुटने पर लक्ष्मी जी की छोटी तस्वीर बनी हुई है, जो विजयनगर साम्राज्य पर आक्रमण के समय धूमिल हो गई।

रानी का स्नानागार

हम्पी में स्थित रानी का स्नानागार चारों ओर से बंद है। 15 वर्गमीटर के इस स्नानागार में गैलरी, बरामदा और राजस्थानी बालकनी है। कभी इस स्नानागार में सुगंधित शीतल जल छोटी-सी झील से आता है, जो भूमिगत नाली के माध्यम से स्नानागार से जुड़ा हुआ था। यह स्नानागार चारों ओर से घिरा और ऊपर से खुला है।

हजारा राम मंदिर

हजारा राम मंदिर हम्पी के राजा का निजी मंदिर

माना जाता था। मंदिर की भीतरी और बाहरी दीवारों पर बेहतरीन नक्काशी की गई है। बाहरी कमरों की छतों के ठीक नीचे बनी नक्काशी में हाथी, घोड़ा, नृत्य करती बालाओं और मार्च करती सेना की टुकडियों को दर्शाया गया है, जबकि भीतरी हिस्से में रामायण और देवताओं के दृश्य दिखाए गए हैं। इसमें असंख्य पंखों वाले गरुड़ को भी चित्रित किया गया है।

कमल महल

हम्पी में स्थित कमल के आकार का दो मंजिला

महल और इसका मुंडेर महल पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। कमल महल हजारा राम मंदिर के समीप है। यह महल इन्डो-इस्लामिक शैली का मिश्रित रूप है। कहा जाता है कि रानी के महल के आसपास रहने वाली राजकीय परिवारों की महिलाएं आमोद-प्रमोद के लिए यहां आती थीं। महल के मेहराब बहुत आकर्षक हैं।

हाउस ऑफ विक्टरी

हाउस ऑफ विक्टरी स्थान विजयनगर के शासकों का आसन था। इसे कृष्णदेवराय के सम्मान में बनवाया गया जिन्होंने युद्ध में ओडिशा के राजाओं को पराजित किया था। वह हाउस ऑफ विक्टरी के विशाल सिंहासन पर बैठते थे और नौ दिवसीय दसारा पर्व को यहां से देखते थे।

संग्रहालय

कमलापुर में स्थित पुरातत्व विभाग का संग्रहालय बहुत-सी प्राचीन मूर्तियों और हस्तशिल्पों का सग्रंह है। इस क्षेत्र की समस्त हस्त शिल्पों को यहां देखा जा सकता है।

हाथीघर

हम्पी का हाथीघर जीनान क्षेत्र से सटा हुआ है। यह गुम्बदनुमा इमारत है जिसका इस्तमोल राजकीय हाथियों के लिए किया जाता था। इसके प्रत्येक चेम्बर में एक साथ ग्यारह हाथी रह सकते थे। यह हिन्दू-मुस्लिम निर्माण कला का उत्तम नमूना है।

कब जाएं

अक्तूबर से मार्च की अवधि हम्पी जाने के लिए सबसे उत्तम मानी जाती है। हम्पी जाने के लिए हवाई, रेल और सड़क मार्ग को अपनी सुविधानुसार अपनाया जा सकता है। हम्पी जाने के लिए होस्पेट जाना पड़ता है। हैदराबाद से होस्पेट के लिए रेल है। होस्पेट से आगे 15 किलोमीटर की दूरी पर हम्पी है।

हवाई मार्ग

हम्पी से 77 किलोमीटर दूर बेल्लारी सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है। बैंगलोर से बेल्लारी के लिए नियमित उड़ानों की व्यवस्था है। बेल्लारी से राज्य परिवहन की बसों और टैक्सी द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है।

रेल मार्ग

हम्पी से 13 किलोमीटर दूर होस्पेट नजदीकी रेलवे स्टेशन है। यह रेलवे स्टेशन हुबली, बैंगलोर, गुंटाकल से जुड़ा हुआ है। होस्पेट से राज्य परिवहन की नियमित बसें हम्पी तक जाती हैं।

सड़क मार्ग

होस्पेट से सड़क मार्ग के द्वारा हम्पी पहुंचा जा सकता है। हम्पी बेलगांव से 190 किलोमीटर दूर बेंगलुरु से 350 किलोमीटर दूर, गोवा से 312 किलोमीटर दूर है।

मंदिर की छत दो बार बनाई गई थी। लेकिन पहली बार आग से छत नष्ट हो गयी।और दूसरी बार छत ढह गई। फिर भगवान शिव स्वयं एक भक्त के सपनों में प्रकट हुए और कहा: "मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मुझे सूर्य की किरणों की आवश्यकता है। इसलिए, मंदिर की छत को फिर से नहीं बनाना चाहिए।" उसी दिन से ताड़केश्वर महादेव के मंदिर का निर्माण इस तरह किया गया की शिवलिंग पर सूर्य की किरणे गिरते रहे।

800 साल पुराना शिवालय

गुजरात में तड़केश्वर महादेव मंदिर में सूर्य की किरणें करती हैं शिवजी का अभिषेक

दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में वांकी नदी के किनारे बसा है अब्रामा गांव। यहां विराजमान हैं प्राचीन अलौकिक तड़केश्वर महादेव। भोलेनाथ के इस मंदिर पर शिखर का निर्माण संभव नहीं है, इसलिए सूर्य की किरणें सीधे शिवलिंग का अभिषेक करती हैं।

1994 में हुआ था जीर्णोद्धार

1994 में मंदिर का जीर्णोद्धार कर 20 फुट के गोलाकार आकृति में खुले शिखर का निर्माण किया गया। शिव भक्त-उपासक हर समय यहां दर्शन कर धर्मलाभ अर्जित करने आते रहते हैं। पावन श्रावण माह व महाशिव रात्रि पर यहां विशाल मेला लगता है।

स्वप्न में शिव जी ने बताया था

800 वर्ष पुराने इस अलौकिक मंदिर के बारे में उल्लेख मिलता है कि एक ग्वाले ने पाया कि उसकी गाय हर दिन झुंड से अलग होकर घने जंगल में जाकर एक जगह खड़ी होकर अपने आप दूध की धारा प्रवाहित करती है। ग्वाले ने अब्रामा गांव लौटकर ग्रामीणों को उसकी सफेद गाय द्वारा घने वन में एक पावन स्थल पर स्वतः दुग्धाभिषेक की बात बताई। शिव भक्त ग्रामीणों ने वहां जाकर देखा तो पवित्र स्थल के गर्भ में एक पावन शिला विराजमान थी।

फिर शिव भक्त ग्वाले ने हर दिन घने वन में जाकर शिला अभिषेक-पूजन शुरू कर दिया। ग्वाले की अटूट श्रद्धा पर शिवजी प्रसन्न हुए। शिव जी ने ग्वाले को स्वप्न दिया और आदेश दिया कि घनघोर वन में आकर तुम्हारी सेवा से मैं प्रसन्न हूं। अब मुझे यहां से दूर किसी पावन जगह ले जाकर स्थापित करो। ग्वाले ने ग्रामीणों को स्वप्न में मिले आदेश की बात बताई।

कभी बन नहीं पाया शिखर

ग्वाले की बात सुनकर सारे शिव भक्त ग्रामीण वन में गए। पावन स्थल पर ग्वाले की देखरेख में खुदाई की तो यह शिला सात फुट की शिवलिंग स्वरूप में निकली। फिर ग्रामीणों ने पावन शिला को वर्तमान तड़केश्वर मंदिर में विधि-विधान से प्राण प्रतिष्ठित किया। साथ ही चारों ओर दीवार बना कर ऊपर छप्पर डाला। ग्रामीणों ने देखा कि कुछ ही वक्त में यह छप्पर स्वतः ही सुलग कर स्वाहा हो गया।

ऐसा बार-बार होता गया, ग्रामीण बार-बार प्रयास करते रहे। ग्वाले को भगवान ने फिर स्वप्न में बताया मैं तड़केश्वर महादेव हूं। मेरे ऊपर कोई छप्पर-आवरण न बनाएं। फिर ग्रामीणों ने शिव के आदेश को शिरोधार्य किया। शिवलिंग का मंदिर बनवाया लेकिन शिखर वाला हिस्सा खुला रखा ताकि सूर्य की किरणें हमेशा शिवलिंग पर अभिषेक करती रहें। तड़के का अभिप्राय धूप है जो यहां शिव जी को प्रिय है।

हिमाचल के सोलन की हसीन वादियों में बसा है एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर

दोस्तों, आपको पता ही होगा की भारत देश मंदिरो का देश हैं। वैसे तो भारत में कई खूबसूरत मंदिर है जिन्हें देखने हर साल देश-विदेश से करोड़ों सैलानी आते हैं। लेकिन हम जिस भव्य शिव मंदिर के बारे में आज बताने जा रहे है वो है हिमाचल प्रदेश के सोलन की हसीन वादियों में स्तिथ जटोली का शिव मंदिर।

जटोली शिव मंदिर को एशिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर कहा जाता हैं। हाल ही में मंदिर में 11 फुट लंबा स्वर्ण कलश चढ़ाया गया हैं। इससे जटोली शिव मंदिर की ऊंचाई करीब 122 फुट तक पहुंच गई है।

देवो के देव महादेव का यह मंदिर सोलन से करीब 6 किलोमीटर दूर है। दक्षिण-द्रविड़ शैली में बने भोलेनाथ के इस मंदिर की नक्काशी की सुंदरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की इस शिव मंदिर को बनने में करीब 39 साल का समय लगा।

ऐसा माना जाता है की भोलेनाथ ने यहां कुछ समय के लिए यहाँ विश्राम किया था। उसके बाद तपस्वी बाबा स्वामी कृष्णानंद परमहंस के मार्गदर्शन पर 1973 में जटोली शिव मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ।

इस मंदिर के चारों तरफ आप कुदरत के बेहतरीन नजारों का भी लुफ़्त ले सकते हैं।

कैसे पहुंचे :

सोलन से बस/टैक्सी से राजगढ़ रोड़ होते हुए आसानी से जटोली शिव मंदिर पंहुचा जा सकता है। सड़क से करीबन 100 सीढ़ियां चढ़ने के बाद महादेव के दर्शन होते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर गिरकर 691.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति, विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में भारी गिरावट आने से 30 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.2 अरब डॉलर लुढ़ककर 691.5 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं, इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर रहा था।रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 30 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 1.95 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 584.2 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं, इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 72.3 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी हुई और यह बढ़कर 84.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया। आलोच्य सप्ताह एसडीआर 20 लाख डॉलर गिरकर 18.6 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस अवधि में आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में 60 लाख डॉलर की गिरावट आई और यह पिछले सप्ताह के मुकाबले घटकर 4.3 अरब डॉलर पर आ गई

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली । अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बावजूद घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर साप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 2.21 प्रतिशत बढ़कर 64.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 66.65 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

ई-मार्केट प्लेटफार्मों को भ्रामक अलर्ट, अनुचित व्यापार व्यवहार पर रोक लगाने के निर्देश

नयी दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि उनके नेटवर्क पर उपभोक्ताओं को अत्यावश्यक अलर्ट (सूचना) और भ्रामक विज्ञापनों या किसी प्रकार के अनुचित व्यापार व्यवहार में न फंसाया जाये। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को सलाह दी गयी है कि वे परामर्श जारी होने के तीन महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें और यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठायें कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों।' डार्क पैटर्न ऐसे भ्रामक प्रयासों को कहा जाता है, जिनमें ग्राहकों को स्टॉक खत्म होने या किसी प्रलोभन के जरिये माल की बुकिंग तत्काल करने के लिए उकसाया जाता है। सीसीपीए ने स्व-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। विज्ञप्ति के अनुसार यह उपाय उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास मजबूत करने की दृष्टि से किया गया है। सीसीपीए ने कुछ मामलों में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते पाये गये ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म को नोटिस भी जारी किये हैं। उपभोक्ता मामलों के विभाग ने डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है। इसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और एनएलयू के प्रतिनिधि शामिल हैं।

रिलायंस डिजिटल का 'शॉप एंड विन' 30 करोड़ रुपये तक के इनाम के साथ खरीदारी को जीत में बदल देता है

मुंबई। इंडिया के लीडिंग इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर, रिलायंस डिजिटल अपने आकर्षक शॉप एंड विन अभियान के लॉन्च के साथ आपके शॉपिंग अनुभव को बनाने वाले हैं थोड़ा और मज़ेदार, यहां आपको मिलेगा एक ऐसा मौका जहां हर खरीदारी पर आप जीतेंगे बड़े इनाम. 31 अगस्त तक, रिलायंस डिजिटल स्टोर्स, माय जियो स्टोर्स और reliancedigital.in पर ऑनलाइन खरीदारी करने वाले ग्राहकों को 30 करोड़ तक के इनाम जीतने का मौका मिलेगा~ 25 कार 40 बाइक 450+ इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स लैपटॉप और वॉशिंग मशीन खरीदने वालों के लिए निश्चित उपहारइसके अलावा, 15 जून तक ICICI बैंक कार्ड्स का उपयोग करके 15000 तक इंस्टंट डिस्काउंट का फायदा उठाएं. लैपटॉप खरीदने वालों को 1 करोड़ के प्राइज़ पूल से स्कॉलरशिप जीतने का भी मौका मिलेगा. मौका न चूकें, आज ही शॉपिंग करें और हर खरीदारी को जीत में बदलें! *नियम एवं शर्तें लागू. लकी ड्रॉ तमिलनाडु में लागू नहीं है.रिलायंस डिजिटल के बारे में :रिलायंस डिजिटल भारत का सबसे बड़ा इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर है, यह 600 से ज्यादा शहरों में मौजूद है, जिसमें 650 से भी ज्यादा बड़े फॉर्मेट वाले रिलायंस डिजिटल स्टोर्स और 990 से भी ज्यादा माय जियो स्टोर्स हैं, जो देश के हर नुक्कड़ और कोने में ग्राहकों की सेवा में कार्यरत हैं और सभी के लिए बिल्कुल नई टेक्नोलॉजी पहुंच में ला रहे हैं।

सर्राफा बाजार में लुढ़का सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख बना हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के 'यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये से लेकर 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,800 रुपये से लेकर 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी के भाव में आज तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,07,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है।साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के 'यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 660 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की मजबूती दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो चुका है। सोने के विपरीत चांदी की कीमत में सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के

दौरान 8 हजार रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,020 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,120 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य रा'यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों रा'यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर 16वें वित्त आयोग के अंशकालिक सदस्य नियुक्त

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया गया है। वे अपना कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, अपने पद पर बने रहेंगे।वित्त मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि राष्ट्रपति ने आरबीआई के डिप्टी गवर्नर टी. रबी शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है। वे कार्यभार संभालने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक यानी 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे। टी. रबी शंकर की नियुक्ति 16वें वित?त आयोग के पूर्णकालिक सदस्यों में से एक अजय नारायण झा के व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देने के परिणामस्वरूप हुई है। 16वें वित्त आयोग का गठन 31 दिसंबर, 2023 को किया गया था, जिसके अध्यक्ष नीति आयोग के पूर्व

उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया हैं। 16वें वित्त आयोग को 01 अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की अवधि के लिए 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करनी हैं।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् के चेयरमैन के रूप में महेंद्र देव ने पदभार संभाला

एजेंसी

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी विकास अनुसंधान संस्थान के पूर्व कुलपति एस महेंद्र देव ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद् (ईएसी-पीएम) के नए अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाल लिया है। अर्थशास्त्री देव ने नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी की जगह ली, जो ईएसी-पीएम का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहे थे।मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा जारी आदेश में पहले कहा गया था कि प्रधानमंत्री ने दो साल या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के पुनर्गठन को मंजूरी दे दी है। इसमें तीन पूर्णकालिक सदस्यों संजीव सान्याल, संजय कुमार मिश्रा और शमिका रवि को बरकरार रखा गया है, जबकि नए अंशकालिक सदस्यों में सौम्य कांति घोष (एसबीआई में समूह मुख्य आर्थिक सलाहकार) शामिल हैं। अन्य अंशकालिक सदस्यों में राकेश मोहन, साजिद चेनॉय, नीलकंठ मिश्रा, नीलेश शाह, टीटी राम मोहन,

केवी राजू, चेतन घाटे, पामी दुआ, पुलक घोष और गौरव वल्लभ शामिल हैं। देव इससे पहले इकोनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली (ईपीडब्ल्यू) के संपादक और एक्सिस बैंक के स्वतंत्र निदेशक के तौर पर भी काम कर चुके हैं। उन्होंने दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमफिल और पीएचडी तथा येल यूनिवर्सिटी (अमेरिका) से पीएचडी करने के बाद शोध किया है। इसके अलावा उन्होंने विकास अर्थशास्त्र, व्यापक आर्थिक नीतियों, कृषि क्षेत्र और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर 22 किताबें और करीब 150 शोध प्रकाशन लिखे हैं और संपादित किए हैं। उल्लेखनीय है कि ईएसी-पीएम पिछले नवंबर से पूर्णकालिक अध्यक्ष के बिना था, क्योंकि इसके पहले अध्यक्ष बिबेक देबरॉय का निधन हो गया था।

सीसीपीए का ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को डार्क पैटर्न का पता लगाने और उसका समाधान सुनिश्चित करने के लिए 3 महीने के भीतर स्व-ऑडिट करने का परामर्श जारी किया है।

सीसीपीए ने कुछ मामलों में ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म को नोटिस भी जारी किए हैं, जो डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करते पाए गए हैं। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि सभी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स को सलाह दी गई है कि वे एडवाइजरी जारी होने के 3 महीने के भीतर डार्क पैटर्न की पहचान करने के लिए स्व-ऑडिट करें। साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं कि उनके प्लेटफॉर्म ऐसे डार्क पैटर्न से मुक्त हों। मंत्रालय के मुताबिक सेल्फ-ऑडिट रिपोर्ट के आधार पर ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को यह भी स्व-घोषणा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है कि उनका प्लेटफॉर्म किसी भी डार्क पैटर्न में लिप्त नहीं है। प्लेटफॉर्म द्वारा स्व-घोषणा से उपभोक्ताओं और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के बीच विश्वास का निर्माण होने के साथ-साथ निष्पक्ष डिजिटल इकोसिस्टम सक्षम होगा। इसके अलावा ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2023 का अनुपालन करने की सलाह दी गई है। भारत सरकार के उपभोक्ता मामलों के विभाग ने एक संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) का गठन किया है, जिसमें संबंधित मंत्रालयों, नियामकों, स्वैच्छिक उपभोक्ता संगठनों और हरु के प्रतिनिधि शामिल हैं। जेडब?ल?यूजी का कार्य ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर डार्क पैटर्न के उल्लंघन की पहचान करने के लिए जाँच करना और उपाय करना तथा नियमित अंतराल पर उपभोक्ता मामलों के विभाग के साथ जानकारी साझा करना है। यह उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए उचित जागरूकता कार्यक्रम भी सुझाएगा। उल्लेखनीय है कि डिजिटल युग में उपभोक्ता संरक्षण को मजबूत करने और ई-कॉमर्स और ऑनलाइन सेवाओं में अनुचित प्रथाओं पर अंकुश लगाने के लिए सरकार की व्यापक रणनीति और चल रहे प्रयासों के हिस्से के रूप में भारत सरकार के उपभोक्ता मामले के विभाग ने 2023 में डार्क पैटर्न की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश अधिसूचित कर 13 डार्क पैटर्न निर्दिष्ट किए थे। डार्क पैटर्न की पहचान करने और उसको खत्म करने के लिए जेडब्ल्यूजी का गठन किया गया है।

जुलाई से जीएसटी का नया नियम, तीन साल बाद लेट रिटर्न नहीं किया जा सकेगा दाखिल

एजेंसी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) रिटर्न फाइल करने वालों के लिए काम की खबर है। वस्तु एवं सेवा कर नेटवर्क (जीएसटीएन) ने बड़े बदलावों का ऐलान किया है। इसके तहत अब व्यवसायियों को जीएसटीआर-1ए फॉर्म दाखिल करते समय सावधानी बरतनी होगी, क्योंकि वे जुलाई 2025 की कर अवधि से अपने जीएसटीआर-3बी फॉर्म को संपादित नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन ने एक बयान में कहा कि करदाता अब तीन साल की समय-सीमा समाप्त होने के बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं कर सकेंगे। जीएसटीएन ने कहा कि जुलाई, 2025 टैक्स अवधि से यह लागू हो जाएगा। इसका मतलब है कि करदाता जुलाई 2025 टैक्स अवधि के लिए अगस्त 2025 में मासिक रिटर्न दाखिल करेंगे। यह इस नई व्यवस्था के अंतर्गत आएगा।

जीएसटीएन के मुताबिक जुलाई 2025 से करदाताओं को अब मूल देय तिथि के तीन साल बाद मासिक और वार्षिक जीएसटी रिटर्न दाखिल करने से रोक दिया जाएगा। वित्त अधिनियम, 2023 से होने वाला ये बदलाव जीएसटीआर-1 और जीएसटीआर-3बी सहित जीएसटीआर-4, जीएसटीआर-5, जीएसटीआर-5ए, जीएसटीआर-6, जीएसटीआर-7,जीएसटीआर-8और जीएसटीआर-9 जैसे विभिन्न जीएसटी रिटर्न को प्रभावित करेगा। वे अपना रिटर्न दाखिल नहीं कर पाएंगे। जीएसटीएन के मुताबिक समय सीमा में यह संशोधन माल और सेवा कर वित्त अधिनियम, 2023 के तहत लागू किए जा रहे हैं। इसके अनुसार बाहरी आपूर्ति रिटर्न, देयता भुगतान से संबंधित रिटर्न, वार्षिक रिटर्न और स्रोत पर जमा किए गए कर से जुड़े रिटर्न अब समय सीमा समाप्त होने पर दाखिल नहीं किए जाएंगे। यह प्रतिबंध जुलाई 2025 की कर अवधि से जीएसटी पोर्टल पर लागू किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जीएसटीएन ने करदाताओं को सलाह दी है कि अपने रिकॉर्ड का मिलान करें। देखें अगर अबतक जीएसटी रिटर्न दाखिल नहीं किया गया है, तो जितनी जल्दी हो सके दाखिल कर लें। दरअसल पिछले साल अक्टूबर की शुरुआत में जीएसटीए ने करदाताओं को आगाह किया था कि 2025 की शुरुआत में कर प्रतिबंध पर उक्त प्रावधान को लागू किया जाएगा।

खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख; अधिकांश दालें सस्ती, चावल महंगा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेशी बाजारों के मिश्रित रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा जबकि आवक बढ़ने से दालें सस्ती वहीं चावल महंगा हो गया। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा सप्ताहांत पर 71 रिंगिट चढ़कर 3909 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं, जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.01 सेंट फिसलकर 47.15 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान खाद्य तेलों में मिलाजुला रुख रहा। सरसों तेल 660 रुपये, मूंगफली तेल 330 रुपये और पाम ऑयल 367 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया जबकि सूरजमुखी तेल 733 रुपये, सोया रिफाइंड 733 रुपये और वनस्पति तेल 439 रुपये प्रति क्विंटल उतर गया। सप्ताहांत पर सरसों तेल 16484 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 17912 रुपये प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 14138 रुपये प्रति क्विंटल, पाम ऑयल 14286 रुपये प्रति क्विंटल और वनस्पति तेल 15751 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा।

दाल-दलहनः बीते सप्ताह दाल-दलहन के बाजार में अधिकांश दालों के भाव गिर गए। चना 300 रुपये, दाल चना 300 रुपये, मूंग दाल 400 रुपये और अरहल दाल 400 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हो गई। वहीं, मसूर दाल और उड़द दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ सप्ताहांत पर चना 5700-5800, दाल चना 6700-6800, मसूर काली 7500-7600, मूंग दाल 9500-9600, उड़द दाल 9200-9300, अरहर दाल 8600-8700 रुपये प्रति क्विंटल रही।

सर्राफा बाजार में तेजी: 1 लाख के करीब पहुंच सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मजबूती नजर आ रही है। इस तेजी के कारण 24 कैरेट सोना एक लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के काफी करीब पहुंच गया है। कीमत में आई तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये से लेकर 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,310 रुपये से लेकर 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी आज 2,000 रुपये की तेजी आई है, जिसके कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 1,04,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर

कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,610 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 99,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पंजाब नेशनल बैंक ने ब्याज दर 0.50 फीसदी घटाया, नई दरें 9 जून से प्रभावी

एजेंसी

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने ब्याज दरों में 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी तक की कटौती करने का ऐलान किया है। बैंक के इस कदम से मौजूदा और नए उधारकर्ताओं को मदद मिलेगी। नई दरें 9 जून, 2025 से प्रभावी होगी। पंजाब नेशनल बैंक ने 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, पंजाब नेशनल बैंक ने ग्राहकों की ईएमआई को और अधिक किफायती बना दिया है। आरबीआई के रेपो रेट में 0.50 फीसदी की कटौती (6.00 फीसदी से 5.50 फीसदी) के बाद पीएनबी ने अपने आरएलएलआर को 50 बीपीएस यानी 0.50 फीसदी तक कम कर दिया है, जो 9 जून, 2025 से प्रभावी होगा। पीएनबी के बेंचमार्क रेपो-लिंक्ड बेंचमार्क लेंडिंग रेट्स

(आरबीएलआर) में कटौती के साथ बैंक का होम लोन 7.45 फीसदी से शुरू होगा, जबकि वाहन लोन 7.8 फीसदी प्रति वर्ष से शुरू होगा। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने नीतिगत ब्याज दरों रेपो रेट में अपेक्षा से अधिक 50 आधार अंकों यानी 0.50 फीसदी की कटौती की है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और बैंकों को उधार देने के लिए अधिक धन उपलब्ध कराने के लिए अप्रत्याशित रूप से नकद आरक्षित अनुपात (सीआरआर) को कम कर दिया है। ऐसे में लोगों को पीएनबी के अलावा अन्य बैंकों से भी जल्द ही इसी तरह की घोषणा की उम्मीद है।

यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत को लेकर उत्साहित, 10 वर्षों में 300 टर्बोप्रॉप बेचने की योजना

नई दिल्ली। यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एटीआर भारत में कारोबारी अवसरों को लेकर उत्साहित है। एटीआर भारत में अपने विमानों की बिक्री की संभावनाओं को तलाशने के लिए विभिन्न ऑपरेटर्स और एयरलाइंस के साथ बातचीत कर रही है। भारतीय बाजार की विकास संभावनाओं को देखते हुए एटीआर के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले 10 वर्षों में देश में 300 और टर्बोप्रॉप होंगे। एयरबस और लियोनार्डो के संयुक्त उद्यम वाली कंपनी एटीआर 78 सीटों वाले टर्बोप्रॉप विमान के साथ-साथ मालवाहक विमान भी बनाती है। वर्तमान में, देश में 70 एटीआर विमान हैं, जिनका संचालन इंडिगो, एलायंस एयर और फ्लाई91 जैसी एयरलाइंस और ऑपरेटर्स द्वारा किया जाता है। कंपनी के प्रबंध निदेशक और एशिया प्रशांत क्षेत्र के प्रमुख जीन-पियरे क्लेरसिन ने हाल ही में दिल्ली का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कंपनी पहले से ही एटीआर विमान उड़ा रहे ऑपरेटरों सहित अनुसूचित और गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों के साथ बातचीत कर रही है। भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागरिक उड्डयन बाजारों में से एक है और यहां हवाई अड्डों की संख्या के साथ-साथ क्षेत्रीय हवाई संपर्क भी बढ़ रहा है।

भारत ने 11 वर्षों में 27 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकाला : विश्व बैंक

एजेंसी

नई दिल्ली। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार भारत ने अत्यधिक गरीबी उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। भारत में 11 साल में 269 मिलियन (करीब 27 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकले हैं। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट के अनुसार 2011-12 में देश में अत्यधिक गरीबी की दर 27.1 फीसदी थी, जो 2022-23 तक घटकर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इसी अवधि में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। इसका मतलब है कि इस दौरान करीब 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय को अत?यधिक गरीबी रेखा से बाहर निकला गया है।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश- इन पांच राज्यों में 2011-12 में देश के 65 फीसदी अत्यंत गरीब रहते थे। अब इन?हीं पांच राज्यों ने 2022-23 तक गरीबी उन्मूलन में दो-तिहाई से अधिक योगदान दिया है।

शहरों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से 1.1 फीसदी पर आई

रिपोर्ट के मुताबिक विश्व बैंक ने गरीबी का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों पर) के आधार पर की है। यह ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गरीबी में तेज गिरावट को दर्शाता है। इसी अवधि में ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4

फीसदी से घटकर 2.8 फीसदी प्रतिशत हो गई, जबकि शहरी क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 10.7 फीसदी से घटकर 1.1 फीसदी पर आ गई है। वहीं, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की पिछली गरीबी रेखा (2017 की कीमतों पर) के आधार पर देखा जाए तो भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011-12 में 16.2 फीसदी से घटकर 2022 में सिर्फ 2.3 फीसदी रह गई है। इस सीमा से नीचे रहने वाले भारतीयों की संख्या 2011 के 205.93 मिलियन (20.59 करोड़) से घटकर 2022 में 33.66 मिलियन (3.36 करोड़) हो गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस उपलब्धि को सरकार की गरीबों के लिए चलाई गई पीएम आवास योजना, पीएम उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि बीते 11 सालों में केंद्र ने इंफ्रास्ट्रक्चर, समावेशन और पारदर्शिता पर ध्यान देते हुए कई योजनाएं शुरू कीं जिनका सीधा लाभ गरीबों को मिला। इन पहलों से हाउसिंग, क्लीन कुकिंग फ्यूल, बैंकिंग सर्विसेज और हेल्थकेयर तक लोगों की पहुंच में विस्तार हुआ है। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सभी प्रयासों से 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर निकल पाए हैं। यह उपलब्धि भारत को गरीबी मुक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में बड़ा कदम है।

भारतीय टीम में शामिल असम के दो भारोत्तोलक

शिवसागर (असम)। शिवसागर के भारोत्तोलक संघ के खिलाड़ी आईसेंग्फा गोगोई और पंचमी सोनोवाल ने भारत की टीम में स्थान प्राप्त किया। आगामी 1 से 10 जुलाई तक कजाकिस्तान में जूनियर एशियन गेम्स भारोत्तोलन चैंपियनशिप का आयोजन होने जा रहा है। जिसमें असम के ये दोनों खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। वर्तमान में लखनऊ में प्रशिक्षण में व्यस्त ये दोनों खिलाड़ी शिवसागर के भारोत्तोलक संघ की देखरेख में 2022 से प्रशिक्षण कर रहे थे। 2025 में बिहार में आयोजित हुए राष्ट्रीय खेलो इंडिया में आईसेंग्फा गोगोई ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया था। भारतीय टीम में दोनों खिलाड़ियों के शामिल होने पर शिवसागर भारोत्तलन संघ ने नामती शहीद पियली फुकन महाविद्यालय के व्यायामशाला में दोनों खिलाड़ियों के माता-पिता को सम्मानित किया गया। दोनों खिलाड़ियों के प्रशिक्षक ने यह उम्मीद जताई है कि भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए निश्चित रूप से दोनों जीत हासिल करेंगे।

ताइवान एथलेटिक्स ओपन में भारतीय खिलाड़ियों की दमदार शुरुआत, जीते चार स्वर्ण

नई दिल्ली। ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 की शुरुआत भारतीय एथलीटों के शानदार प्रदर्शन के साथ हुई। पहले ही दिन भारत ने चार स्वर्ण पदक अपने नाम किए। महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में पूनम ने भारत के लिए खाता खोला और 4:11.65 का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता। पिछले महीने उन्होंने दक्षिण कोरिया के गुमी में आयोजित एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में इसी स्पर्धा में 4:10.83 के समय के साथ रजत पदक हासिल किया था, जबकि 800 मीटर दौड़ में कांस्य पदक भी जीता था। भारत को दूसरी सफलता पुरुषों की ट्रिपल जंप स्पर्धा में अब्दुल्ला अबूबकर ने दिलाई। उन्होंने तीसरी कोशिश में 16.21 मीटर की छलांग लगाकर पहला स्थान हासिल किया और स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इसके बाद भारत ने स्प्रिंट हर्डल्स की दोनों स्पर्धाओं में भी स्वर्ण पदक जीते। ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में 12.99 सेकंड के समय के साथ जीत दर्ज की। अंतिम बाधा तक वह दूसरे स्थान पर थीं, लेकिन आखिरी क्षणों में दमदार फिनिश के दम पर उन्होंने बाज़ी पलट दी। तेजस शिर्से ने पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में 13.52 सेकंड का सीज़न बेस्ट समय दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय पुरुष और महिला 4×100 मीटर रिले टीमें दिन में बाद में मैदान पर उतरेंगी।

फ्रेंच ओपन:नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में पहुंचे सिनर, अल्काराज से होगा सामना

पेरिस। टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने फ्रेंच ओपन सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में उनका सामना मौजूदा चैंपियन कार्लोस अल्काराज से होगा। अल्काराज ने एक अन्य सेमीफाइनल में लोरेन्जो मुसेत्ती को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर ने कोर्ट फिलिप शात्रिए पर जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6 (7/3) से हराकर अपना पहला फ्रेंच ओपन फाइनल खेलना तय किया। 23 वर्षीय सिनर ने मैच के बाद कहा, वो हमारे खेल के इतिहास के सबसे महान खिलाड़ी हैं, उनके खिलाफ यहां खेलना शानदार अनुभव है। कोर्ट पर उतरने से पहले थोड़ा तनाव होता है, लेकिन मैंने कोशिश की कि उस पर ध्यान न दूं। 38 वर्षीय जोकोविच ने हमेशा की तरह जुझारूपन दिखाया और तीन घंटे 16 मिनट तक चले मुकाबले में खूब संघर्ष किया, लेकिन तीसरे सेट में तीन सेट पॉइंट गंवाने के बाद वापसी की उम्मीदें टूट गईं। अब जोकोविच अगले महीने विंबलडन में 25वां ग्रैंड स्लैम जीतने की कोशिश करेंगे।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम का बेल्जियम,ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम अर्जेंटीना के रोसारियो में आयोजित चार देशों के टूर्नामेंट में दमदार प्रदर्शन के बाद अब यूरोपीय दौरे पर पहुंच चुकी है। यह दौरा 8 जून से 17 जून तक चलेगा, जिसमें टीम बेल्जियम, ऑस्ट्रेलिया और नीदरलैंड्स के खिलाफ पांच मुकाबले खेलेगी। भारतीय टीम इस दौरे की शुरुआत बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लीन में तीन मुकाबलों से करेगी। इसके बाद टीम ऑस्ट्रेलिया से बेल्जियम के ही बीयरशॉट टेनिस हॉकी पैडल क्लब, कॉन्टिच में भिड़ेगी और अंत में नीदरलैंड्स के उत्रेक्ट में स्थित हॉकी क्लब कामपोंग में एक मुकाबले के साथ दौरे का समापन करेगी। अर्जेंटीना दौरे पर भारतीय टीम ने मजबूत प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। चिली के खिलाफ टीम ने एक मुकाबला 2-1 से जीता और एक मुकाबला 2-2 (2-3 शूटआउट) से गंवाया। मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ एक मुकाबला 1-1 (2-0 शूटआउट) से जीता और एक 2-4 से हारा।

इंग्लैंड में आयोजित मिक्स्ड डिसेबिलिटी टी20 सीरीज के लिए जयपुर में ट्रेनिंग कैंप शुरू

एजेंसी

जयपुर। भारतीय पुरुष मिक्स्ड डिसेबिलिटी क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ 21 जून से शुरू हो रही सात मैचों की टी20 सीरीज से पहले रविवार को जयपुर में अपनी तैयारी का आगाज कर दिया है। सीरीज की शुरुआत 21 जून को इंग्लैंड के टॉनटन में मुकाबले से होगी। इसके बाद दूसरा टी20 मुकाबला 23 जून को वर्म्सले में शाम 5ः00 बजे से खेला जाएगा। श्रृंखला का समापन 3 जुलाई को ब्रिस्टल में सातवें टी20 मैच के साथ होगा। जयपुर में चल रहे इस ट्रेनिंग कैंप में खिलाड़ी मुख्य कोच रोहित झालानी सहित अन्य प्रशिक्षकों की देखरेख में गहन बल्लेबाजी और गेंदबाजी अभ्यास कर रहे हैं, ताकि वे तकनीक के साथ-साथ अपनी तैयारियों को और मजबूत कर सकें। डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट काउंसिल ऑफ इंडिया (डीसीसीआई) द्वारा आयोजित यह कैंप 8 जून से 13 जून तक

जयपुरिया क्रिकेट अकादमी में आयोजित किया गया है। सभी चयनित खिलाड़ी जयपुर पहुंच चुके हैं और फिटनेस, मैच की तैयारी और टीम समन्वय पर केंद्रित गहन सत्रों में भाग ले रहे हैं। ट्रेनिंग के बारे में बताते हुए मुख्य कोच रोहित झालानी ने कहा कि यह कैंप हमारी तैयारियों के लिए बेहद अहम है। खिलाड़ी पूरा समर्पण दिखा रहे हैं, जिसके बाद मैं यह कह सकता हूं कि यह टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार हैं। डीसीसीआई के महासचिव रविकांत चौहान ने कहा कि हम इंग्लैंड दौरे को लेकर बहुत उत्साहित हैं। हमें गर्व है कि हमारी टीम इंग्लैंड के मैदानों में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही है और इसके लिए हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

भारतीय टीम

रविंद्र गोपीनाथ शांते (कप्तान) (पीडी), वीरेन्द्र सिंह (उप-कप्तान) (बधिर), राधिका प्रसाद (पीडी), राजेश इरप्पा कन्नूर (पीडी), योगेन्द्र सिंह (विकेटकीपर), नरेंद्र मंगोरे (पीडी), विक्रांत रविंद्र केनी (पीडी), साई आकाश (बधिर), उमर अशरफ (बधिर), संजू शर्मा (बधिर), अभिषेक सिंह (बधिर), विवेक कुमार (बधिर), विकास गणेशकुमार (आई), प्रवीण नैलवाल (आईडी), ऋषभ जैन (आईडी), तरुण (आईडी)

रिजर्व खिलाड़ीः माजिद मगरे (पीडी), कुलदीप सिंह (बधिर), कृष्णा गौड़ा (बधिर), जितेन्द्र नागराजू (पीडी)

संयम अग्रवाल 14 साल की उम्र में बने उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के कोच

एजेंसी

मुरादाबाद। मुरादाबाद निवासी संयम अग्रवाल 14 साल की उम्र में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन (यूपीटीए) के कोच बन गये हैं। संयम अग्रवाल ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट फर्स्ट डेन प्राप्त हैं। अलोक ताइक्वांडो अकादमी मुरादाबाद के संचालक आलोक कुमार ब्लैक बेल्ट 4 डैन ने बताया कि लखनऊ में केडी सिंह स्टेडियम में 5वीं भारत रत्न स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई ताइक्वांडो प्रतियोगिता 15 मई से 18 मई तक आयोजित ताइक्वांडो प्रतियोगिता में आलोक ताइक्वांडो अकैडमी मुरादाबाद को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने ताइक्वांडो कोच लाइसेंस का सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया था। फर्स्ट डेन ब्लैक बेल्ट संयम अग्रवाल को सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर बनवटा गंज मुरादाबाद में आयोजित ब्रेकिंग एंजाम के बाद कोच लाइसेंस देकर बधाई दी। इस दौरान मुख्य रूप से मानवी मल्होत्रा ब्लैक बेल्ट 2 डैन), यश कुमार ब्लैक बेल्ट 2 डैन, शिव त्यागी ब्लैक बेल्ट 1 डैन उपस्थित रहे।

एमपीएल युवा खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यमः आलोक बिड़ला

एजेंसी

ग्वालियर। ग्वालियर के शंकरपुर स्थित श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में 12 जून से शुरू हो रही मध्यप्रदेश लीग (एमपीएल) की टीम रीवा जैगुआर्स के मालिक आलोक बिड़ला का मानना है कि यह लीग उभरते क्रिकेटरों के लिए अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर दिखाने का एक सशक्त माध्यम है। मध्य प्रदेश लीग की शुरूआत 12 जून से होने जा रही है। लीग में 7 पुरुष टीमें आपस में भिड़ेंगी। पहली बार महिला क्रिकेटर्स की 3 टीमें भी लीग में उतर रही हैं। लीग के सभी मैच श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में होंगे। लीग की शुरुआत से पहले रीवा जैगुआर्स के मालिक बिड़ला ने कहा कि मैं एक ऐसी फ्रेंचाइजी बनाना चाहता हूं जहां खिलाड़ियों को उनके जीवनयापन के साथ-साथ उनके अवसरों में भी लाभ मिले, क्योंकि मेरी सोच सिर्फ एमपीएल में हिस्सा लेने की नहीं, बल्कि उन्हें मानसिक तथा शारीरिक रूप से फिट बनाना भी है। मेरा हमेशा से यह विचार रहा है कि अगर खिलाड़ी फ्रेंचाइजी के साथ जुड़े रहते हैं तो वे और अधिक बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जिंदगी में हर कोई एक ऐसा मौका चाहता है जहां वह अपनी प्रतिभा, कौशल और हुनर दिखा सके। फिर वह कोई भी क्षेत्र हो। तो मध्य प्रदेश

लीग एक ऐसा मंच, एक ऐसा अवसर और एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां आप खुद को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार कर सकते हैं। खिलाड़ी शिवम शुक्ला का उदाहरण देते हुए बिड़ला ने कहा कि उन्होंने पिछले एमपीएल सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और हाल ही में आईपीएल 2025 में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा रिप्लेसमेंट के रूप में चुने गए। कोई नहीं जानता था कि एमपीएल के पहले सीजन के बाद ही वह केकेआर का हिस्सा बन जाएंगे। यही कारण है कि हर कोई मध्य प्रदेश लीग में खेलने की इच्छा रखता है। यह मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा प्रदान किया गया ऐसा मंच है, जहां उन सभी युवा प्रतिभाओं के लिए अवसर हैं जो मध्य प्रदेश में जन्मे और पले-बढ़े हैं और क्रिकेट को अपना जीवन मानते हैं।

पुरुष टीमें:

ग्वालियर चीता, भोपाल लेपर्ड्स, जबलपुर रॉयल लायंस, रीवा जैगुआर्स, इंदौर पिंक पैंथर्स, चंबल घड़ियाल्स, बुंदेलखंड बुल्स

इस बार मध्य प्रदेश लीग के दूसरे सीजन में महिलाओं की लीग भी होगी। महिला लीग में चंबल घड़ियाल्स, भोपाल वुल्व्स और बुंदेलखंड बुल्स की टीमें भाग लेंगी।

एफआईएच प्रो लीगः नीदरलैंड्स के खिलाफ भारत को मिली हार

एजेंसी

एम्स्टलवीन। भारतीय पुरुष हॉकी टीम को एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 के नीदरलैंड्स चरण के अपने पहले मुकाबले में मेजबान टीम के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से एकमात्र गोल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 19वें मिनट में किया, जबकि थाइस वान डैम ने 29वें और 58वें मिनट में गोल कर नीदरलैंड्स को जीत दिलाई। भारतीय टीम ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक तरीके से की और गेंद पर अच्छा नियंत्रण बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह को पहले क्वार्टर में गोल करने का सुनहरा मौका मिला, लेकिन डच गोलकीपर मॉरिट्स विसर ने शानदार बचाव किया। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कोई गोल नहीं हुआ। दूसरे क्वार्टर में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे हरमनप्रीत सिंह ने दमदार अंदाज में गोल में बदलकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लेकिन यह बढ़त ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। थाइस वान डैम ने 29वें मिनट में जवाबी हमला करते हुए नीदरलैंड्स के लिए बराबरी का गोल कर दिया और स्कोर 1-1 पर पहुंच गया। दूसरे हाफ में भारतीय रक्षात्मक खेल दिखाया और कोई गोल नहीं हुआ। मैच के अंतिम क्षणों में नीदरलैंड्स ने दबाव बढ़ाया और 58वें मिनट में एक सटीक पास को थाइस वान डैम ने बेहतरीन

मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन संघर्ष करती नजर आई। भारत ने कुछ लम्बे एरियल पास के ज़रिए मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन डच डिफेंस ने उसे रोक दिया। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने फर्स्ट टच और तेज़ शॉट के साथ गोल में बदलकर टीम को निर्णायक बढ़त दिला दी। भारत ने आखिरी पलों में बराबरी की कोशिश की, लेकिन डच डिफेंस ने कोई मौका नहीं दिया।

कोको गौफ ने पहली बार फ्रेंच ओपन खिताब जीता, एरिना सबालेंका को हराया

एजेंसी

पेरिस। अमेरिकी टेनिस स्टार कोको गौफ ने फ्रेंच ओपन 2025 के महिला एकल फाइनल में विश्व की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालेंका को 6-7 (5), 6-2, 6-4 से हराकर अपना पहला रोलां-गैरो खिताब जीत लिया। यह गौफ का दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब है, इससे पहले उन्होंने 2023 यूएस ओपन जीता था।पहला सेट टाई-ब्रेक में गंवाने के बावजूद गौफ ने शानदार वापसी की और दूसरे सेट में सबालेंका को 6-2 से पछाड़ा। निर्णायक सेट में सबालेंका ने तेज शुरुआत की, लेकिन गौफ ने आत्मविश्वास और निरंतरता के साथ खेलते हुए उन्हें बार-बार बैकहैंड एरर और डबल फॉल्ट करने पर मजबूर किया। तीसरे सेट में एक उत्कृष्ट रैली के दौरान गौफ ने नेट पर शानदार

विनर लगाकर दर्शकों से जमकर तालियां बटोरीं। मैच का निर्णायक मोड़ तब आया जब सबालेंका ने 2-1 की स्थिति में डबल फॉल्ट कर ब्रेक दिया। हालांकि उन्होंने 3-3 पर वापसी की कोशिश की, लेकिन गौफ ने दो और सर्विस होल्ड करते हुए 2 घंटे 38 मिनट में मैच जीत लिया। जैसे ही सबालेंका ने गौफ के दूसरे मैच प्वाइंट पर बैकहैंड वाइड मारा, गौफ कोर्ट पर गिर पड़ीं और चेहरे को दोनों हाथों से ढक लिया। उन्होंने नेट पर सबालेंका को गले लगाया और फिर फिल्म निर्देशक स्पाइक ली के साथ गले मिलकर जीत का जश्न मनाया। यह वही रोलां-गैरो कोर्ट है, जहां तीन साल पहले गौफ को अपने पहले फाइनल में हार मिली थी। सिर्फ 21 वर्ष की उम्र में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुकीं गौफ अब विश्व टेनिस में एक स्थायी शक्ति के रूप में स्थापित हो रही हैं। उनकी मानसिक दृढ़ता, कोर्ट पर तेजी, और तकनीकी समझ ने उन्हें आज के युग की सबसे खतरनाक खिलाड़ियों में शुमार कर दिया है। उल्लेखनीय है कि इस मुकाबले में एक ऐतिहासिक घटना घटी जो पिछले तीन दशकों में सिर्फ दूसरी बार हुआ, जब फ्रेंच ओपन के महिला एकल फाइनल में विश्व की नंबर 1 और नंबर 2 खिलाड़ी आमने-सामने थीं।

ताइक्वांडो के 51 खिलाड़ियों ने दिया बेल्ट व ब्रेकिंग एग्जाम

एजेंसी

मुरादाबाद। अलोक ताइक्वांडो अकादमी द्वारा सरस्वती शिशु मन्दिर बनवटा गंज मुरादाबाद में ब्रेकिंग एंजाम का आयोजन किया गया है। इसमें 51 ताइक्वांडो खिलाड़ियों द्वारा अपनी बेल्ट एवं ब्रेकिंग एग्जाम दिया। इस मौके पर मुख्य अतिथि इंजीनियर नॉर्थ रेलवे मुरादाबाद आशुतोष कुमार, सरस्वती शिशु मंदिर की प्रधानाचार्या मंजू शर्मा उपस्थित रहीं। अलोक ताइक्वांडो अकादमी के संचालक आलोक कुमार ब्लैक बेल्ट 4 डैन ने बताया कि अकादमी की मई बेल्ट परीक्षा सूची में शामिल आरवी बरनवाल, वाची खन्ना, अद्विक सक्सेना, संकल्प मिश्रा, आरुष कुमार प्रसाद, मयंक प्रकाश पाठक, शौर्य, रीदित अग्रवाल, चहेक जोशी, नव्या, नव्या सिंह, अमाया गुप्ता, गौरांश अरोड़ा, कुमार शांतनु, अर्शित गुप्ता, बार्बी, आराध्या सिंह, अनिरुद्ध सिंह, लव कुशल, अभय कुशल, रिद्धि दिवाकर, हर्षित कुमार, शिवांश दिवाकर, प्रज्ञा अग्रवाल, मानवी, अद्भुत सिंह प्रियदर्शी, दिव्यांश चंद्रा, आरुषि राजपूत, कियान, यशिता शर्मा, वरेण्या शर्मा, आंशी सैनी, कुमकुम, कनिष्का, जतिन वर्मा, अभिनव चौधरी, कृष्ण रावत, प्रिंस जोशी, मोहित सैनी, शिविका पासन, सारांश मदान, अधर्व व्यास, अक्षत प्रताप, श्रेयांश भटनागर, निशि, युवराज खन्ना, आरुष रस्तोगी, अनंत कुमार, रिधान रस्तोगी, आर्यन भटनागर, व्याख्या भटनागर ने आज अपनी बेल्ट का एग्जाम व ब्रेकिंग एग्जाम दिया।

किरेन रिजिजू ने मोदीनगर में वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के रेजिडेंशियल विंग का उद्घाटन किया

एजेंसी

मोदीनगर। केंद्रीय संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मोदीनगर स्थित वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स अकादमी के रेजिडेंशियल विंग का उद्घाटन किया।

यह वही अकादमी है, जहां ओलंपिक सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू प्रशिक्षण लेती हैं। इस उद्घाटन के साथ ही भारत के 2036 ओलंपिक की तैयारियों में एक महत्वपूर्ण अध्याय जुड़ गया है।सितंबर 2024 में भारत के चीफ नेशनल कोच विजय शर्मा द्वारा स्थापित इस अत्याधुनिक केंद्र में अब 30 सुसज्जित कमरों में 60 एथलीटों के रहने की व्यवस्था हो चुकी है। फिलहाल यहां 8 से 14 वर्ष की उम्र के 40 नवोदित खिलाड़ी और 15 वरिष्ठ एथलीट प्रशिक्षण ले रहे हैं। रिजिजू ने कार्यक्रम में कहा, मैं वेटलिफ्टिंग वॉरियर्स की टीम को बधाई देता हूं कि अब उनका रेजिडेंशियल सेंटर भी खुल गया है।

मैं केवल शुभकामनाएं नहीं दे रहा, बल्कि मुझे विश्वास है कि यहां से एक बड़ा चैंपियन निकलेगा। मैंने कई अकादमियां देखी हैं, लेकिन विजय शर्मा ने जिस समर्पण से इसे चलाया है, वह वास्तव में अद्वितीय है। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू ने अपने उद्गार में कहा, ÷2036 ओलंपिक सिर्फ एक सपना नहीं है, यह हम सभी की जिम्मेदारी है। जब आप ट्रेनिंग करते हैं, तब 140 करोड़ भारतीयों के सपनों को अपने साथ लेकर चलते हैं। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा कि जिस अकादमी का सपना देखा था, वह आज साकार हो गया है। मीराबाई के साथ ये बच्चे ट्रेनिंग करेंगे, और मुझे विश्वास है कि ये आने वाले ओलंपिक में देश का नाम रोशन करेंगे। यह अकादमी खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत संचालित होती है और इसे युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय, स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई), ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ (आईडब्ल्यूएलएफ) का समर्थन प्राप्त है।

सुविधाओं में आधुनिक जिम, रिकवरी जोन, स्टीम, सॉना और आइस बाथ की व्यवस्था है। अकादमी में सात कोच, तीन फिजियोथेरेपिस्ट और दो प्रमाणित मसाज विशेषज्ञ कार्यरत हैं। यह पहल न केवल खेल प्रतिभाओं को तराशने की दिशा में मील का पत्थर है, बल्कि यह भविष्य के ओलंपिक सितारों के लिए एक मजबूत नींव भी साबित होगी।

नॉर्वे शतरंज 2025: मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

स्टावेंजर। विश्व शतरंज के सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों में से एक नॉर्वे शतरंज 2025 का समापन रोमांचक अंदाज में हुआ, जिसमें मेजबान देश के सुपरस्टार मैग्नस कार्लसन ने रिकॉर्ड सातवीं बार खिताब अपने नाम किया। वहीं महिला वर्ग में यूक्रेन की अन्ना मुझिचुक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताबी जीत हासिल की। आखिरी राउंड में कार्लसन का सामना भारत के अर्जुन एरिगैसी से था। काले मोहरों से खेलते हुए कार्लसन पर हार का खतरा मंडरा रहा था। यदि वह यह मुकाबला हारते तो खिताब उनसे फिसल सकता था। लेकिन दबाव के बीच उन्होंने सटीक बचाव किया और थ्रीफोल्ड रिपिटिशन के ज़रिए ड्रॉ सुनिश्चित कर खिताब अपने नाम कर लिया। भले ही इसके बाद वह अर्मागेडन गेम हार गए, लेकिन क्लासिकल ड्रॉ ने उन्हें पहले ही विजेता बना दिया था।

गुकेश मुझे 2008-09 के अपने दौर की याद दिलाते हैं : मैग्नस कार्लसन

एजेंसी

नई दिल्ली। नॉर्वे चेस 2025 का खिताब जीतने के बाद शतरंज के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश की जमकर तारीफ की है। कार्लसन ने कहा कि गुकेश की मौजूदा शैली उन्हें खुद की शुरुआती शतरंज यात्रा, खासकर 2008-09 के दौर की याद दिलाती है कार्लसन ने कहा, गुकेश का खेल मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं शतरंज में उभर रहा था। मैं भी तब कई बार नियंत्रण खो देता था लेकिन परिणाम निकाल लेता था। वर्ष 2008 के लीनारेस टूर्नामेंट में भी ऐसा ही हुआ था जब आनंद पहले स्थान पर आराम से चल रहे थे और मैं काफी अराजक तरीके से खेलते हुए कुछ ऐसे नतीजे निकाल रहा था जो शायद मेरे शुद्ध कौशल से मेल नहीं खाते थे। कार्लसन ने माना कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गुकेश और अर्जुन (एरिगैसी) जैसे खिलाड़ी खेल के कई हिस्सों में

अभी भी मेरे, फबियानो (कारुआना) और हिकारू (नाकामुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से पीछे हैं, लेकिन यह स्वाभाविक है, क्योंकि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और उनसे हर पहलू में बराबरी की उम्मीद करना जल्दबाज़ी होगी। इस टूर्नामेंट में डी. गुकेश ने पहली बार क्लासिकल फॉर्मेट में मैग्नस कार्लसन को हराकर इतिहास रच दिया था और आखिरी राउंड तक खिताब की दौड़ में बने हुए थे। हालांकि अंतिम राउंड में फबियानो कारुआना से हार के बाद वह तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने गुकेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, यह बहुत प्रेरणादायक है कि गुकेश इतने खराब पोजिशन में भी मुकाबले में बने रहते हैं और खिताब के लिए चुनौती पेश करते हैं। यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है जिससे हर युवा खिलाड़ी गुजरता है। कार्लसन का मानना है कि डी. गुकेश और अर्जुन जैसे युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में विश्व चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं, बशर्ते वे खेल के हर पहलू में लगातार सुधार करें। गौरतलब है कि गुकेश हाल ही में विश्व चैंपियन बने हैं और अब वो क्लासिकल शतरंज में भी खुद को शीर्ष स्तर पर स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं।

हार्दिक सिंह ने पूरे किए 150 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले, हॉकी इंडिया ने दी शुभकामनाएं

एजेंसी

एम्स्टर्डम। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के उप-कप्तान हार्दिक सिंह ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने करियर का 150वां अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेला। यह उपलब्धि उन्होंने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के पहले मैच में नीदरलैंड के खिलाफ हासिल की। उनकी इस उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने उन्हें शुभकामनाएं दी है।पंजाब के जालंधर से ताल्लुक रखने वाले 26 वर्षीय मिडफील्डर हार्दिक सिंह ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 2018 हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी से की थी, जिसमें भारत और पाकिस्तान को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। तब से लेकर अब तक उन्होंने लगभग हर बड़े टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अपनी योग्यता और स्थायित्व का लोहा मनवाया है। हार्दिक भारत की उस ऐतिहासिक टीम का हिस्सा रहे हैं जिसने टोक्यो 2020 और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीते।

इसके साथ ही बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में रजत पदक, हांगझो एशियन गेम्स 2022 और 2023 चेन्नई एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में स्वर्ण पदक, तथा 2018 मस्कट एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में भी स्वर्ण पदक अपने नाम किए। हार्दिक को 2021 में अर्जुन पुरस्कार, 2022 व 2023 में

हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर अवॉर्ड और 2024 में अजीत पाल सिंह मिडफील्डर ऑफ द ईयर अवॉर्ड से नवाजा गया है। अपनी इस उपलब्धि पर हार्दिक ने कहा,यह मेरे लिए एक भावुक क्षण है। भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व की बात रही है। 150 मैच पूरे करना किसी सपने के सच होने जैसा है। इस यात्रा में बहुत कुछ सीखा, सहा और कई यादगार पल मिले। मैं अपने कोचों, साथियों और परिवार का धन्यवाद करता हूं जो हमेशा मेरे साथ खड़े रहे। आगे भी देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता रहूंगा।

हॉकी इंडिया ने दी बधाई

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ दिलीप तिर्की ने हार्दिक को बधाई देते हुए कहा, हार्दिक ने खुद को विश्व हॉकी के सबसे भरोसेमंद और चतुर मिडफील्डर्स के रूप में स्थापित किया है। मैच के दौरान उनका संतुलन और दबाव में खेलने की क्षमता उन्हें विशेष बनाती है। हम उन्हें इस उपलब्धि पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि ÷26 वर्ष की उम्र में 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना हार्दिक की प्रतिबद्धता, अनुशासन और फिटनेस का प्रमाण है। वे भारतीय हॉकी के एक प्रेरणास्रोत खिलाड़ी हैं। उनके योगदान पर हमें गर्व है।

रंगीन दुनिया में हर रंग कुछ बोलता है। बिना रंगों के तो आप अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकते। हर रंग का कुछ अर्थ है, जिसे प्रायः हम नहीं जानते। आपको अपने भाव प्रकट करने हों या किसी को कुछ उपहार में देना हो, इसका चुनाव आप रंगों के माध्यम से ही करते हैं। अगर बात फैशन की हो तो कलर की च्वाइस करना और भी जरूरी हो जाता है।

सब कुछ कह देता है फेवरेट कलर

पहले जहां अलग-अलग डिजाइनर्स के कलेक्शन को एक ही स्टोर में जगह मिलती थी, वहीं अब एक स्पेसफिक कलर के सभी डिजाइनर कपड़ों और एसेसरीज पर बेस्ड स्टोर भी शुरू हो गए हैं। एक रोचक बात और भी है कि फैशन को ध्यान में रखकर एक स्पेशल कलर थीम को लेकर अब एक्सपेरिमेंट हो रहे हैं।

इन कलर थीम में इस समय सिटी में ब्लैक, व्हाइट और पिंक थीम आ चुकी है। इन तीनों कलर्स में अगर आपको किसी भी तरह का आउटफिट, शूज, एसेसरीज और हैंडबैग चाहिए, तो आपको पूरी मैचिंग एक ही शॉप पर मिल जाएगी। ये तीनों कलर्स ही ऐसे हैं, जिन्हें यूथ के साथ ही बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन भी पसंद करते हैं।

इन्हें चाहिए ब्लैक

बॉलीवुड के स्टाइल आइकल जॉब अब्राहिम, शाहरुख खान, शाहिद कपूर के फैन्स उनके ब्लैक कलर को भी फॉलो करते हैं। शादी, रिसेप्शन, डांस पार्टी, कॉकटेल पार्टी सभी जगह ब्लैक को फॉलो किया जा सकता है। ब्लैक कलर के दीवाने अपनी पसंद का यूनिक ब्लैक डिजाइनर पीस चुन रहे हैं।

व्हाइट फॉर आल

व्हाइट कलर सिर्फ यूथ ही नहीं, बल्कि बिजनेसमैन और पॉलिटिशियन की वॉडरोब का भी हिस्सा बना हुआ है। इसीलिए व्हाइट कलर में मेन्स वियर्स जैसे शर्ट्स, ट्राउजर, टाई, बेल्ट, शेरवानी, सूट, शूज और दूसरी सभी एसेसरीज तक बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं।

पिंक कलर बेस्ट

ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है।

पिंक कलर युवतियों का तो हमेशा से ही फेवरेट रहा है। हर गारमेंट शॉप, मेकअप शॉप और एसेसरी शॉप में अपना फेवरेट बेबी और स्पारकलिंग पिंक ढूंढ़ती है। ऐसा माना जाता है कि टीनेजर गर्ल्स के साथ 25 साल तक की गर्ल्स पिंक कलर की ड्रेसेज और एसेसरीज को पसंद करती हैं। ये कलर रोमांस के साथ ही सॉफ्टनेस के लिए भी जाना जाता है। शायद इसीलिए गर्ल्स फैशन एसेसरीज में, फुटवियर्स, बैग, ज्वैलरी, हेयर एसेसरीज के साथ ही गिफ्ट आइटम्स आदि में पिंक कलर ही खोजती हैं। ऐसा नहीं है कि उन्हें कोई कलर नहीं भाता, लेकिन पिंक कलर उनकी पहली प्राथमिकता होती है। लड़कियां गुलाबी और लाल तथा लड़के नीले और हरे रंग के प्रति आकर्षित क्यों होते हैं, इसका कारण चीनी वैज्ञानिकों ने पता लगा लिया है। झीजांग यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि लड़कियों के दिमाग की संरचना इस तरह से है कि वे पके हुए लाल फलों जैसे रंगों की ओर आकर्षित हो जाती हैं, जबकि लड़के आसमान जैसे रंगों को पसंद करते हैं। 350 से अधिक विद्यार्थियों पर रंगों को लेकर किए गए शोध के बाद शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। इस शोध में विद्यार्थियों पर 11 रंगों की पसंद का पता लगाया गया, साथ ही सभी का व्यक्तित्व परीक्षण भी किया गया। इस शोध में यह खुलासा हुआ है कि लड़कियों ने गुलाबी, बैंगनी और सफेद रंगों को पसंद किया, जबकि लड़कों ने नीले और हरे रंग को महत्ता दी। इससे यह भी पता चला है कि अंतर्मुखी लड़के पीले रंग को पसंद करते हैं और लड़कियां ग्रे रंग का चुनाव करती हैं।

खाएं स्वाद से...

चटनी प्याज की

सामग्री

1 स्लाइस में कटा हुआ प्याज, 1 चम्मच हल्दी, 1 चम्मच तेल, 1 चम्मच मैथीदाना, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, आधा चम्मच कलौंजी, 100 ग्राम बैंगन, 10 ग्राम कटी हुई हरी मिर्च, 100 ग्राम कटी हुई शिमला मिर्च ,500 ग्राम पत्ता गोभी , 1 चम्मच सिरका, 150 ग्राम सेम की फली, स्वाद के अनुसार चीनी।

विधि

तेल गरम करें उसमें प्याज को भूनें । इसमें मैथी दाना, जीरा, सौंफ, हल्दी, हरी मिर्च, और कलौंजी मिलाएं और थोडी देर तक भूनते रहें। अब इसमें कटी हुई पत्तागोभी डालें और धीमी आंच पर पकने के लिए ढंककर रख दे ऊपर से सिरका और चीनी डालें । कुछ देर पकने के बाद गैस बंद कर दे। अब सब्जी तैयार हो गई। चटनी के साथ गरम गरम परोसें।

फिरनी केसर - बादाम

सामग्री

दूध एक लीटर, चावल 200 ग्राम, शक्कर 100 ग्राम, कटी बादाम 20 ग्राम, पिस्ता 15 ग्राम, हरी इलायची छह से आठ, केसर आधा ग्राम, चाँदी या सोने का वर्क।

विधि

चावल को कुछ घंटों तक पानी में भिगो लें और पानी निथारकर पीस लें। दूध को धीमी आँच पर उबालें और चावल, शक्कर, हरी इलायची और केसर मिलाकर तब तक चलाती रहें जब तक दूध गाढ़ा न हो जाए। आँच से हटा कर बादाम और पिस्ता डाल दें। सर्विस बाउल में डालकर ठंडा कर लें। अब बादाम, पिस्ता व चाँदी या सोने के वर्क की गार्निश करें और ठंडा करके परोसें।

लो फैट मिठाई

सामग्री

250 ग्राम गेहूँ का आटा, 30 ग्राम घी, 200 ग्राम पिसी हुई चीनी या गुड़, एक चम्मच इलायची पावडर, एक चम्मच बादाम पावडर।

विधि

मोटे तले की कड़ाही में आटा भून लें। पिसी चीनी या गुड़ का चूरा कर आटे में मिला लें। मध्यम आँच पर दस निमट तक पकाएँ और थोड़ी-थोड़ी देर पर चलाती रहें। बाद में इलायची और बादाम पांवडर मिला लें। हाथ पर थोड़ा-सा घी लगाकर इनके लड्डू बाँध लें। और खुलकर खाएँ लो फैट मिठाइयाँ।

कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें । कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है। गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

जबसे महिलाओं ने बाहर का मोर्चा संभालना प्रारंभ किया है, विज्ञान ने भी इतने नये उपकरण निकाल दिए हैं कि उन्हें रसोई संभालना, घर की साफसफाई रखना अधिक मुश्किल न लगे पर बिजली के उपकरण भी देखभाल मांगते है ताकि उन्हें लंबे समय तक अपने आराम का साथी बनाया जा सके। माइक्रोवेव, गैस स्टोव, मिक्सर जूसरग्राइंडर, फ्रिज, एसी, टोस्टर, प्रेशर कुकर, एक्जास्ट फैन, चिमनी आदि की सफाई का ध्यान नहीं रखेंगे तो ये हमारा जल्दी साथ छोड़ देंगे और हमारी परेशानी बढ़ जाएगी। तो आइये देखें इनकी देखरेख कैसे की जाए।

कुकर : कुकर हमेशा आईएसआई मार्क का खरीदें जो काफी भारी हो। हलका कुकर जल्दी फट सकता है। कुकर जल्दी खाना बनाने में हमारी मदद करता है और ईंधन की बचत करता है। यदि हम इसके प्रति लापरवाही बरतेंगे तो यह भी हमारे प्रति लापरवाह हो जाएगा। कुकर के ढक्कन का प्रयोग आराम से करें और ढक्कन उपयोग के बाद सावधानीपूर्वक ऐसे स्थान पर रखें ताकि वो गिरे नहीं और दबे नहीं। गिरने से ढक्कन टेढ़ा हो जाता है आर प्रेशर बनने में मुश्किल होती है। कुकर में दाल बनाते समय थोड़ा सा रिफाइंड तेल अवश्य डालें ताकि दाल का पानी बाहर न निकले। कुकर के रबड़ पर विशेष ध्यान दें। यदि रबड़ ढीला होगा तो प्रेशर नहीं बनेगा। नया रबड़ हमेशा अच्छी कंपनी का ही खरीदें। कभी रबड़ ढीला हो जाए तो उसे 15 मिनट तक फ्रीजर में रख दें। फिर से प्रेशर बनना प्रारंभ हो जाएगा। कुकर के ढक्कन की सफाई गाकेट उतारकर पुराने टूथ ब्रश से करें ताकि कोई भी खाद्य पदार्थ चिपका न रह जाए। इससे भी प्रेशर बनने में परेशानी होती है।

गैस चूल्हा : गैस चूल्हे की हर बार खाना बनाने के पश्चात गीले कपड़े से या सूखे कपड़े से सफाई की जाए तो हम कई परेशानियों से बच सकते हैं।

कौन हैं भोजपुरी एक्ट्रेस

नीलम गिरी

फैमिली, संघर्ष और करियर समेत, यहां जानें सबकुछ

यूट्यूब पर पवन सिंह, खेसारी लाल, नीलकमल सिंह और अंकुश राजा के भोजपुरी गाने सबसे ज्यादा धमाल मचाते हैं. इन सभी सिंगर्स के साथ एक्ट्रेस नीलम गिरी काम कर चुकी हैं. नीलम गिरी ने अपने करियर की शुरुआत भोजपुरी फिल्म से ही की थी और आज इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेसेस की लिस्ट में शामिल हैं. नीलम गिरी दिखने में बेहद खूबसूरत हैं और सोशल मीडिया पर अपनी एक से बढ़कर एक तस्वीरें-वीडियो शेयर करती रहती हैं.इंस्टाग्राम पर नीलम गिरी को लाखों लोग फॉलो करते हैं और भोजपुरी गानों में उनके लटके-झटकों पर हर भोजपुरिया झूमता है. ऐसे में कई फैंस हैं जो नीलम गिरी के बारे में सबकुछ जानना चाहता है. नीलम गिरी की पहली भोजपुरी फिल्म कौन सी थी, उनकी उम्र क्या है और उनके बारे में ढेर सारी जानकारी, आइए आपको बताते हैं.

नीलम गिरी कौन है ?

3 सितंबर 1995 को वेस्ट बंगाल में जन्मीं नीलम गिरी फिलहाल 29 साल की हैं. नीलम मूल रूप से यूपी के बलिया की रहने वाली हैं और इनके पिता की एक हार्डवेयर की दुकान है. नीलम गिरी के दो छोटे भाई और एक बड़ी बहन हैं. नीलम की स्कूलिंग पटना के सेंट माइकल स्कूल से हुई है, वहीं पटना यूनिवर्सिटी से नीलम ने ग्रेजुएशन किया है. नीलम एक मिडिल क्लास फैमिली से आती हैं जो पटना में रहती है. टिकटॉक पर नीलम का अकाउंट था और वहां एक्ट्रेस वीडियो बनाया करती थीं. भोजपुरी सिनेमा में

पहला ब्रेक नीलम गिरी को पवन सिंह ने अपने एक म्यूजिक एल्बम से दिया था.

नीलम गिरी का भोजपुरी फिल्मी करियर

नीलम का पहला म्यूजिक वीडियो पवन सिंह के साथ आया था, जिस गाने का नाम 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' था. वो गाना यूट्यूब पर खूब पसंद किया गया और इसके बाद 2021 में नीलम गिरी की पहली भोजपुरी फिल्म बाबुल रिलीज हुई, जिसमें उनके काम को नोटिस किया गया था. इसके बाद नीलम गिरी ने 'इज्जत घर', 'यूपी 61 लव स्टोरी ऑफ गाजीपुर', 'टुन टुन', 'कलाकंद' और 'जस्ट मैरिड' जैसी सुपरहिट फिल्में की हैं. इंस्टाग्राााम पर नीलम गिरी के 4.9 मिलियन फॉलोवर्स हैं, जहां नीलम काफी एक्टिव रहती हैं. अगर आपको नीलम गिरी के पर्सनल या प्रोफेशनल चीजों की अपडेट्स चाहिए तो उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर उन्हें फॉलो कर सकते हैं.

नीलम गिरी का रिलेशनशिप ?

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नीलम गिरी का अफेयर भोजपुरी सुपरस्टार दिनेश लाल यादव उर्फ निरहुआ के छोटे भाई प्रवेश लाल यादव के साथ रहा है. 2024 के लोकसभा चुनाव में जब निरहुआ इलेक्शन कैंपेन कर रहे थे तब दिनेश के साथ नीलम गिरी को कई बार स्पॉट किया गया था. भोजपुरी अवॉर्ड फंक्शन्स पर भी नीलम अक्सर प्रवेश लाल के साथ ही पहुंचती हैं, हालांकि वो रिलेशन में हैं या नहीं इसपर उन्होंने कुछ नहीं बोला है. प्रवेश लाल के साथ नीलम गिरी ने कई म्यूजिक वीडियो भी किए हैं.

अमृता राव

की आरजे अनमोल से कैसे शुरू हुई थी लव स्टोरी? यहां जानें लवेबल कपल के प्यार का किस्सा

2000 की शुरुआत में अमृता राव लड़कों की पहली पसंद हुआ करती थीं. फिल्म इश्क-विश्क (2003) जब आई उसके बाद हर लड़का अमृता राव जैसी गर्लफ्रेंड चाहने लगा और जब फिल्म विवाह (2006) आई तो लड़के वैसी ही वाइफ चाहने लगे. अमृता राव की मुस्कान और अदाएं हर किसी को भाती हैं और आज भी उनमें ये गुण मौजूद हैं. अमृता राव विवादों से दूर रहीं और हर किसी के दिल पर छाई रहीं लेकिन, जब उनकी शादी हुई तो बहुत से लड़कों का दिल टूट गया.

काफी समय तक अमृता राव आरजे अनमोल के साथ रिलेशनशिप में रहीं और 2016 में शादी करके सैटल हो गईं. इन दिनों अमृता अपने हसबैंड अनमोल के साथ एक यूट्यूब चैनल चलाती हैं जिसमें कई बड़े सेलेब्स के साथ पॉडकास्ट किया जा चुका है. अमृता राव और आरजे अनमोल फिल्म इंडस्ट्री के उन प्यारे कपल्स में एक हैं जो साथ में बहुत क्यूट लगते हैं और उनके बीच बहुत प्यार है. लेकिन, उनका ये प्यार कब और कैसे शुरू हुआ, आइए आपको उनकी लव स्टोरी के बारे में बताते हैं.

कैसे शुरू हुई लव स्टोरी ?

7 जून 1981 को जन्मीं अमृता राव आज अपना 44वां बर्थडे मना रही हैं. उम्र के एक पड़ाव पर आने के बाद भी अमृता के चेहरे की मासूमियत आज भी बरकरार है. अमृता की शादी को पूरे 9 साल हो चुके हैं लेकिन जब भी ये कपल सामने आता है तो उनके बीच का प्यार दिखता है. ये जोड़ी एक-दूसरे के लिए ही बनी है, उन्हें देखकर ये कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है. अमृता और अनमोल ने अपने ही यूट्यूब चैनल पर अपनी लव स्टोरी शेयर की थी.

अनमोल ने बताया था कि पहली बार अनमोल की अमृता से मुलाकात रेडियो स्टेशन पर हुई थी. यहां अनमोल ने अमृता का इंटरव्यू लिया और फिर दोनों की दोस्ती हो गई. दोनों को एक-दूसरे का साथ पसंद आने लगा और अनमोल अमृता को चाहने लगे थे. अनमोल ने बताया था कि उन्होंने एक दिन अमृता को प्रपोज कर दिया लेकिन, पहली बार अमृता ने इसका कोई जवाब नहीं दिया था. अनमोल ने हार नहीं मानी और एक बार जब दोनों जुहू बीच पर घूमने गए तो अनमोल ने फिर से अमृता को प्रपोज किया.

अनमोल की मां भी करती थीं पसंद

अनमोल ने लव स्टोरी शेयर करते हुए कहा था कि वो तो उन्हें पसंद करते ही हैं, साथ में उनकी मां भी उन्हें बहुत पसंद करती हैं. क्योंकि उन्हें उनकी फिल्म विवाह बहुत पसंद थी. अनमोल की मां कहती थीं कि उन्हें 'विवाह' की पूनम जैसी ही बहू चाहिए. इस बात से अमृता इंप्रेस हो गईं और उन्होंने अनमोल को हां कह दी. दोनों ने कुछ साल एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया और आज एक बेटे के माता-पिता बन चुके हैं. अमृता और अनमोल की शादी को इतने साल हो चुके हैं फिर भी उनके बीच की कैमिस्ट्री आज भी जबरदस्त है.

'छावा' के बाद लक्ष्मण उतेकर का 'मास्टरस्ट्रोक'! श्रद्धा कपूर के साथ बनाएंगे मशहूर लावणी डांसर की बायोपिक

'छत्रपति संभाजी महाराज' पर बनी फिल्म 'छावा' की जबरदस्त सफलता के बाद मराठी किरदार अब बॉलीवुड फिल्ममेकर्स को अपनी तरफ आकर्षित कर रहे हैं. इसी कड़ी में एक बड़ी खबर सामने आ रही है. कुछ दिनों पहले ही ये जानकारी मिली थी कि 'छावा' को मिली सफलता के बाद मशहूर फिल्म निर्देशक लक्ष्मण उतेकर श्रद्धा कपूर के साथ अपनी अगली फिल्म बनाने जा रहे हैं और इस फिल्म में श्रद्धा एक मराठी मुलगी का किरदार निभाने वाली हैं. लेकिन अब हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली एक्सक्लूसिव जानकारी के मुताबिक ये फिल्म एक मराठी फोक डांसर की दमदार बायोपिक होगी.जानकारी के मुताबिक श्रद्धा कपूर इस फिल्म में महाराष्ट्र की मशहूर लावणी नृत्यांगना और 'लावणी सम्राज्ञी' के नाम से मशहूर विठाबाई भाऊ मांग नारायणगावकर का किरदार निभाने वाली हैं. हालांकि, अभी तक मेकर्स की तरफ से इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन अगर ये सच होता है, तो श्रद्धा के करियर का ये अब तक का सबसे चैलेंजिंग किरदार साबित हो सकता है. 'तमाशा = विठाबाईच्या आयुष्याचा' नाम से मशहूर मराठी नावेल विठाबाई की जिंदगी की कहानी बयां करती है.

विठाबाई की जिंदगी के अनसुने दर्द

विठाबाई भाऊ मांग नारायणगावकर, सिर्फ एक लावणी डांसर नहीं थीं, उनका जीवन संघर्ष और साहस की मिसाल था. उनकी जिंदगी कई मुश्किलों से भरी थी. गरीबी, समाज की रूढ़िवादी सोच और लावणी कलाकारों के लिए लोगों का गुस्सा, इन सबका सामना करते हुए विठाबाई ने अपनी कला को जीवित रखने की कोशिश की. उनके बारे में एक किस्सा बहुत मशहूर हैं. 9 महीने की प्रेग्नेंट विठाबाई को उनकी लावणी परफॉर्मेंस के दौरान मंच पर ही प्रसव पीड़ा (लेबर पेन) शुरू हुई, लेकिन उन्होंने अपनी परफॉर्मेंस नहीं रोकी. इतना ही नहीं जब उन्हें पता चला कि अब वो किसी भी पल बच्चे को जन्म दे सकती हैं, तो उन्होंने मंच के पीछे जाकर बच्चे को जन्म दिया, एक पत्थर से गर्भनाल को तोड़कर बच्चे को खुद से अलग किया और फिर वो मंच पर लावणी करने लौटीं, ताकि उन्हें उस परफॉर्मेंस के पूरे पैसे मिले और उनकी मंडली (उनकी टीम में शामिल लोग) का पेट भर सके.

255 करोड़ रुपये में बनी 'हाउसफुल 5' ने पहले दिन कितने पैसे छापे? अक्षय ने अपनी ही इन दो फिल्मों को पछाड़ा

इन दिनों अक्षय कुमार की नई फिल्म 'हाउसफुल 5' को लेकर काफी बज बना हुआ है. 6 जून को ये फिल्म सिनेमाघरों में रिलीज हुई है. रिलीज होते ही फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका करना शुरू कर दिया है. शुरुआती बॉक्स ऑफिस आंकड़े के हिसाब से लग रहा है कि लोगों को ये फिल्म काफी पसंद आ रही है और अक्षय के साथ रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, फरदीन खान जैसे स्टार्स लोगों का दिल जीत रहे हैं.

सैकनिल्क के मुताबिक 'हाउसफुल 5' ने पहले दिन 23 करोड़ की अनुमानित कमाई की है. ये डेटा शुक्रवार रात 10 बजे तक का है. फाइनल डेटा शनिवार सुबह सामने आएगा. फाइनल आंकड़ा सामने आने के बाद कमाई में थोड़ा बहुत अंतर देखने को मिल सकता है. हालांकि, फिलहाल अगर इस फिल्म की ओपनिंग डे की कमाई 23 करोड़ ही मानें तो ये अक्षय की साल 2025 की सबसी बड़ी ओपनर फिल्म बन गई है.

अक्षय ने अपनी ही इन दो फिल्मों को पछाड़ा

'हाउसफुल 5' से पहले इसी साल अक्षय दो और फिल्में लेकर आए थे. पहली फिल्म है 'स्काई फोर्स' और दूसरी है 'केसरी चैप्टर 2'. 'हाउसफुल 5' की पहले दिन की कमाई इन दोनों फिल्मों से ज्यादा है. ओपनिंग डे पर 'स्काई फोर्स' ने 12.25 करोड़ और 'केसरी 2' ने 7.55 करोड़ रुपये अपने नाम किए थे. वहीं ये नई फिल्म दोनों ही फिल्मों से आगे निकल गई है.

'हाउसफुल 5' एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसे साजिद नाडियाडवाला ने प्रोड्यूस किया है. रिपोर्ट्स की मानें तो इस फिल्म को बनाने में खूब पैसा खर्च किया गया है. इसका बजट 255 करोड़ रुपये है.

हालांकि, जिस हिसाब से फिल्म ने ओपनिंग की है, उससे लग रहा है कि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाई के मामले में कई बड़े रिकॉर्ड बना सकती है. अक्षय के लिए इस फिल्म का हिट होना काफी जरूरी है, क्योंकि पिछले कुछ सालों में उनकी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर असफल रही हैं.

ये सितारे भी 'हाउसफुल 5' का हिस्सा

संजय दत्त, नाना पाटेकर, सोनम बाजवा, जैकलीन फर्नांडिस, नरगिस फाखरी, डिनो मोरिया, चंकी पांडे, जॉनी लिवर जैसे सितारे भी इस फिल्म का हिस्सा हैं. ये एक कॉमेडी ड्रामा फिल्म है, जिसमें इस बार मेकर्स ने मर्डर-मिस्ट्री का तड़का भी लगाया है. यानी कॉमेडी के साथ-साथ फिल्म में मर्डर-मिस्ट्री की कहानी भी दिखाई है.